Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

E-Mail : mantrabharatmumbai@gmail.com, Mo. 7007837917

संस्करण : मुंबई
वर्ष : 11
अंक : 69
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.0
मंगलवार, 17 मार्च, 2026

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

मुंबई, लखनऊ, प्रयागराज एवं ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित एवं ठाणे, नवी मुम्बई, पालघर, नासिक एवं पुणे से प्रसारित

3 बीडीडी चॉल पुनर्विकास परियोजना से निवासियों .. 4 ऐप और एल्गोरिद्म के बीच मानवीयता की ... 7 पाकिस्तान का आरोप- बिग स्क्रीन..

संक्षिप्त न्यूज

केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने गुना को दी रू 32.27 करोड़ के विकास कार्यों की सौगात

गुना। केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री तथा गुना सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया ने गुना में रू 32.27 करोड़ लागत के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण किया। इनमें ?16.86 करोड़ की लागत से जिला अस्पताल में निर्मित अत्याधुनिक क्रिटिकल केयर यूनिट और रेलवे स्टेशन तथा सकटपुर में रू 15.41 करोड़ की लागत से तैयार सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट शामिल हैं। इस दौरान उन्होंने क्रिटिकल केयर यूनिट का निरीक्षण भी किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि गुना के विकास को नई गति देने के लिए स्वास्थ्य, बुनियादी ढांचे और नागरिक सुविधाओं को लगातार मजबूत किया जा रहा है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री ने गुना की जनता के साथ अपने पारिवारिक संबंध का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि यह रिश्ता केवल राजनीति का नहीं, बल्कि विश्वास और भावनाओं का है।

राजमाता ने दिया था 'स्वयं को कभी नहीं बदलने' का संदेश

अपने संबोधन में केन्द्रीय मंत्री ने राजमाता श्रीमंत विजयाराजे सिंधिया के मार्गदर्शन को याद करते हुए कहा कि उनका संदेश हमेशा यही रहा कि व्यक्ति को परिस्थितियों के बावजूद स्वयं को कभी बदलने नहीं देना चाहिए। उन्होंने कहा कि राजनीति में भी मूल्यों और सेवा की भावना को बनाए रखना उनका संकल्प रहा है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जीवन का सफर निरंतर सीखने का सफर होता है। उन्होंने कहा कि विकास परियोजनाएँ जितनी महत्वपूर्ण हैं, उतना ही महत्वपूर्ण आम नागरिकों की व्यक्तिगत समस्याओं का समाधान करना भी है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि गुना में रू 16.86 करोड़ की लागत से स्थापित अत्याधुनिक क्रिटिकल केयर यूनिट जिले की स्वास्थ्य सेवाओं में बड़ा परिवर्तन लाएगी।

एस. जयशंकर की कूटनीति का असरः एलपीजी टैंकर 'शिवालिक' मुंद्रा बंदरगाह पहुंचा

नई दिल्ली / मुंद्रा। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच भारत के लिए एक राहतभरी खबर सामने आई है। लगभग 40,000 मीट्रिक टन द्रवीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) लेकर भारतीय टैंकर 'शिवालिक' सुरक्षित रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य पार कर गुजरात के मुंद्रा बंदरगाह पहुंच गया। यह भारत की कूटनीतिक पहल का परिणाम माना जा रहा है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर द्वारा ईरान के साथ की गई सीधी बातचीत के प्रयासों से यह मार्ग खुला और भारतीय जहाज सुरक्षित रूप से गुजर सके। इससे भारत की ऊर्जा सुरक्षा बनाए रखने में महत्वपूर्ण मदद मिली है।

बंदरगाह पर तुरंत उतारने की व्यवस्था

बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय के विशेष सचिव राजेश कुमार सिन्हा ने बताया कि शिवालिक के पहुंचते ही एलपीजी की तत्काल उतराई सुनिश्चित करने के लिए प्राथमिकता के आधार पर बर्थिंग और दस्तावेजी प्रक्रिया पूरी कर दी गई है, ताकि किसी प्रकार की देरी न हो।

अन्य जहाज भी रास्ते में

अधिकारियों के अनुसार एलपीजी लेकर आने वाला एक अन्य भारतीय जहाज 'नंदा देवी' भी कल भारत पहुंचेगा। संयुक्त अरब अमीरात से लगभग 81,000 टन कच्चा तेल लेकर भारतीय जहाज 'जग लाडकी' भी सुरक्षित रूप से भारत की ओर आ रहा है।

फिलहाल फारस की खाड़ी में भारतीय ध्वज वाले 22 जहाज मौजूद हैं, जिनमें कुल 611 भारतीय नाविक सवार हैं। पिछले 24 घंटों में किसी प्रकार की घटना की सूचना नहीं मिली है।

भारत की कूटनीतिक रणनीति

विदेश मंत्री जयशंकर ने एक साक्षात्कार में कहा कि भारत ने होर्मुज जलडमरूमध्य से समुद्री यातायात फिर से शुरू कराने के लिए ईरान के साथ संवाद का रास्ता अपनाया है। यह जलमार्ग वैश्विक तेल व्यापार के लगभग 20 प्रतिशत हिस्से के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है।

उन्होंने कहा कि भारत के लिए 'टकराव के बजाय तर्क और समन्वय से समाधान निकालना अधिक प्रभावी है।'

ालांकि अभी सभी जहाजों के लिए कोई व्यापक व्यवस्था नहीं बनी है और फिलहाल जहाजों का आवागमन मामला-दर-मामला आधार पर प्रबंधित किया जा रहा है।

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने भी कहा है कि होर्मुज जलडमरूमध्य खुला है, लेकिन यह उनके विरोधियों और आक्रमण करने वालों के लिए बंद है।

एलपीजी की कमी पर सड़क पर उतरीं ममता

बोलीं- मोदी सरकार की नाकामी से यह संकट

कोलकाता **(एजेंसी)**। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को कोलकाता में एलपीजी की कथित कमी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया और केंद्र सरकार पर पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने में विफल रहने का आरोप लगाया। रैली का नेतृत्व करने के लिए बनर्जी कॉलेज स्क्वायर पहुंचीं और यह रैली डोरिना क्रॉसिंग की ओर बढ़ी। एलपीजी की कमी के खिलाफ प्रदर्शन के रूप में आयोजित इस मार्च को बंगाल के लोगों के अधिकारों और गरिमा के लिए एक एकजुट आंदोलन के रूप में प्रस्तुत किया गया। तृणमूल कांग्रेस ने लोगों से मार्च में शामिल होने का आह्वान करते हुए समर्थकों से ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली रैली में भाग लेने और न्याय के लिए सामूहिक आवाज का हिस्सा बनने का आग्रह किया।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने द्रवीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) की बढ़ती कमी के लिए नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार को जिम्मेदार ठहराया है। उनका आरोप है कि पश्चिम एशिया मंत चल रहे संघर्ष के कारण ऊर्जा आपूर्ति में आई बाधाओं के बीच प्रतिबंध लगाने से पहले सरकार खाना पकाने की गैस और पेट्रोलियम उत्पादों का पर्याप्त भंडार बनाने में विफल रही।

11 मार्च को एक बंगाली समाचार चैनल से बात करते हुए बनर्जी ने कहा कि अगर केंद्र सरकार ने वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखलाओं में संभावित बाधाओं के लिए पहले से योजना बनाई होती तो इस स्थिति से बचा जा सकता था। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार को पहले एलपीजी, तेल और गैस का पर्याप्त भंडार सुनिश्चित करना चाहिए था। इसके बिना, संकट से निपटने के लिए उचित योजना के बिना प्रतिबंध लगा दिए गए हैं। पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनावों के कारण एलपीजी की कमी हो रही है, जिससे वैश्विक ईंधन शिपमेंट और आपूर्ति मार्गों पर असर पड़ना शुरू हो गया है।

केरल विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा ने जारी की 47 उम्मीदवारों की पहली सूची

नेमम से ताल ठोकेंगे राजीव चंद्रशेखर

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आगामी केरल विधानसभा चुनाव के लिए अपने उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी है, जिसमें राज्य चुनावों के लिए 47 उम्मीदवारों के नाम शामिल हैं। इस घोषणा के साथ ही केरल में भाजपा की चुनावी तैयारियों की शुरुआत हो गई है, क्योंकि राजनीतिक दल राज्य में होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए कमर कस रहे हैं। नेमम सीट से राजीव चंद्रशेखर मैदान में होंगे। भारतीय जनता पार्टी की सूची के अनुसार, पूर्व केंद्रीय मंत्री वी मुरलीधरन कझाकुट्टम विधानसभा क्षेत्र से, जबकि पी सी जॉर्ज पूंजर विधानसभा सीट से उम्मीदवार बनाये गये हैं।

यह घोषणा कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्सवादी) (सीपीआईएम) द्वारा आगामी केरल विधानसभा चुनाव 2026 में 86 सीटों पर चुनाव लड़ने की घोषणा के एक दिन बाद आई है, जिसमें उसने अपने उम्मीदवारों की सूची में 56 मौजूदा विधायकों को फिर से नामांकित किया है। मुख्यमंत्री पिनारयी विजयन एक बार फिर कन्नूर जिले के धर्मदोम विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ेंगे।

विधानसभा चुनाव की तारीखोंके ऐलान पर आरजेडी का हमला

मनोज कुमार झा बोले- चुनाव आयोग ने संदेह पैदा किया

पटना **(एजेंसी)**। राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के सांसद मनोज कुमार झा ने सोमवार को पांच राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए चुनाव तिथियों की घोषणा के समय पर सवाल उठाते हुए कहा कि इससे चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर संदेह पैदा होता है। एएनआई से बात करते हुए मनोज झा ने कहा कि वे इस घटनाक्रम से न तो आश्चर्यचकित हैं और न ही आहत, लेकिन उन्हें लगता है कि चुनाव आयोग घोषणा करने से पहले थोड़ा इंतजार कर सकता था। वे राष्ट्रपति भवन द्वारा हाल ही में घोषित राज्यपालों और

उपराज्यपालों के व्यापक प्रशासनिक फेरबदल का जिक्र कर रहे थे।

मनोज कुमार झा ने कहा कि मैं न तो आश्चर्यचकित हूं और न ही आहत। चुनाव आयोग को थोड़ा इंतजार करना चाहिए था। जब आप ऐसा करते हैं, तो संदेह पैदा होता है। आरजेडी नेता ने आगे कहा कि चुनाव तिथियों की घोषणा स्वयं मुख्य मुद्दा नहीं है, बल्कि चुनाव कराने के लिए जिम्मेदार संवैधानिक निकाय की निष्पक्षता की धारणा से संबंधित है। झा ने कहा कि पांच राज्यों के लिए तिथियों की घोषणा हो चुकी है, लेकिन यह महत्वपूर्ण नहीं है। महत्वपूर्ण यह है कि चुनाव आयोग अपनी निष्पक्षता कब पुनः प्राप्त करेगा।

चुनाव आयोग ने हाल ही में पांच राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में आगामी विधानसभा चुनावों का कार्यक्रम घोषित किया है। भारत निर्वाचन आयोग ने केरल, असम, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनावों का कार्यक्रम जारी किया है। घोषणा के अनुसार, विधानसभा चुनाव 9 अप्रैल से शुरू होंगे। असम, केरल और पुडुचेरी में मतदान 9 अप्रैल को एक ही चरण में होगा। पश्चिम बंगाल में पहले चरण का मतदान 23 अप्रैल को और दूसरे चरण का मतदान 29 अप्रैल को होगा। तमिलनाडु में भी चुनाव 23 अप्रैल को एक ही चरण में होंगे। सभी पांच राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के वोटों की गिनती 4 मई को होगी।

तमिलनाडु विधानसभा चुनावः

टीवीके ने कहा- एनडीए के साथ कोई गठबंधन नहीं, डीएमके पर लगाया झूठ फैलाने का आरोप

चेन्नई। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के लिए तैयारियां तेज हो गई हैं। इस बीच, तमिलगा वेत्रि कझगम (टीवीके) ने सोमवार को एआईएडीएमके-भाजपा के साथ गठबंधन की बातचीत की खबरों को झूठ करार दिया। पार्टी ने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) ऐसी अफवाहें फैला रही है, ताकि लोगों में भ्रम पैदा हो। टीवीके, अभिनेता से नेता बने विजय थलापति की पार्टी है।

'एनडीए से गठबंधन का दावा पूरी तरह गलत'

टीवीके के उप महासचिव सीटीआर निर्मल कुमार ने कहा कि सियासी लाभ के लिए कुछ मीडिया संस्थान और सोशल मीडिया खाते झूठी खबरें फैला रहे हैं। उन्होंने कहा, टीवीके और भाजपा-एआईएडीएमके व वीके शशिकला और एस रामदास के नेतृत्व वाले दलों के बीच गठबंधन की बातचीत का दावा पूरी तरह गलत है।

पार्टी के मुख्य प्रवक्ता निर्मल कुमार ने

एक बयान में कहा, हम स्पष्ट करना चाहते हैं कि किसी भी स्तर पर किसी विशेष दल या राजनेता के साथ कोई बातचीत नहीं हुई है। उन्होंने कहा, पहले भी कांग्रेस समेत विभिन्न राजनीतिक दलों के साथ टीवीके को जोड़ने के लिए इसी तरह की झूठी खबरें फैलाई गई थीं और यह पूरी तरह से गलत थीं।

टीवीके नेता ने आरोप लगाया कि नता और पार्टी कार्यकर्ताओं में भ्रम पैदा करने के लिए डीएमके के सदस्यों की ओर से इस तरह के झूठे समाचार फैलाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा, जीत केवल सच्चाई की ही होगी। जिम्मेदार मीडिया संस्थान और सोशल मीडिया यूजर्स से अनुरोध है कि अफवाहें न फैलाएं। कृपया किसी भी दावे को साझा करने से पहले उसकी प्रामाणिकता की जांच करें।

इससे पहले रविवार को एआईएडीएमके के महासचिव ईके पलानीस्वामी ने कहा कि न तो उनकी पार्टी और न ही उनके सगयोगी दलों ने 23 अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए विजय के नेतृत्वा वाली पार्टी (टीवीके) से कोई बातचीत की है। पार्टी की ओर से आयोजित इफ्तार कार्यक्रम में पत्रकारों से बातचीत में पलानीस्वामी से जब पूछा गया कि क्या वह चाहते हैं कि टीवीके, एआईएडीएणके के नेतृत्व वाले एनडीए का हिस्सा बने, तो उन्होंने कहा, मैंने पहले भी कहा है। अभी तक एआईएडीएमके और उसके गठबंधन दलों के नेताओं ने उस पार्टी से कोई बातचीत नहीं की है, जिसका आपने जिक्र किया है। पलानीस्वामी ने तीसरी बार यह टिप्पणी की है। उन्होंने 11 और 14 मार्च को भी टीवीके के साथ गठबंधन की संभावना को खारिज किया था और कहा था कि यह केवल मीडिया में अटकलें लगाई जा रही हैं।

लोकसभा में आज पेश होगा प्रस्ताव, 8 निलंबित सांसदों की हो सकती है वापसी

नई दिल्ली। बजट सत्र के पहले भाग में अनुशासनहीन व्यवहार के आरोप में आठ सांसदों का निलंबन मंगलवार को रद्द होने की संभावना है। सूत्रों ने बताया कि अध्यक्ष ओम बिरला द्वारा बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में आठ विपक्षी सदस्यों का निलंबन रद्द करने पर सहमति बनी। उन्होंने बताया कि सांसदों का निलंबन रद्द करने का प्रस्ताव कल संसद में पेश किया जाएगा। सूत्रों ने बताया कि यह निर्णय लिया गया है कि सांसद तख्तियों और कृत्रिम रूप से निर्मित तस्वीरों का उपयोग नहीं करेंगे और सदन की मर्यादा बनाए रखेंगे।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा 2020 में पूर्वी लद्दाख में चीन के साथ सीमा तनाव के बारे में विशेष उल्लेख करने पर जोर देने के बाद सदन में हुए हंगामे के बाद नियमों का उल्लंघन करने और कुर्सी पर कागज फेंकने के आरोप में आठ विपक्षी सदस्यों को 4 फरवरी को लोकसभा से बजट सत्र के शेष भाग के लिए निलंबित कर दिया गया था। ओम बिरला ने रविवार को राजनीतिक दलों के नेताओं को पत्र लिखकर बैनर, तख्तियों और पोस्टरों के प्रदर्शन पर निराशा व्यक्त की।

उन्होंने कहा कि कुछ समय से, सदन के भीतर और संसद भवन परिसर में कुछ माननीय सदस्यों द्वारा हमारी संसदीय लोकतंत्र की गरिमा और प्रतिष्ठा को धूमिल किया जा रहा है। बैनर, प्लेकार्ड और पोस्टर प्रदर्शित करने का तरीका, इस्तेमाल की जा रही भाषा का स्वरूप और सदन तथा परिसर के भीतर प्रदर्शित समग्र आचरण और व्यवहार हम सभी के लिए गंभीर चिंता का विषय है। यह स्थिति हम सभी के लिए व्यक्तिगत और सामूहिक रूप से गंभीर चिंतन और विश्लेषण की आवश्यकता है।

उन्होंने आगे कहा कि हमारे सदन ने हमेशा गरिमापूर्ण चर्चा और संवाद की गौरवशाली परंपरा को बनाए रखा है। अतीत में, जब भी सदन के आचरण के स्तर में गिरावट महसूस की गई, सभी राजनीतिक दलों और अन्य हितधारकों द्वारा समय-समय पर सम्मेलन आयोजित किए गए, जहाँ हमारे लोकतांत्रिक संस्थानों की गरिमा और प्रतिष्ठा को संरक्षित और बढ़ावा देने पर चर्चा हुई। अध्यक्ष ने कहा कि इस विषय पर पीठासीन अधिकारियों के सम्मेलनों में भी चर्चा की गई है और प्रस्ताव पारित किए गए हैं।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावः वाम मोर्चा ने 192 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की, मीनाक्षी मुखर्जी को टिकट

कोलकाता। वाम मोर्चा ने सोमवार को पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए 192 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की। इस सूची में राज्यसभा के निवर्तमान सांसद विकास रंजन भट्टाचार्य और मीनाक्षी मुखर्जी जैसे प्रमुख नाम शामिल हैं। भट्टाचार्य जादवपुर सीट से उम्मीदवार बनाया गया है। वहीं, वाम मोर्चा का युवा चेहरा मानी जाने वाली मीनाक्षी मुखर्जी उत्तरपारा सीट से चुनाव लड़ेंगी।

माकपा ने सबीना यास्मीन को मैदान में उतारा

वाम मोर्चा ने कालीगंज सीट से भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) की उम्मीदवार के रूप में सबीना यास्मीन को मैदान में उतारा है। वह छह साल की बच्ची तमन्ना की मां हैं, जिसकी पिछले साल जून में उपचुनाव की मतगणना के दिन कथित तौर पर जीत के जुलूस से फेंके गए देसी बम के विस्फोट में मौत हो गई थी। यह उपचुनाव तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने जीता था।

वाम मोर्चा के अध्यक्ष बिमान बोस ने कहा कि बाकी सीटों के उम्मीदवारों के नाम अगले तीन से चार दिनों के भीतर तय करके घोषित कर दिए जाएंगे। राज्य में 294 सीटों वाली विधानसभा के लिए 23 और 29 अप्रैल को चुनाव होंगे। जबकि मतगणना चार मई को की जाएगी।

तमिलनाडु से सीएम एमके स्टालिन की हुंकार, हमारी जीत पर Opponents को भी नहीं कोई शक

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और डीएमके अध्यक्ष एमके स्टालिन ने आगामी विधानसभा चुनावों से पहले पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं से नए जोश के साथ काम करने का आह्वान किया और जोर देकर कहा कि पार्टी को हर उस सीट पर जीत हासिल करनी है जहां वह चुनाव लड़ रही है। पार्टी मुख्यालय में जिला सचिवों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री स्टालिन ने कहा कि चुनाव कार्यक्रम घोषित हो चुका है और प्रचार के लिए कुछ ही सप्ताह बचे हैं। उन्होंने कहा कि कल चुनाव तिथि की घोषणा हुई। 23 अप्रैल तक केवल 39 दिन शेष हैं। हमारी पार्टी चुनाव प्रचार में अग्रणी भूमिका निभा रही है। मुख्यमंत्री स्टालिन ने इस बात पर जोर दिया कि सत्तारूढ़ द्रविड़ मुन्नेत्र कज़गम ने पिछले पांच वर्षों में अपनी कल्याणकारी योजनाओं और शासन के माध्यम से मजबूत जनसमर्थन प्राप्त किया है।

उन्होंने कहा कि हमारी कल्याणकारी योजनाओं जैसे सभी परिवारों को पोंगल उपहार के रूप में 3,000 रुपये देना, 1.31 करोड़ परिवारों को महिला अधिकारों की सहायता के रूप में 5,000

रुपये देना और वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगजनों सहित लगभग 40 लाख लोगों को 2,000 रुपये की विशेष वित्तीय सहायता प्रदान करना, के माध्यम से जनता के बीच हमारा समर्थन काफी बढ़ गया है।

पार्टी की संगठनात्मक शक्ति पर प्रकाश डालते हुए स्टालिन ने कहा कि डीएमके और उसके सहयोगियों ने गठबंधन के भीतर भ्रम पैदा करने के प्रयासों का सफलतापूर्वक मुकाबला किया है और चुनावों के लिए एक मजबूत गठबंधन बनाया है। उन्होंने कहा कि हमारे गठबंधन की मजबूती, हमारी कल्याणकारी योजनाओं और पिछले पांच वर्षों की उपलब्धियों के कारण, हमने न केवल जनता बल्कि अपने विरोधियों के बीच भी यह दृढ़ विश्वास पैदा किया है कि हम ही विजयी होंगे। डीएमके प्रमुख ने पार्टी पदाधिकारियों से चुनाव प्रचार के अंतिम चरण में अनुशासित और केंद्रित रहने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि अब से जरा सी भी चूक नहीं होनी चाहिए। आप सभी को सतर्क रहना होगा। आपका हर कार्य, हर गतिविधि और हर शब्द चुनाव पर असर डालेगा। मुख्यमंत्री स्टालिन ने पार्टी और उसके सहयोगियों के लिए एक महत्वाकांक्षी लक्ष्य भी निर्धारित किया।

गैस की कालाबाजारी को रोकने के लिए महाराष्ट्र सरकार की सख्ती, 18 गिरफ्तार और 1208 गैस सिलिंडर जब्त

दिव्यांश

मुंबई। पश्चिम एशिया में बढ़ते संकट के बीच गैस की संभावित कमी और कालाबाजारी को रोकने के लिए महाराष्ट्र सरकार ने सख्त कदम उठाए हैं। राज्य के खाद्य और नागरिक आपूर्ति मंत्री बच्चू कडू ने बताया कि गैस सिलिंडर की अवैध बिक्री और जमाखोरी के खिलाफ राज्यभर में कार्रवाई की गई है। इस कार्रवाई के तहत कई जगह छापेमारी की गई और बड़ी संख्या में सिलिंडर जब्त किए गए। सरकार का कहना है कि आम लोगों को गैस की आपूर्ति प्रभावित न हो, इसके लिए लगातार निगरानी की जा रही है।

मंत्री बच्चू कडू ने विधान परिषद में बताया कि राज्य सरकार ने अब तक 23 मामले दर्ज किए हैं और 18 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। जिलों में कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक की संयुक्त समितियां बनाई गई हैं, जिन्होंने राज्यभर में 2129 छापे मारे। इन छापों में 1208 एलपीजी सिलिंडर और करीब 33.66 लाख रुपये का सामान जब्त किया गया है। सरकार का कहना है कि यह कार्रवाई गैस की कृत्रिम कमी और जमाखोरी रोकने के लिए की गई है।

क्या गैस की कमी की आशंका है?

सरकार ने साफ किया है कि राज्य में रसोई गैस, एलपीजी और पाइप्ड गैस की कोई कमी नहीं है। मंत्री ने बताया कि उन्होंने इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड, भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड के अधिकारियों से बातचीत की है। इन कंपनियों ने जानकारी दी है कि गैस उत्पादन बढ़ाकर 9 मीट्रिक टन से 11 मीट्रिक टन कर दिया गया है। इसलिए लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है।

केरोसिन को पेट्रोल पंपों पर बेचने की योजना क्यों?

सरकार ने यह भी कहा है कि जरूरत पड़ने पर केरोसिन की आपूर्ति बढ़ाई जाएगी। राज्य में केरोसिन का पर्याप्त भंडार मौजूद है। इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम के सहयोग से पेट्रोल पंपों के माध्यम से केरोसिन उपलब्ध कराने की योजना बनाई जा रही है। इसका उद्देश्य यह है कि अगर कहीं एलपीजी की आपूर्ति प्रभावित होती है तो लोगों को वैकल्पिक ईंधन मिल सके।

एलपीजी वितरण में किसे मिलेगी प्राथमिकता?

सरकार ने एलपीजी सिलिंडर के वितरण को लेकर प्राथमिकता तय की है। सबसे पहले घरेलू उपभोक्ताओं को गैस उपलब्ध कराई जाएगी। इसके बाद अस्पतालों, शैक्षणिक संस्थानों, श्मशान घाट, वृद्धाश्रम और अनाथालय जैसी सेवाओं को प्राथमिकता दी जाएगी। रक्षा क्षेत्र, रेलवे, हवाई यातायात, पुलिस और जेलों को भी गैस आपूर्ति में प्राथमिकता दी जाएगी। दवा, बीज और मत्स्य पालन से जुड़े उद्योगों को भी गैस उपलब्ध कराने का प्रावधान रखा गया है।

गैस और खाने के तेल की कीमतों में कितना बदलाव हुआ?

मंत्री ने बताया कि पिछले महीने घरेलू गैस सिलिंडर की कीमत 852.50 रुपये थी, जो 7 मार्च को बढ़कर 912.50 रुपये हो गई। वहीं वाणिज्यिक सिलिंडर की कीमत 1720.50 रुपये से बढ़कर 1835 रुपये हो गई है। इसके अलावा खाने के तेल की कीमतों में भी बढ़ोतरी देखी गई है। मूंगफली तेल, सरसों तेल, वनस्पति तेल, सूरजमुखी तेल और पाम तेल की कीमतों में पिछले महीने के मुकाबले कुछ रुपये की बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में उजनी जलाशय पर्यटन विकास योजना पर बैठक होगी- राज्य मंत्री अधिवक्ता आशीष जायसवाल

मुंबई। राज्य मंत्री अधिवक्ता आशीष जायसवाल ने विधान सभा में जानकारी दी कि सोलापुर जिले के उजनी जलाशय क्षेत्र में पर्यटन विकास के लिए स्वीकृत परियोजना से संबंधित मुद्दों के समाधान हेतु शीघ्र ही मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अध्यक्षता में एक बैठक आयोजित की जाएगी।

सदस्य अभिजीत पाटिल ने यह महत्वपूर्ण सुझाव उठाया कि उजनी जलाशय क्षेत्र में पर्यटन विकास के लिए 282.75 करोड़ रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति मिलने के बावजूद वास्तविक कार्य अभी तक प्रारम्भ नहीं हुआ है। इस चर्चा में सदस्य समाधान आवटाडे ने भी भाग लिया।

इस पर उत्तर देते हुए राज्य मंत्री अधिवक्ता जायसवाल ने कहा कि 30 सितम्बर 2024 के शासन निर्णय के अनुसार इस परियोजना के लिए 285.75 करोड़ रुपये के कार्य को स्वीकृति दी गई है। इस वर्ष के बजट में भी इस परियोजना के लिए 100 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इस योजना में चार प्रमुख घटक शामिल हैं - जल पर्यटन, कृषि पर्यटन, अंगूर बागान पर्यटन और धार्मिक पर्यटन।

इन चार घटकों में से कृषि, अंगूर बागान और धार्मिक पर्यटन से जुड़े कार्यों में कोई समस्या नहीं है, किन्तु जल पर्यटन के मामले में जल संसाधन विभाग की अलग नीति होने के कारण कुछ प्रशासनिक समन्वय की आवश्यकता है। उजनी बांध का स्वामित्व जल संसाधन विभाग के पास होने के कारण उस विभाग की अनापत्ति आवश्यक है।

इसलिए पर्यटन विभाग और जल संसाधन विभाग के बीच समन्वय स्थापित कर कुछ परियोजनाओं को जल संसाधन विभाग के माध्यम से तथा कुछ को पर्यटन विभाग के माध्यम से लागू करने का निर्णय लिया जाएगा, ऐसा राज्य मंत्री अधिवक्ता जायसवाल ने बताया।

राधारमण शर्मेश 32 वर्षों की उत्कृष्ट सेवा के बाद सेंट्रल रेलवे से सेवानिवृत्त

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

सेंट्रल रेलवे के मुंबई डिवीजन में लोको पायलट मेल/एक्सप्रेस के पद पर कार्यरत श्री राधारमण शर्मेश 28 फरवरी 2026 को रेलवे सेवा से सेवानिवृत्त हो गए। उन्होंने रेलवे में 32 वर्षों की समर्पित और उत्कृष्ट सेवा प्रदान की। इस अवसर पर राज बैंक्वेट हॉल, कल्याण वेस्ट में एक भव्य सेवानिवृत्ति समारोह का आयोजन किया गया, जो अत्यंत उत्साह और गरिमा के साथ संपन्न हुआ।

श्री शर्मेश का परिवार उच्च शिक्षित है। उनकी बड़ी बेटी डॉ. प्रिया शर्मेश ऑस्ट्रेलिया में वैज्ञानिक के रूप में कार्यरत हैं। छोटी बेटी ने हाल ही में मास मीडिया में स्नातक की पढ़ाई पूरी की है। बड़े बेटे ने सोमैया यूनिवर्सिटी, मुंबई से एनवायरनमेंट साइंस में मास्टर डिग्री प्राप्त की है और इस दौरान गोल्ड मेडल हासिल किया। वर्तमान में वे मुंबई की एक प्रतिष्ठित कंपनी में एनवायरनमेंट स्पेशलिस्ट के रूप में कार्य कर रहे हैं। उनका सबसे छोटा बेटा 10वीं कक्षा में अध्ययनरत है।

समारोह में कई विशिष्ट अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही, जिनमें श्री

धीरेंद्र सिंह, डिप्टी चीफ कमर्शियल मैनेजर, सेंट्रल रेलवे; डॉ. ए. के. सिंह, पब्लिक रिलेशन ऑफिसर, आईआरसीटीसी, वेस्टर्न जोन, मुंबई; श्री बी. वी. मानकरे, डिप्टी सीएमई, सेंट्रल रेलवे; तथा श्री नीरज गर्ग, सीनियर डीईई, इलेक्ट्रिक लोको शेड, कल्याण शामिल थे।

स कार्यक्रम में शामिल होने के लिए श्री शर्मेश के परिवारजन और रिश्तेदार हाथरस और अलीगढ़ (उत्तर प्रदेश) से विशेष रूप से आए थे। कार्यक्रम की शुरुआत में उनके परिवार के सदस्यों का शॉल, श्रीफल और पुष्पगुच्छ देकर सम्मान किया गया, जिससे समारोह में भावनात्मक और सम्मानपूर्ण वातावरण बना। समारोह में बड़ी संख्या में मोटरमैन, ट्रेन मैनेजर, लोको पायलट, असिस्टेंट लोको पायलट तथा अन्य रेलवे कर्मचारी उपस्थित रहे और उन्होंने कार्यक्रम में सक्रिय भागीदारी निभाई। कार्यक्रम में उत्कृष्ट कैटरिंग व्यवस्था भी की गई थी।

कार्यक्रम का बेहतरीन मंच संचालन श्री के. के. पोर्ते द्वारा किया गया, जबकि श्री योगेश बोरकर ने फोटोग्राफी की एवं श्रीमती रोशना पलोडकर ने वीडियोग्राफी की जिम्मेदारी संभाली।

समारोह के अंत में सभी उपस्थित लोगों ने श्री राधारमण शर्मेश के उत्तम स्वास्थ्य, सुखद एवं समृद्ध सेवानिवृत्ति जीवन की कामना की।

नागपुर कन्वेंशन केंद्र में बाबासाहेब की भव्य प्रतिमा शीघ्र स्थापित होगी ; कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित शोध सुविधाओं के लिए 5 करोड़ रुपये- सामाजिक न्याय मंत्री संजय शिरसाट

मुंबई। नागपुर में निर्मित डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर कन्वेंशन केंद्र में डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की एक भव्य प्रतिमा स्थापित की जा रही है। इस प्रतिमा का कार्य अगले दो महीनों में पूरा कर लिया जाएगा। साथ ही विद्यार्थियों के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित डिजिटल सुविधाएं शुरू करने के लिए 5 करोड़ रुपये की निधि उपलब्ध कराई जाएगी, ऐसी जानकारी सामाजिक न्याय मंत्री संजय शिरसाट ने विधान सभा में दी।

इस संबंध में सदस्य नितिन राउत ने एक महत्वपूर्ण सुझाव रखा था। मंत्री शिरसाट ने उसी का उत्तर देते हुए यह जानकारी दी। इस चर्चा में सदस्य राजकुमार बडोले ने भी भाग लिया।

मंत्री शिरसाट ने बताया कि नागपुर में स्थापित इस कन्वेंशन केंद्र पर लगभग 140 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। इस परिसर में सभागार, भोज कक्ष, प्रशिक्षण कक्ष, छात्रावास कक्ष, लघु सम्मेलन कक्ष, अतिथि कक्ष जैसी सुविधाओं का कार्य पूरा हो चुका है और वे पूरी क्षमता से संचालित हो रही हैं।

इस कन्वेंशन केंद्र के रखरखाव और मरम्मत के खर्च को ध्यान में रखते हुए कुछ स्थान पट्टे पर देकर व्यापार केंद्र विकसित करने का प्रयास किया गया था, लेकिन उसे अपेक्षित प्रतिसाद नहीं मिला। इसलिए किराया और अन्य शर्तों की समीक्षा कर पुनः प्रयास किया जाएगा, ऐसा मंत्री शिरसाट ने कहा। इस परिसर के दैनिक संचालन के लिए सरकार हर वर्ष 4.9 करोड़ रुपये उपलब्ध कराती है तथा बिजली बिल के लिए लगभग 2 लाख 76 हजार रुपये का प्रावधान किया गया है।

उन्होंने यह भी बताया कि पिछले वर्ष के बजट में 20 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया था, जबकि इस वर्ष इसे बढ़ाकर 30 करोड़ रुपये कर दिया गया है।

कन्वेंशन केंद्र में संचालित डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर शोध केंद्र में वर्तमान में 55 विद्यार्थियों की क्षमता है। मंत्री संजय शिरसाट ने यह भी बताया कि राज्य लोक सेवा आयोग तथा संघ लोक सेवा आयोग सहित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए आवश्यक सभी पुस्तकें और शोध सामग्री उपलब्ध कराने की नीति है।

उन्होंने कहा कि भविष्य की शिक्षा कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डिजिटल प्रौद्योगिकी पर आधारित होगी, इसलिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित डिजिटल सुविधा स्थापित करने के लिए 5 करोड़ रुपये की निधि दी जाएगी और यह सुविधा अगले तीन महीनों में शुरू कर दी जाएगी। मंत्री शिरसाट ने यह भी स्पष्ट किया कि नागपुर का यह भवन शहर की शान है और इसे भव्य तथा प्रभावी ढंग से उपयोग में लाने के लिए सभी जन प्रतिनिधियों के सुझावों को ध्यान में रखकर आवश्यक निर्णय लिए जाएंगे।

22 व 24 मार्च की अहमदाबाद-गोरखपुर एक्सप्रेस मऊ स्टेशन पर शॉर्ट टर्मिनेट

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

पूर्वोत्तर रेलवे के औंडीहार-भटनी सेक्शन के लार रोड-सलेमपुर स्टेशनों के बीच पेच डबलिंग हेतु नॉन इंटरलोकिंग कार्य के कारण अहमदाबाद-गोरखपुर एक्सप्रेस आंशिक निरस्त रहेगी। जिसका विवरण निम्नानुसार हैः-

आंशिक निरस्त ट्रेने

22 और 24 मार्च 2026 की ट्रेन संख्या 19489 अहमदाबाद-गोरखपुर एक्सप्रेस मऊ स्टेशन पर शॉर्ट टर्मिनेट होगी तथा मऊ-गोरखपुर के बीच आंशिक निरस्त रहेगी। 23 और 25 मार्च 2026 की ट्रेन संख्या 19490 गोरखपुर-अहमदाबाद एक्सप्रेस मऊ स्टेशन से ऑरिजिनेट होगी तथा गोरखपुर-मऊ स्टेशन के बीच आंशिक निरस्त रहेगी। ट्रेनों के ठहराव, समय एवं कोच

संरचना की विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

'रेल के साथ खेल नहीं' अभियान के तहत मांगलियागांव के तीन स्थानों पर नुक्कड़ नाटक से जन-जागरूकता

रतलाम। पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल द्वारा यात्री सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पूर्ण सतर्कता बरती जा रही है। इसी क्रम में रेल सुरक्षा बल द्वारा समय-समय पर विभिन्न जागरूकता अभियान भी संचालित किए जाते हैं।

पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल के जनसंपर्क अधिकारी श्री मुकेश कुमार द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, मंडल में शरारती तत्वों द्वारा सवारी गाड़ियों पर पत्थरबाजी, रेलवे ट्रैक अथवा ट्रैक के सहायक उपकरणों से छेड़छाड़, अनधिकृत रूप से ट्रैक पार करना तथा रेलवे ट्रैक पर पशुओं के दुर्घटनाग्रस्त होने जैसी घटनाओं से रेल संचालन प्रभावित होता है। इन घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से मंडल रेल प्रबंधक श्री अश्वनी कुमार के निर्देशन में तथा वरिष्ठ मंडल संरक्षा आयुक्त श्री रामराज मीना के नेतृत्व में रतलाम मंडल पर 'रेल के साथ खेल नहीं' अभियान चलाया जा रहा है।

इस अभियान के अंतर्गत रेल सुरक्षा बल के अधिकारियों एवं कर्मचारियों

की विशेष टीम का गठन किया गया है। इसी क्रम में दिनांक 16 मार्च 2026 को रेल सुरक्षा बल पोस्ट इंदौर के निरीक्षक जीवन सिंह तंवर, सहायक उपनिरीक्षक महेश चंद मीना तथा अन्य स्टाफ की टीम द्वारा मांगलियागांव के विभिन्न स्थानों पर नुक्कड़ नाटक के माध्यम से जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।

कार्यक्रम के अंतर्गत सत्य साईं पब्लिक माध्यमिक स्कूल तथा शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, मांगलिया गांव तथा इंदिरा नगर, मांगलिया गांव में नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। जिसमें लगभग 500 से अधिक बच्चे, अभिभावक, शिक्षक एवं स्थानीय नागरिक शामिल हुए।

नुक्कड़ नाटक के माध्यम से रेल सुरक्षा बल की टीम ने उपस्थित लोगों को रेल गाड़ियों पर पत्थर न फेंकने, रेलवे ट्रैक को अनधिकृत रूप से पार न करने, रेलवे लाइन पर पत्थर अथवा अन्य वस्तुएं न रखने, रेलवे परिसर में वीडियो या रील न बनाने तथा रेलवे संपत्ति से छेड़छाड़ या नुकसान न पहुंचाने के प्रति जागरूक किया। साथ ही यह भी बताया गया कि ऐसी गतिविधियां रेल अधिनियम की विभिन्न धाराओं के अंतर्गत दंडनीय अपराध हैं, जिनमें जुर्माना एवं कारावास दोनों का प्रावधान है।

रेल सुरक्षा बल की टीम ने यह भी बताया कि रेलवे एक राष्ट्रीय संपत्ति है और इसमें आम नागरिक ही यात्रा करते हैं। अतः यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। अभियान में उपस्थित सभी लोगों ने इस पहल का स्वागत किया तथा भविष्य में रेलवे को पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया।

पश्चिम रेलवे के गैर-किराया राजस्व में रतलाम मंडल का उल्लेखनीय योगदान, रू 12 करोड़ का लक्ष्य हासिल

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

रतलाम। पश्चिम रेलवे ने गैर-किराया राजस्व (एनएफआर) के क्षेत्र में वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए निर्धारित रू12 करोड़ के वार्षिक लक्ष्य को रतलाम मंडल द्वारा सफलतापूर्वक प्राप्त कर लिया है, जो मंडल की सुदृढ़ कार्यप्रणाली एवं नवाचारी सोच को दर्शाता है।

पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल के जनसंपर्क अधिकारी श्री मुकेश कुमार द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस उपलब्धि के उपलक्ष्य में मुंबई स्थित चर्चगेट मुख्यालय में आयोजित विशेष समारोह में प्रधान मुख्य वाणिज्य प्रबंधक द्वारा रतलाम मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्रीमती हीना वी. केवलरामानी सहित वाणिज्य विभाग के अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल की यह उपलब्धि मंडल रेल प्रबंधक श्री अश्वनी कुमार के कुशल मार्गदर्शन, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्रीमती हीना वी. केवलरामानी के कुशल नेतृत्व के साथ ही वाणिज्य विभाग के अन्य अधिकारियो एवं कर्मचारियों के सतत समर्पण का ही प्रतिफल है कि रतलाम मंडल ने गैर-किराया राजस्व के क्षेत्र में समय से पूर्व अपने लक्ष्य से अधिक का राजस्व प्राप्त किया है।

रतलाम मंडल द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-25 में लगभग 10.45 करोड़ तथा वित्तीय वर्ष 2025-26 (फरवरी 2026 तक) लगभग 12.05 करोड़ का गैर-किराया राजस्व अर्जित किया गया है। चालू वित्तीय वर्ष के दौरान कुल 79 नीलामियाँ आयोजित की गईं, जिनमें से 47 नीलामियों का सफलतापूर्वक आवंटन किया गया। आउट-ऑफ-होम विज्ञापन, मोबाइल एसेट्स एवं विविध स्थैतिक अनुबंधों के माध्यम से राजस्व में निरंतर वृद्धि सुनिश्चित की गई।

वर्ष 2025-26 में रतलाम मंडल द्वारा कई नए एवं नवाचारी अनुबंध प्रारंभ किए गए, जिनमें रतलाम रेलवे स्टेशन पर मिनी मॉल, चित्तौड़गढ़ स्टेशन पर वाणिज्यिक भवन, रतलाम, उज्जैन, इंदौर एवं चित्तौड़गढ़ स्टेशनों पर डिजिटल लॉकर, वंदे भारत एक्सप्रेस में एलईडी टीवी पर विज्ञापन, राजेंद्र नगर स्टेशन पर रेल कोच रेस्टोरेंट तथा उज्जैन स्टेशन पर एकीकृत पार्किंग अनुबंध प्रमुख हैं।

रतलाम मंडल की यह उपलब्धि गैर-किराया राजस्व के क्षेत्र में मंडल की सतत परिणाम की ओर अग्रसर रहने की कार्य संस्कृति को दर्शाती है तथा पश्चिम रेलवे को भारतीय रेल में अग्रणी बनाए रखने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

पश्चिम रेलवे

ट्रैक मशीन के लिए साइडिंग सुविधाओं का निर्माण

मंडल रेल प्रबंधक (डब्ल्यू.ए.), पश्चिम रेलवे, मुंबई सेंट्रल, मुंबई - 400008 द्वारा ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। **ई-निविदा सूचना क्रमांक** : बीसीटी/25-26/342 दिनांक : 12.03.2026 **कार्य एवं स्थान** : पश्चिम रेलवे के मुंबई मंडल में उकाईसोंगढ - जलगांव के बीच 04 स्टेशनों पर ट्रैक मशीन साइडिंग के लिए साइडिंग सुविधाओं का निर्माण। **कार्य की अनुमानित लागत** : 14,04,56,879.61 **धरोहर राशि** : 8,52,300/- **निविदा जमा करने की अंतिम तिथि व समय** : 10.04.2026, 15:00 बजे तक। **निविदा खोलने की तिथि व समय** : 10.04.2026, 15:30 बजे। अधिक जानकारी के लिए कृपया वेबसाइट www.ireps.gov.in देखें। मैनुअल निविदाएं स्वीकार नहीं की जाएंगी। 1227

हमें फॉलो करें facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे

कार्यशाला में गैंट्री गर्डर का विस्तार

मंडल रेल प्रबंधक (डब्ल्यू.ए.), पश्चिम रेलवे, छठी मंजिल, अभियांत्रिकी विभाग, मुंबई सेंट्रल, मुंबई - 400008 द्वारा ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। ई-निविदा सूचना क्रमांक : बीसीटी/25-26/344 दिनांक : 13.03.2026 **कार्य एवं स्थान** : लोअर परेल स्थित फिएट कार्यशाला में गैंट्री गर्डर का 30 मीटर विस्तार। **कार्य की अनुमानित लागत** : 1,93,38,808.03 **धरोहर राशि** : 2,46,700.00 **निविदा जमा करने की अंतिम तिथि व समय** : 10.04.2026, दोपहर 15:00 बजे तक। **निविदा खोलने की तिथि व समय** : 10.04.2026, 15:30 बजे। अधिक जानकारी के लिए कृपया वेबसाइट www.ireps.gov.in देखें। 1219

हमें फॉलो करें facebook.com/WesternRly

योजना लागू होने के बावजूद मरीजों से पैसा लेने वाले अस्पतालों पर कार्रवाई- जन स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री प्रकाश आबिटकर

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। महात्मा ज्योतिराव फुले जन आरोग्य योजना तथा आयुष्मान भारत प्रधान मंत्री जन आरोग्य योजना लागू होने के बावजूद मरीजों से पैसा वसूलने वाले अस्पतालों के विरुद्ध सरकार कार्रवाई कर रही है, ऐसी जानकारी जन स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री प्रकाश आबिटकर ने विधान सभा में दी। उन्होंने बताया कि योजनाओं में पारदर्शिता बढ़ाने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित व्यवस्था का भी उपयोग किया जा रहा है।

इस संबंध में सदस्य नाना पटोले ने विधान सभा में प्रश्न उठाया था। इस चर्चा में सुनील प्रभु, बाबनराव लोणीकर तथा रत्नाकर गुट्टे ने भी भाग लिया।

मंत्री आबिटकर ने बताया कि कुछ अस्पतालों के विरुद्ध अनियमितताओं की शिकायतें सरकार को प्राप्त हुई हैं। इन शिकायतों को ध्यान में रखते हुए राज्य में 338 मामलों में लगभग 60.47 लाख रुपये का दंड लगाया गया है।

अकोला जिले के एक निजी अस्पताल के विरुद्ध योजना लागू होने के बावजूद जांच और शल्य चिकित के लिए मरीजों से पैसा लेने की कुल 12 शिकायतें प्राप्त हुई हैं। राज्य स्वास्थ्य गारंटी सोसायटी द्वारा की गई जांच के अनुसार एक मरीज से लिया गया पैसा वापस करा दिया गया है तथा संबंधित अस्पताल के विरुद्ध नियमों के अनुसार दंडात्मक कार्रवाई प्रस्तावित की गई है। शेष 11 शिकायतों के संबंध में संबंधित अस्पतालों को सूचना पत्र जारी किए गए हैं और जांच जारी है।

राज्य में महात्मा फुले जन आरोग्य योजना में आयुष्मान भारत योजना को शामिल करने के बाद उपचार के अंतर्गत आने वाली बीमारियों की संख्या बढ़ाई गई है और उसी के अनुसार उपचार पैकेज भी बढ़ाए गए हैं। योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता के माध्यम से शिकायतों की समीक्षा कर तुरंत कार्रवाई की जा रही है, ऐसा मंत्री आबिटकर ने बताया।

साथ ही योजनाओं के क्रियान्वयन की निगरानी के लिए जन प्रतिनिधियों की सहभागिता से एक समिति बनाई गई है और जिला स्तर पर संरक्षक मंत्री की अध्यक्षता में प्रत्येक तीन महीने में समीक्षा बैठक आयोजित करने के निर्देश दिए गए हैं।

मंत्री आबिटकर ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि योजना के अंतर्गत मरीजों से अतिरिक्त धन लेने का मामला सामने आता है तो संबंधित के विरुद्ध तुरंत कार्रवाई की जाएगी। बार-बार गलती करने वाले अस्पतालों के विरुद्ध प्रकरण दर्ज करने की कार्रवाई भी की जाएगी।

हिंगोली में फर्जी प्रमाणपत्र मामले में एक विद्यालय के विरुद्ध आपराधिक कार्रवाई के निर्देश- अन्य पिछड़ा बहुजन कल्याण मंत्री अतुल सावे

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

हिंगोली जिले में विद्या शक्ति शिक्षण प्रसारक मंडल द्वारा संचालित एक मराठी माध्यम विद्यालय ने गलत जानकारी देकर शासन को फर्जी प्रमाणपत्र प्रस्तुत किया है। इस मामले में संबंधित विद्यालय के विरुद्ध आपराधिक प्रकरण दर्ज करने के निर्देश दिए गए हैं, ऐसी जानकारी अन्य पिछड़ा बहुजन कल्याण मंत्री अतुल सावे ने विधान सभा में दी।

इस संबंध में सदस्य तानाजी मुतकुले ने हिंगोली जिले में विद्या शक्ति शिक्षण प्रसारक मंडल द्वारा संचालित लखन सरजेराव नाईक विद्यालय, कोलसा विद्यालय में मराठी माध्यम होते हुए भी अंग्रेजी माध्यम दिखाने के विषय में महत्वपूर्ण सुझाव रखा था। उसी पर उत्तर देते हुए मंत्री सावे बोल रहे थे। इस चर्चा में सदस्य बाबासाहेब देशमुख, प्रशांत बंब और संजय कुटे ने भी भाग लिया।

मंत्री सावे ने बताया कि अन्य पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग द्वारा राजे यशवंतराव होलकर अंग्रेजी माध्यम आवासीय विद्यालय योजना चलाई जा रही है। संबंधित संस्था ने दस्तावेजों में हेरफेर कर मराठी माध्यम के विद्यालय को अंग्रेजी माध्यम का विद्यालय दर्शाते हुए प्रमाणपत्र प्रस्तुत किया था। इस संबंध में शिकायत मिलने के बाद विभाग द्वारा निरीक्षण किया गया, जिसमें विद्यार्थियों की उपस्थिति में भारी विसंगति पाई गई। इस मामले में संबंधित विद्यालय को सूचना पत्र जारी किया गया है और अन्य पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग आयुक्तालय के अधिकृत अधिकारियों के माध्यम से विस्तृत जांच कराई जाएगी। जांच के बाद विद्यालय की मान्यता रद्द की जाएगी, फर्जी प्रमाणपत्र देकर प्राप्त सरकारी निधि की वसूली की जाएगी और आपराधिक प्रकरण भी दर्ज किया जाएगा, ऐसा मंत्री सावे ने स्पष्ट किया।

इस प्रकरण में दोषी पाए जाने वाले अधिकारियों के विरुद्ध भी कार्रवाई की जाएगी। मंत्री सावे ने बताया कि आयुक्तालय के निदेशक को 15 दिनों के भीतर जांच पूरी कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही यदि संबंधित विद्यालय में विद्यार्थी अध्ययनरत हैं तो उन्हें हिंगोली जिले के अन्य अंग्रेजी माध्यम आवासीय विद्यालय में स्थानांतरित करने की व्यवस्था की जाएगी।

मंत्री सावे ने यह भी बताया कि जालना, बीड तथा राज्य के अन्य क्षेत्रों में ऐसे 23 विद्यालयों के विरुद्ध पहले ही कार्रवाई की जा चुकी है। पूर्ण सत्यापन होने तक इस वर्ष नए विद्यार्थियों का चयन भी नहीं किया गया है।

नायगांव बीडीडी चॉल पुनर्विकास परियोजना में 864 पुनर्वसन घरों का वितरण

बीडीडी चॉल पुनर्विकास परियोजना से निवासियों के जीवन स्तर में होगा बड़ा सुधार- मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि मुंबई में मध्यम वर्ग को घर दिलाने के सपने को साकार करने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। उन्होंने बीडीडी चॉल के निवासियों से अपील की कि वे अपने घर न बेचें, क्योंकि इस पुनर्विकास परियोजना से उनके जीवन स्तर में बड़ा सुधार होगा।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने महाराष्ट्र गृहनिर्माण एवं क्षेत्र विकास प्राधिकरण के माध्यम से नायगांव बीडीडी चॉल पुनर्विकास परियोजना के पहले चरण में 864 पुनर्वसन घरों का वितरण किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बीडीडी चॉल का पुनर्विकास कई वर्षों से लंबित था और इसमें कई समस्याएँ थीं। इसलिए राज्य सरकार ने यह निर्णय लिया कि इस परियोजना को व्यावसायिक निर्माण कंपनियों पर निर्भर रहने के बजाय सरकार स्वयं पूरा करेगी। देश की श्रेष्ठ कंपनियों को यह कार्य देकर परियोजना को अच्छी तरह पूरा किया गया है।

उन्होंने बताया कि मुंबई में अन्य पुनर्विकास परियोजनाओं को भी तेजी से पूरा करने के प्रयास किए जा रहे हैं और वर्ष 2029 तक सभी घरों की चाबियाँ निवासियों को सौंपने का लक्ष्य रखा गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नायगांव और वरली में किए गए कार्य बहुत अच्छे हुए हैं और बीडीडी चॉल के निवासियों को सभी आवश्यक बुनियादी सुविधाएँ उपलब्ध कराने का प्रयास किया गया है। नायगांव में पार्किंग की समस्या के समाधान का भी आश्वासन दिया गया है। वहीं भवानी माता मंदिर की समस्या के समाधान के लिए 900 वर्ग फुट भूमि उपलब्ध कराई जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बीडीडी चॉल का इतिहास बहुत पुराना है। यहाँ अण्णा भाऊ साठे, डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर जैसे महान व्यक्तित्वों का भी संबंध रहा है। उन्होंने इस इतिहास पर एक पुस्तक लिखने की इच्छा भी व्यक्त की।

उन्होंने कहा कि मुंबई कई जगहों पर चॉलों में रहने वाले आम लोगों के कारण ही जीवित है और यही लोग मुंबई की संस्कृति को संभालकर रखते हैं। इसलिए मुंबई के लोगों को मुंबई में ही घर मिलना चाहिए। राज्य सरकार सभी शुरू की गई परियोजनाओं को पूरा करने का प्रयास कर रही है।

पुलिस कर्मियों के लिए भी उचित घर उपलब्ध कराने के प्रयास किए जा रहे हैं और उनके घरों की कीमत से संबंधित मुद्दों का समाधान उपमुख्यमंत्री तथा गृहनिर्माण मंत्री एकनाथ शिंदे के साथ चर्चा करके किया जाएगा। इसके लिए एक व्यापक नीति तैयार की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने बताया कि मुंबई में लगभग एक हजार एकड़ क्षेत्र में पुनर्विकास परियोजनाएँ शुरू की गई हैं, जिससे मुंबई में बड़ा बदलाव आएगा और आम नागरिकों को घर मिलेगा।

इस परियोजना के अंतर्गत पहले के 160 वर्ग फुट के पुराने घरों की जगह अब लगभग 500 वर्ग फुट क्षेत्रफल के आधुनिक सुविधाओं वाले दो कमरों के घर मुफ्त में दिए जा रहे हैं, जिसे शहरी पुनरुत्थान के क्षेत्र में एशिया की सबसे बड़ी परियोजनाओं में से एक माना जा रहा है।

सिडको क्षेत्र में जल संकट दूर करने के लिए तात्कालिक उपाय

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

जल वितरण के लिए नई व्यवस्था स्थापित करने पर मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में शीघ्र बैठक होगी- राज्य मंत्री माधुरी मिसाल

मुंबई। सिडको क्षेत्र में वर्तमान में 342 मिलियन लीटर पानी की आपूर्ति की जा रही है, जबकि वर्ष 2026 की आवश्यकता के अनुसार लगभग 365 मिलियन लीटर पानी की जरूरत है। इस प्रकार लगभग 30 मिलियन लीटर की कमी को दूर करने के लिए तात्कालिक उपाय किए जा रहे हैं। जल वितरण के लिए ठाणे जिले की तर्ज पर एक नई व्यवस्था स्थापित करने के संबंध में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अध्यक्षता में शीघ्र ही बैठक आयोजित की जाएगी, ऐसी जानकारी राज्य मंत्री माधुरी मिसाल ने विधान सभा में दी।

इस संबंध में विधान सभा सदस्य प्रशांत ठाकुर ने एक महत्वपूर्ण सुझाव रखा था।

राज्य मंत्री माधुरी मिसाल ने बताया कि खरघर, कामोठे, नवीन पनवेल और तळोजा क्षेत्रों में पानी की आपूर्ति में कुछ कमी महसूस हो रही है। वर्तमान में सिडको को पातालगंगा, मोरबे, थेत्वणे और बारवी स्रोतों से 342 मिलियन लीटर पानी उपलब्ध कराया जा रहा है। मोरबे बांध से सिडको को 59 मिलियन लीटर पानी मिल रहा है और इस बांध के लिए सिडको ने पहले 108 करोड़ रुपये खर्च किए थे। इसलिए इस राशि के बदले नवी मुंबई द्वारा सिडको को 90

मिलियन लीटर पानी देने अथवा राशि वापस करने की मांग लगातार की जा रही है।

मंत्री मिसाल ने बताया कि खरघर, कामोठे, नवीन पनवेल और तळोजा क्षेत्रों में पानी की कमी दूर करने के लिए कुछ तात्कालिक उपाय किए जा रहे हैं। पहला उपाय यह है कि मोरबे बांध में लगभग 100 मिलियन लीटर पानी शेष है और नवी मुंबई द्वारा यह पानी दिसंबर तक सिडको को उपलब्ध कराने का निर्णय लिया जाना चाहिए। यदि यह पानी उपलब्ध हो जाता है तो तत्काल जल संकट कम किया जा सकता है।

दूसरा उपाय यह है कि जेएनपीटी पाइपलाइन का कार्य पूरा होने के बाद वर्तमान में सिडको को दिए जा रहे 14 मिलियन लीटर पानी के पुनर्विन्यास के संबंध में निर्णय लिया जाएगा। इसके अतिरिक्त न्हावा शेवा परियोजना का तीसरा चरण दिसंबर तक पूरा हो जाएगा, जिससे सिडको को लगभग 69 मिलियन लीटर पानी उपलब्ध होगा। इससे भविष्य की जनसंख्या की आवश्यकता और वर्तमान जल संकट दोनों को दूर करने में मदद मिलेगी।

मंत्री माधुरी मिसाल ने बताया कि इन विभिन्न उपायों से सिडको क्षेत्र में जल आपूर्ति की स्थिति में सुधार होगा। इसके अलावा जल आपूर्ति प्रबंधन के लिए स्वचालित प्रणाली लागू करने की योजना भी है। साथ ही सिडको द्वारा दी जा रही जल आपूर्ति को पनवेल नगर निगम को हस्तांतरित करने के संबंध में भी रणनीतिक निर्णय लेना आवश्यक है। इन सभी विषयों पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के साथ बैठक कर शीघ्र ही ठोस निर्णय लिया जाएगा, ऐसा मंत्री मिसाल ने स्पष्ट किया।

इस विषय पर हुई चर्चा में विधान सभा सदस्य महेश बाल्दी ने भी भाग लिया।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर 'लोकगीतों में महिला जीवन और उत्सवधर्मिता' विषय पर संगीतमय संगोष्ठी आयोजित

मुंबई। महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी के सौजन्य से 15 मार्च 2026 को संकल्प साहित्य कला मंच द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में 'लोकगीतों में महिला जीवन और उत्सवधर्मिता' विषय पर एक संगीतमय संगोष्ठी का आयोजन अंधेरी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स स्थित मुद्रा बैंक्विट में किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ संकल्प साहित्य कला मंच की संयोजिकाओं डॉ. ममता झा, प्रा. विनीता राजापुर, प्रा. मनीषा सिंह एवं प्रा. सुनीता चौहान द्वारा अतिथियों, प्रतिभागियों एवं उपस्थित साहित्य प्रेमियों के स्वागत तथा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया।

इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. रीता कुमार ने की, जबकि डॉ. शैलेश श्रीवास्तव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में ममता सिंह विशिष्ट अतिथि तथा डॉ. मंजुला देसाई, डॉ. दयानंद तिवारी एवं सुप्रसिद्ध लोकगीत गायिका संध्या मिश्रा सम्माननीय अतिथि के रूप में मौजूद रहीं।

कार्यक्रम के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले कनिष्ठ महाविद्यालयों से जुड़े साहित्यप्रेमी शिक्षकों को सम्मानित किया गया।

समाज सेवा के क्षेत्र में सुनीता अंबोरे (एस.आई.ई.एस. कॉलेज, नेरुल), संगीत कला के क्षेत्र में मंजू सिंह (तोलानी कॉलेज) एवं ममता राजपूत (बी.के. बिरला पब्लिक स्कूल, कल्याण), खेल के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए बबीता बलवंत सिंह (साईं नाथ जूनियर कॉलेज, वाशी), लेखन के क्षेत्र में डॉ. दिनेश कुमार (सिद्धार्थ कॉलेज, फोर्ट) तथा पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए श्री नामदार राही को शाल, श्रीफल एवं ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में लोकगीतों की मधुर श्रृंखला का संचालन सुप्रसिद्ध लोकगीत गायिका संध्या मिश्रा ने किया। कनिष्ठ महाविद्यालयों के शिक्षकों ने विभिन्न लोकगीतों की मनमोहक प्रस्तुतियां देकर कार्यक्रम को अत्यंत भावपूर्ण और उत्सवमय बना दिया।

अंत में संकल्प साहित्य कला मंच की चारों संयोजिकाओं ने सभी अतिथियों, प्रतिभागियों, सम्मानित अतिथियों एवं उपस्थित साहित्यप्रेमियों के प्रति हार्दिक धन्यवाद ज्ञापित किया।

जर्जर भवनों के पुनर्विकास के लिए बदले गए नियमों को विकासकों की सकारात्मक प्रतिक्रिया- मंत्री शंभूराज देसाई

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई में म्हाडा के जर्जर और खतरनाक भवनों के पुनर्विकास को गति देने के लिए राज्य सरकार द्वारा किए गए नियमों में बदलाव को विकासकों की ओर से अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है। केवल छह महीनों में 10 परियोजनाओं के प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं, जिनमें से एक परियोजना को अनापत्ति प्रमाणपत्र प्रदान किया गया है, ऐसी जानकारी मंत्री शंभूराज देसाई ने विधान सभा में दी।

सदस्य मनोज जामसुतकर ने मुंबई में म्हाडा के 388 पुनर्निर्मित भवनों के पुनर्विकास में आ रही समस्याओं का समाधान कर परियोजनाओं को गति देने के संबंध में सुझाव रखा था। उसी पर उत्तर देते हुए मंत्री देसाई बोल रहे थे। इस चर्चा में सदस्य रईस शेख और मनीषा चौधरी ने भी भाग लिया।

मंत्री देसाई ने बताया कि म्हाडा के 388 पुनर्निर्मित भवनों के पुनर्विकास में पूर्व के नियमों के कारण विकासक आगे नहीं आ रहे थे। अनेक किरायेदार 30 वर्षों से अधिक समय से पुराने भवनों

में रह रहे हैं, इसलिए उन्हें सुरक्षित आवास उपलब्ध कराने के उद्देश्य से नियमों में बदलाव किया गया है।

जुलाई 2025 में पुनर्वसन क्षेत्र पर अतिरिक्त क्षेत्र प्रदान करने का निर्णय लिया गया। साथ ही 18 सितंबर 2025 के निर्णय के अनुसार पहले 20 प्रतिशत प्रीमियम के स्थान पर अब भूमि मूल्य के 25 प्रतिशत तैयार दर के अनुसार निर्माण क्षेत्र लेने की व्यवस्था की गई है। इसके अतिरिक्त प्रोत्साहन के रूप में दिया जाने वाला निर्माण क्षेत्र, जो पहले 45 से 75 प्रतिशत था, उसे बढ़ाकर अब 75 से 100 प्रतिशत कर दिया गया है।

इन परिवर्तनों के कारण विकासकों की प्रतिक्रिया बढ़ी है और छह महीनों में 10 परियोजनाओं के प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इनमें से एक परियोजना को 10 मार्च को अनापत्ति प्रमाणपत्र दिया गया है तथा इसके अलावा छह प्रस्ताव समूह पद्धति से आगे आए हैं।

म्हाडा प्रशासन को ऐसे परियोजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर तेजी से आगे बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं। मंत्री देसाई ने कहा कि यदि सभी दस्तावेज पूर्ण हों तो प्रस्तावों को तुरंत स्वीकृति देने के भी निर्देश दिए गए हैं।

म्हाडा के जर्जर भवनों की मरम्मत के लिए प्रतिवर्ष 75 करोड़ रुपये की निधि उपलब्ध कराई गई है। आवश्यकता होने पर इस निधि में वृद्धि भी की जाएगी। साथ ही उत्तराधिकार संबंधी दस्तावेजों का सत्यापन केवल न्यायालय के प्रमाणपत्र के आधार पर किया जाएगा, जिससे पात्र लाभार्थियों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होगी, ऐसा मंत्री देसाई ने बताया।

तिलोंडा मुख्य मार्ग से आंबेपाड़ा संपर्क मार्ग का डामरीकरण कार्य शीघ्र पूरा किया जाएगा- ग्रामीण विकास मंत्री जयकुमार गोरे

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

जव्हार तालुका के तिलोंडा अंतर्गत चांभारशेत-तिलोंडा मुख्य मार्ग (ग्रामीण मार्ग 94) से आंबेपाड़ा तक जाने वाला लगभग 1800 मीटर लंबा मार्ग ग्राम पंचायत सीमा के भीतर एक अवर्गीकृत सड़क है। वर्ष 2024-25 में महाराष्ट्र ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के अंतर्गत 46 लाख रुपये की निधि से इस सड़क पर मिट्टी-मुरुम तथा गिट्टी का कार्य पूरा किया गया है और वर्तमान में इस मार्ग पर जीप तथा चार पहिया वाहनों का आवागमन संभव है। इस सड़क के डामरीकरण का प्रस्ताव जिला नियोजन समिति को भेजा गया है और कार्य शीघ्र ही पूरा किया जाएगा, ऐसा आश्वासन ग्रामीण विकास मंत्री जयकुमार गोरे ने विधान सभा में दिया।

विधान सभा में सदस्य हरिश्चंद्र भोये ने तिलोंडा (आंबेपाड़ा) (तालुका जव्हार, जिला पालघर) सहित क्षेत्र के सभी गांवों और बस्तियों को मुख्य सड़कों से जोड़ने के संबंध में प्रश्न उठाया। इस चर्चा में सदस्य नाना पटोले और सुनील प्रभु ने भी भाग लिया।

मंत्री गोरे ने बताया कि तिलोंडा (आंबेपाड़ा) गांव सहित क्षेत्र के कुछ स्थानों पर सड़कों के संबंध में शिकायतें प्राप्त होने के बाद अधिकारियों को तत्काल निरीक्षण करने के निर्देश दिए गए हैं। सड़क कार्य की गुणवत्ता के संबंध में किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा और संबंधित कार्यों की जांच की जाएगी। यदि कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही पाई गई तो संबंधित अधिकारियों और ठेकेदारों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

मंत्री गोरे ने यह भी बताया कि शेष सड़कों के लिए आवश्यक निधि उपलब्ध कराने के संबंध में जनजातीय विभाग के साथ चर्चा की गई है और लगभग तीन महीनों में सड़क कार्य पूरा करने का प्रयास किया जाएगा। साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में सड़कों के रखरखाव की लागत कम करने के लिए राज्य में चरणबद्ध तरीके से कंक्रीट तथा श्वेत परत वाली सड़कों के निर्माण का निर्णय भी लिया गया है।

इस दौरान तिलोंडा (आंबेपाड़ा) (तालुका जव्हार, जिला पालघर) में सड़क के अभाव के कारण उपचार में देरी होने से एक युवक की मृत्यु का मामला भी उठाया गया। संबंधित युवक लंबे समय से बीमार था। उसे 3 फरवरी 2026 को वेदांत चिकित्सालय महाविद्यालय में भर्ती कराया गया था, जहां उसी शाम निमोनिया के कारण उसकी मृत्यु हो गई। मृत्यु के बाद उसका शव एंबुलेंस द्वारा चांभारशेत के तिलोंडा मुख्य मार्ग पर छोड़ दिया गया था, ऐसी जानकारी ग्रामीण विकास मंत्री जयकुमार गोरे ने दी।

जल जीवन मिशन की अधूरी परियोजनाओं के लिए शीघ्र मिलेगा निधि- जल आपूर्ति एवं स्वच्छता मंत्री गुलाबराव पाटिल

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

राज्य में जल जीवन मिशन के अंतर्गत कुल 51,560 जल आपूर्ति योजनाओं को स्वीकृति दी गई है। इनमें से 26,499 योजनाएं पूरी हो चुकी हैं तथा शेष 25,061 योजनाओं का कार्य प्रगति पर है। अधूरी योजनाओं के लिए शीघ्र ही केंद्र सरकार से निधि प्राप्त होगी, ऐसी जानकारी जल आपूर्ति एवं स्वच्छता मंत्री गुलाबराव पाटिल ने विधान सभा में दी।

इस संबंध में विधान सभा सदस्य सुभाष देशमुख ने प्रश्न उठाया था।

मंत्री पाटिल ने बताया कि जल जीवन मिशन की शेष योजनाओं में 75 से 99 प्रतिशत प्रगति वाली 6,409 योजनाओं को पूरा करने के लिए लगभग 12,186 करोड़ रुपये की आवश्यकता है। वहीं 51 से 75 प्रतिशत प्रगति वाली 8,324 योजनाओं के लिए लगभग 12,650 करोड़ रुपये की जरूरत है। इसके अतिरिक्त 26 से 50 प्रतिशत प्रगति वाली योजनाओं पर अब तक लगभग 1,782 करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं और उन्हें पूरा करने के लिए लगभग 5,422 करोड़ रुपये की आवश्यकता है।

मंत्री पाटिल ने बताया कि केंद्र सरकार ने जल जीवन मिशन की समय सीमा को दिसंबर 2028 तक बढ़ा दिया है और पूरे देश के लिए इस योजना का कुल निधि प्रावधान 3,59,000 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 8,69,000 करोड़ रुपये कर दिया गया है।

उन्होंने कहा कि इस योजना में महाराष्ट्र का योगदान लगभग दो प्रतिशत रहने की संभावना है और राज्य को केंद्र से लगभग 16,000 करोड़ रुपये प्राप्त होने की उम्मीद है। हालांकि केंद्र से निधि मिलने की प्रतीक्षा किए बिना राज्य सरकार ने अब तक 4,800 करोड़ रुपये देकर बकाया भुगतान करने का निर्णय लिया है।

आगामी कुछ दिनों में केंद्र के साथ समझौता ज्ञापन तथा अन्य प्रक्रियाएं पूरी होने के बाद निधि उपलब्ध होगी। इसके बाद 75 से 99 प्रतिशत तथा 50 से 75 प्रतिशत प्रगति वाली योजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने का निर्णय लिया जाएगा, ऐसा मंत्री पाटिल ने बताया। इस विषय पर हुई चर्चा में विधान सभा सदस्य संजय गायकवाड़, शेखर निकम, रत्नाकर गुट्टे, भास्कर जाधव, तानाजी मुतकुले, समीर मेघे, नारायण कुचे तथा डॉ. किरण लहामटे ने भाग लिया।

864 लाभार्थियों को घरों की चाबियाँ सौंपना एक स्वर्णिम क्षण- उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा अजित पवार

मुंबई। लगभग चार दशकों के लंबे इंतजार के बाद आज पहले चरण के 864 लाभार्थियों को उनके हक के घरों की चाबियाँ सौंपने का स्वर्णिम क्षण आया है। ये घर केवल ईंट और सीमेंट की इमारतें नहीं हैं, बल्कि हमारे सपनों, आशाओं और आकांक्षाओं का प्रतीक हैं, ऐसा उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा अजित पवार ने कहा।

उन्होंने कहा कि लगभग 1920 के आसपास निर्मित ब्रिटिशकालीन बीडीडी चॉल मुंबई के समग्र विकास और इतिहास की साक्षी रही हैं। हालांकि इन चॉलों का इतिहास केवल इमारतों का इतिहास नहीं है, बल्कि यहाँ रहने वाले कामगार वर्ग और सामान्य परिवारों के संघर्ष, दृढ़ संकल्प और एकता का इतिहास है।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले चार दशकों से यहाँ के निवासी सुरक्षित, सुविधासंपन्न और सम्मानपूर्वक जीवन जीने योग्य घर की प्रतीक्षा कर रहे थे। आज यह लंबा संघर्ष सफल हुआ है और बीडीडी चॉल के निवासियों के जीवन में एक नए युग की शुरुआत हो रही है। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा अजित पवार, अध्यक्ष प्रा. राम शिंदे, अध्यक्ष अधिवक्ता राहुल नार्वेकर, उपाध्यक्ष डॉ. नीलम गोरे, कौशल, रोजगार, उद्यमिता एवं नवाचार मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा, सांस्कृतिक कार्य मंत्री तथा मुंबई उपनगर के पालक मंत्री आशीष शेलार, राज्य मंत्री डॉ. पंकज भोयर, महापौर ऋतु तावड़े, विधायक चित्रा वाघ, कालिदास कोलंबकर, मनीषा कायंदे, सिद्धिविनायक न्यास के अध्यक्ष सदा सरवणकर, आवास विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव असीम कुमार गुप्ता सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

सेवानिवृत्त एसटी कर्मचारियों और उनकी पत्नियों को एक वर्ष तक निःशुल्क यात्रा- परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक

मुंबई। परिवहन मंत्री तथा राज्य परिवहन महामंडल के अध्यक्ष प्रताप सरनाईक ने विधान भवन में एसटी कर्मचारियों के लंबित मुद्दों के समाधान के लिए एक महत्वपूर्ण बैठक की। इस बैठक में कर्मचारी संगठनों द्वारा उठाई गई शिकायतों और मांगों पर विस्तार से चर्चा की गई तथा उन्हें चरणबद्ध तरीके से हल करने के लिए प्रशासन को आवश्यक निर्देश दिए गए।

मंत्री सरनाईक ने जानकारी दी कि अब से सेवानिवृत्त एसटी कर्मचारियों को उनकी पत्नियों सहित एक वर्ष तक निःशुल्क यात्रा की सुविधा दी जाएगी।

एसटी महामंडल में कार्यरत सेवा शक्ति संघर्ष एसटी कर्मचारी संघ ने चालकों और परिचालकों के खिलाफ की गई कार्रवाई, डिपो प्रबंधन में आने वाली कठिनाइयों तथा कुछ प्रशासनिक प्रक्रियाओं से उत्पन्न समस्याओं की ओर मंत्री सरनाईक का ध्यान आकर्षित किया था। इसके बाद मंत्री सरनाईक ने संघ के अध्यक्ष तथा विधायक सदाभाऊ खोत और संगठन के पदाधिकारियों के साथ सकारात्मक चर्चा की। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों को न्याय दिलाना महामंडल की जिम्मेदारी है।

तीन वर्ष से एक ही स्थान पर कार्यरत अधिकारियों का स्थानांतरण

मंत्री सरनाईक ने एसटी प्रशासन को निर्देश दिया कि जो पर्यवेक्षक और अधिकारी तीन वर्ष से अधिक समय से एक ही स्थान पर कार्यरत हैं, उनका अन्य स्थानों पर स्थानांतरण किया जाए। कर्मचारी संगठनों की इस विषय पर भावना प्रबल है, इसलिए इस प्रक्रिया को तुरंत लागू करने के निर्देश भी दिए गए। उन्होंने कहा कि आम यात्रियों को बेहतर सेवा प्रदान करना एसटी और उसके कर्मचारियों का मुख्य उद्देश्य है। इसलिए चालकों और परिचालकों को कार्य के दौरान आने वाली दैनिक समस्याओं, डिपो स्तर पर निर्णय प्रक्रिया तथा अनुशासनात्मक कार्रवाई के मामलों में निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से काम करने के निर्देश दिए गए हैं। मंत्री सरनाईक ने कहा कि कर्मचारी संगठनों के साथ नियमित संवाद के माध्यम से कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान करने के लिए एसटी प्रशासन सकारात्मक है। कर्मचारियों की समस्याओं को समझकर शीघ्र कार्रवाई करने से आम यात्रियों को बेहतर सेवा देना संभव होगा।

सम्पादकीय

तेल ठिकानों पर हमले से भड़की जंग की आग, पश्चिम एशिया संकट गहराने की आशंका

ईरान के खिलाफ अमेरिका और इजराइल के हमले शुरू होने के बाद युद्ध में अब जो तौर-तरीके अपनाए जाने की खबरें आ रही हैं, उससे यह चिंता गहराने लगी है कि इसका असर किस रूप में सामने आएगा। हैरानी की बात यह है कि दुनिया भर में परमाणु या व्यापक विनाश के हथियारों और अन्य मसलों की अपनी सुविधा के मुताबिक व्याख्या करने वाला अमेरिका खुद कई बार सारे तकाजों के खिलाफ जाकर अंतरराष्ट्रीय कानूनों के प्रति भी उपेक्षा भाव प्रदर्शित करता है।

पश्चिम एशिया में जारी युद्ध में दोनों पक्षों की ओर से एक-दूसरे पर मिसाइल दागे जा रहे हैं और व्यापक पैमाने पर जानमाल की क्षति हो रही है, लेकिन अमेरिका और इजराइल के साझा हमले में कई ऐसे ठिकानों पर भी बमबारी की गई, जिसके पर्यावरणीय और मानवीयता पर असर को लेकर दुनिया भर में सवाल उठे हैं।

मसलन, प्रतिद्वंद्विता के क्रम में या ईरान को झुकाने के लक्ष्य से वहां एक स्कूल पर हमले के अलावा कई शहरों में तेल ठिकानों पर मिसाइल दागे गए। उससे बाद वहां जैसे हालात पैदा हो रहे हैं, उसका असर दीर्घकालिक होगा और इसकी मार सिर्फ आम लोगों को झेलनी होगी।

एक ओर विश्व भर में यह उम्मीद की जा रही है कि इस युद्ध की वजह से तेल और गैस के साथ-साथ अन्य कई मोर्चों पर व्यापक संकट गहराने के मद्देनजर शांति की राह खोजी जाएगी, दूसरी ओर खबर यह आई कि अमेरिका ने शनिवार को ईरान के खर्ग द्वीप पर हमला करके मसले को और जटिल स्वरूप दे दिया।

हालांकि अमेरिका का कहना है कि उसने केवल सैन्य ठिकानों पर हमला किया और तेल ढांचों को निशाना नहीं बनाया। मगर खर्ग द्वीप को जिस तरह ईरान के सबसे बड़े तेल भंडार और नब्बे फीसद कच्चे तेल के निर्यात के केंद्र के रूप में जाना जाता है, उसमें कहना कठिन है कि हमलों का असर सीमित होगा।

अगर हमलों की जद में तेल भंडार भी आए, तो उसके नतीजों की कल्पना की जा सकती है। फिर इस पर ईरान की प्रतिक्रिया क्या होगी, खाड़ी देशों में स्थित तेल रिफाइनरियों पर कैसा खतरा पैदा होगा, कहना मुश्किल है।

इस क्रम में बड़े पैमाने पर तेल ठिकाने नष्ट होते हैं, तो आने वाले वक्त में दुनिया भर में संकट गहराएगा। युद्ध की चरम अवस्था में भी यह उम्मीद की जाती है कि इसमें शामिल देश संघर्ष की स्थिति में तय किए गए नियम-कायदों और मानवीयता का खयाल रखेंगे। मगर हालत यह है कि इस संबंध में मानवीय प्रश्नों की तो दूर, युद्ध को लेकर बने अंतरराष्ट्रीय कानूनों को बिना किसी हिचक के धता बताया जा रहा है।

विश्व भर में इसे लेकर चिंता जताई जा रही है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ईरान पर अमेरिका-इजराइल के हमले की निंदा कर चुके हैं। रूस भी कह चुका है कि हम जिस अंतरराष्ट्रीय कानून की बात करते हैं, वह लगभग खत्म हो चुका है।

इसके अलावा, तेल ठिकानों पर हमले के बाद बहुत बड़े दायरे में जो पर्यावरणीय प्रभाव सामने आ रहे हैं, उसका खमियाजा आखिर कौन भुगतेगा?

खबर यह भी आई कि अमेरिका और इजराइल के हवाई हमलों के बाद ईरान के आसमान से काली स्याही जैसा तरल बरस रहा है। अंधाधुंध हमलों के बाद युद्ध प्रभावित क्षेत्रों में आम लोगों की जिंदगी जिस हालत में पहुंच गई है और मानवीयता के सभी तकाजे दरकिनार किए जा रहे हैं, वह सबके लिए चिंता का विषय होना चाहिए।

पंडित शब्द की गरिमा, ब्राह्मण परंपरा और भारतीय ज्ञान की अस्मिता

प्रो. डॉ. दयानंद तिवारी
अध्यक्ष
अखिल भारतीय ब्राह्मण परिषद, महाराष्ट्र

हाल ही में उत्तर प्रदेश की सब-इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा में पूछे गए एक प्रश्न ने समाज में गंभीर विचार-मंथन को जन्म दिया है। प्रश्न था। 'अवसर के अनुसार बदल जाने वाला' और उसके लिए विकल्प दिए गए थे। पंडित, अवसरवादी, निष्कपट, सदाचारी। इस प्रश्न में 'पंडित' शब्द को उस अर्थ से जोड़कर प्रस्तुत करना न केवल भाषिक दृष्टि से त्रुटिपूर्ण है, बल्कि सांस्कृतिक और दार्शनिक दृष्टि से भी अत्यंत आपत्तिजनक है। स्वाभाविक है कि ब्राह्मण समाज ने इसे एक गंभीर भूल माना है और इस पर अपनी नाराज़गी व्यक्त की है।

सबसे पहले इस प्रश्न को भाषा और अर्थ की दृष्टि से समझना आवश्यक है। 'अवसर के अनुसार बदल जाने वाला' व्यक्ति के लिए हिंदी का सही शब्द 'अवसरवादी' है। अवसरवादी वह होता है जो परिस्थिति के अनुसार अपना स्वार्थ देखकर विचार और व्यवहार बदल ले। इसके विपरीत निष्कपट का अर्थ है– सरल और बिना छल-कपट वाला व्यक्ति, जबकि सदाचारी का अर्थ है– उत्तम आचरण वाला व्यक्ति। इन शब्दों के अर्थ स्पष्ट हैं। ऐसे में 'पंडित' शब्द को इस संदर्भ में रखना न केवल भाषिक भूल है बल्कि एक सांस्कृतिक असावधानी भी है।

एक शिक्षाविद् के रूप में मैं यह स्पष्ट रूप से कहना चाहता हूँ कि इस संदर्भ में पंडित शब्द का कोई औचित्य नहीं बनता। पंडित शब्द का अर्थ अवसरवादी या परिस्थिति के अनुसार बदल जाने वाले व्यक्ति से बिल्कुल भिन्न है। इस प्रकार का प्रयोग शब्द की गरिमा और उसके वास्तविक अर्थ दोनों के साथ अन्याय है।

संस्कृत में 'पण्डित' शब्द अत्यंत सम्मान का प्रतीक है। इसका अर्थ है। विद्वान, विवेकशील और ज्ञान से सम्पन्न व्यक्ति। भगवद्गीता में भगवान श्रीकृष्ण कहते हैं कि -

'विद्या-विनय-सम्पन्ने ब्राह्मणे गवि हस्तिनि।
शुनि चैव श्वपाके च पण्डिताः समदर्शिनः?'

अर्थात् सच्चा पंडित वह है जो विद्या और विनय से सम्पन्न होकर सभी प्राणियों में समान दृष्टि रखता है। यहाँ पंडित शब्द केवल विद्वान के अर्थ में नहीं, बल्कि व्यापक दृष्टि और संतुलित विचार का प्रतीक है।

भारतीय परंपरा में ब्राह्मण शब्द की भी अत्यंत गहरी दार्शनिक परिभाषा है। शास्त्रों में कहा गया है कि -

'जन्मना जायते शूद्रः, संस्काराद् द्विज उच्यते।
वेदपाठात् भवेत् विप्रः, ब्रह्म जानाति ब्राह्मणः?'

अर्थात् जन्म से सभी मनुष्य समान होते हैं; संस्कार से द्विज बनते हैं, वेदों के अध्ययन से विप्र बनते हैं और जो ब्रह्म अर्थात् सत्य का ज्ञान प्राप्त कर ले वही ब्राह्मण कहलाता है। इससे स्पष्ट है कि ब्राह्मण होना जन्म का विषय नहीं बल्कि ज्ञान, संस्कार और साधना का परिणाम है।

ऋग्वेद के पुरुषसूक्त में भी समाज की संरचना का उल्लेख मिलता है 'ब्राह्मणोऽस्य मुखमासीद् बाहू राजन्यः कृतः।
ऊरू तदस्य यद्वैश्यः पद्भ्यां शूद्रो अजायत?'

इस मंत्र का अर्थ सामाजिक विभाजन नहीं बल्कि समाज के विभिन्न कार्यों की प्रतीकात्मक व्यवस्था है। यहाँ ब्राह्मण को मुख कहा गया है, क्योंकि मुख से ज्ञान और वाणी प्रकट होती है। अर्थात् ब्राह्मण समाज में ज्ञान और विचार का प्रतिनिधि है।

उपनिषदों में भी ब्राह्मण की पहचान ज्ञान से ही की गई है। बृहदारण्यक उपनिषद में कहा गया है कि -

'यो वा एतदक्षरं विदित्वास्माल्लोकात् प्रैति स ब्राह्मणः।'

अर्थात् जो ब्रह्म का ज्ञान प्राप्त कर संसार से विदा होता है वही ब्राह्मण है।

बौद्ध साहित्य में भी ब्राह्मण की पहचान गुण और आचरण से की गई है। धम्मपद में कहा गया है कि -

'न जटाभि न गोत्तेन न जच्चा होति ब्राह्मणो।
यम्हि सच्चं च धम्मो च सो सुची सो च ब्राह्मणो?'

अर्थात् न जटाओं से, न गोत्र से और न जन्म से कोई ब्राह्मण होता है; जिसमें सत्य और धर्म है वही वास्तविक ब्राह्मण है।

मनुस्मृति में ब्राह्मण के कर्तव्यों का उल्लेख करते हुए कहा गया है कि -

'अध्यापनम् अध्ययनं यजनं याजनं तथा।
दानं प्रतिग्रहं चैव ब्राह्मणानाम् अकल्पयत्?'

अर्थात् अध्ययन करना, दूसरों को पढ़ाना, यज्ञ करना और कराना, दान देना और ग्रहण करना–ये ब्राह्मण के प्रमुख कर्तव्य बताए गए हैं। स्पष्ट है कि ब्राह्मण का मूल धर्म ज्ञान और समाज का मार्गदर्शन है।

इतिहास साक्षी है कि भारतीय सभ्यता के महान ग्रंथ–वेद, उपनिषद, रामायण और महाभारत–सदियों तक जिन लोगों के प्रयास से सुरक्षित रहे, उनमें ब्राह्मण विद्वानों का अत्यंत महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उन्होंने पीढ़ी दर पीढ़ी अध्ययन, स्मरण और शिक्षण की परंपरा के माध्यम से इस ज्ञान को सुरक्षित रखा। यदि आज भारतीय संस्कृति की यह विशाल ज्ञानधारा हमारे सामने उपलब्ध है, तो उसके पीछे उन विद्वानों का तप और त्याग है जिन्हें समाज ने 'पंडित' के रूप में सम्मान दिया।

अंग्रेज़ी के प्रसिद्ध दार्शनिक Francis Bacon ने कहा था कि -

'Knowledge is power.'

भारतीय दर्शन इससे भी आगे जाकर कहता है कि -

'न हि ज्ञानेन सदृशं पवित्रमिह विद्यते।'

अर्थात् इस संसार में ज्ञान के समान पवित्र कुछ भी नहीं है।

इसी ज्ञान परंपरा के कारण भारत को विश्वगुरु कहा गया और इसी परंपरा के वाहक पंडित और ब्राह्मण रहे हैं।

इसी कारण जब किसी प्रतियोगी परीक्षा में 'पंडित' जैसे शब्द का प्रयोग अनुचित अर्थ में कर दिया जाता है, तो समाज में प्रतिक्रिया स्वाभाविक है। ब्राह्मण समाज की नाराज़गी इसी कारण है। यह नाराज़गी किसी टकराव के लिए नहीं बल्कि शब्दों और परंपराओं के सम्मान की भावना से उत्पन्न हुई है।

उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने इस विषय पर स्पष्ट कहा है कि यदि इस मामले में कोई त्रुटि हुई है तो उसके लिए जिम्मेदार लोगों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी और उन्हें दंडित किया जाएगा। यह वक्तव्य स्वागतयोग्य है। यदि दोषी व्यक्ति पर कार्रवाई होती है तो इससे समाज में विश्वास स्थापित होगा।

ब्राह्मण समाज का इतिहास केवल एक सामाजिक वर्ग का इतिहास नहीं है, बल्कि भारत की ज्ञान परंपरा, शास्त्र परंपरा और सांस्कृतिक चेतना का इतिहास है। इस समाज ने सदैव समाज के व्यापक हित की बात की है और सनातन धर्म की रक्षा तथा भारतीय संस्कृति के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

यदि इस विषय की गंभीरता को नहीं समझा गया और इस त्रुटि के लिए जिम्मेदार व्यक्ति को दंडित नहीं किया गया, तो यह विवाद आगे बढ़ सकता है। इसलिए आवश्यक है कि इस विषय की निष्पक्ष जांच हो और दोषी के विरुद्ध उचित कार्रवाई की जाए। क्योंकि किसी भी समाज में विद्वानों का सम्मान समाप्त होने लगे तो उसकी संस्कृति भी धीरे-धीरे कमजोर होने लगती है। भारतीय परंपरा का मूल संदेश यही है कि 'विद्या ददाति विनयं, विनयाद् याति पात्रताम्।'

अर्थात् विद्या विनय देती है, विनय से पात्रता आती है और वही समाज को सही दिशा देती है। यही पंडित और ब्राह्मण परंपरा की वास्तविक पहचान है।

ऐप और एल्गोरिद्म के बीच मानवीयता की तलाश, शब्द बचेंगे तो समाज बचेगा

समाज के सभी आयु वर्गों की रुचियों पर अगर हम नजर डालें, तो सभी में एक बात सामान्य दिखेगी और वह है संचार के साधनों का जरूरत से ज्यादा उपयोग। ग्रामीण इलाकों में आज भी कई जगह सड़कें नहीं हैं, मगर रेडियो और मोबाइल की अच्छी सुविधा है। बच्चे और युवा मोबाइल के जरिए देश-विदेश की सैर करते हैं, तो कई बुजुर्ग अब भी रेडियो को अपने कानों से लगाए देश-विदेश की खबरों पर नजर रखते हैं। इन बुजुर्गों ने अपनी धंसी आंखों से न जाने कितनी पीढ़ियों को उसी रेडियो के माध्यम से बदलते हुए देखा है।

दूसरी ओर, इन बुजुर्गों के सामने परिवार के युवा मोबाइल या स्मार्टफोन पर अनेक ऐप का उपयोग करते हैं और ताजा-ताजा घटनाओं, कहानियों और खबरों से लैस रहते हैं। इन सभी के बीच सबसे बड़ा और महत्त्वपूर्ण योगदान अगर किसी का होता है, तो वह है सकारात्मक दृष्टि से सामाजिक चिंतन में लगे लोगों का, जो हमेशा से भारत की पृष्ठभूमि को अपने उच्च विचारों से संचित करते रहे हैं। पत्रकार हों या साहित्यकार, देश की दिशा-दशा का आकलन करके समय-समय पर अपनी वाणी को लेखन के माध्यम से जन-जन तक पहुंचाते रहते हैं।

सच यह है कि भारत की मिट्टी में एक खास खुशबू है, जो प्राचीन काल से विदेशियों को आकर्षित करती आई है। इसका परिणाम यह हुआ है कि समय में परिवर्तन के साथ भारतीय समाज विभिन्नताओं से भरपूर अतुल्य भारत बन गया है। समाहित कर लेना भी एक कला है, जो भारत

की भूमि से लेकर गंगा जैसी अनेक नदियों को बखूबी आता है। मगर अपने अस्तित्व और अपनी उपयोगिता को खो देना बिल्कुल नहीं आता है।

यह मान सकते हैं कि कुछ समय के लिए साहित्य समाज, भूमि या नदियों को अनेक लोभी भ्रष्टाचारियों ने दूषित भी किया है, लेकिन यह भारत की किस्मत ही है कि देश के आम और साधारण लोग अब भी स्वच्छता को अपने जीवन-मूल्यों में सबसे ऊपर रखते हैं।

स्वच्छता केवल स्थान या बाहरी शरीर की ही नहीं होती है, बल्कि विचारों की भी होती है। विचार का संचार कई रूपों में होता है। आज इस इक्कीसवीं सदी में संचार के माध्यम अनेक हैं, मगर प्राचीन काल से आज तक संचार की जिस विधा को विचारों को प्रेषित करने के लिए उत्तम माना जाता है, वह है साहित्य। लेखक समाज का आकलन करता रहता है, तो लेखन उसके लिए एक सामान्य कार्य बन जाता है, क्योंकि उसे लिखना ही है।

इस लिहाज से पत्रकार भी साहित्यकार ही होता है। भारत के लगभग प्रत्येक सरकारी कार्यालयों में हिंदी भाषा के प्रचार के लिए एक विभाग अवश्य होता है, कुछ संस्थाएं केवल हिंदी भाषा के विकास के लिए ही बनाई गई हैं और कुछ भारतीय भाषाओं के लिए। कुछ साहित्यकार बनाए जाते हैं, कुछ साहित्यिक गुणों के साथ ही जन्म लेते हैं।

आज समाज के बहुत सारे गुणी, पारखी नजर रखने वाले साहित्यकारों के माथे पर चिंता की लकीरें साफ देखी जा सकती हैं। उनकी चिंता विचारों की स्वच्छता को लेकर है। सामाजिक धरोहर को सच्चे विद्वानों के हाथों में देने का जरूरत है, क्योंकि ऐसा हो सकता है कि शीर्ष पर बैठे कुछ साहित्यकारों को केवल पूर्वाग्रहों से संचालित होने और पक्षपात की आदत हो गई हो। इसी वजह से साहित्य समाज की स्वच्छता की आवश्यकता है।

चिंतन के लिए पद क्या और पदहीन क्या? चिंतन वह विषय है, जो प्रत्येक संवेदनशील प्राणी के जेहन मंत पाया जाता है। साहित्य का संबंध ही संवेदनाओं से है। स्वच्छ लेखन को केवल पन्नों पर अक्षरों में उतार देना भर काफी नहीं है, उसे लोगों तक पहुंचाना भी अति आवश्यक है।

कुछ लोग अपनी दूषित भावनाओं को चटपटे रूप देकर, अश्लीलता को मनोरंजन का नाम देकर, विवाद का तड़का लगाकर और अपने पदों का दुरुपयोग कर साहित्य को व्यवसाय बनाने की कोशिश करते हैं। जबकि इस प्रवृत्ति को महत्त्व दिया जाएगा, तो समाज को स्वच्छ करना और भी ज्यादा मुश्किल हो जाएगा।

आज भारतीय समाज वैसे ही पश्चिम की बेलगाम आधुनिकता के दलदल में फंस रहा है। टीवी हो या बड़ा पर्दा, जिस प्रकार महिलाओं के उत्थान के नाम पर कुछ नकारात्मक प्रवृत्तियों को भी महिमामंडित किया जाता है, उससे मानवीयता और सामाजिकता के मूल्य भी प्रभावित होते हैं।

इस पर भी मनन करने की जरूरत है और जिसका हमारे समाज का बौद्धिक और साहित्यकार तबका ध्यान रखता भी है। इस विपरीत समय में भी बहुत सारे अनुभवी पत्रकार और साहित्यकार समाज में मौजूद हैं, जिनकी लेखनी प्रेमी हृदय के समांतर किसी में सिर्फ अवांछित आकांक्षाएं नहीं देखते हैं, बल्कि अपने अपने कोमल शब्दों से हृदय स्पर्श कर लेते हैं। उन्हें इस बात की चिंता खाती रहती है कि भावी पीढ़ी के भीतर भारतीय साहित्यिक धरोहर को आगे ले जाने की ताकत कैसे बढ़े। महान विभूतियां अपने पीछे महान कर्मों का इतिहास छोड़कर चली जाती हैं, पत्थर पर दूर भविष्य तक जीवित रहने वाली अमिट रेखाएं खींच जाते हैं। हम आज भी निगाह उठाकर देखें, तो समाज में बहुत सारे महान चिंतक और साहित्यकार अपने उच्च विचारों के जरिए अपनी आवाज बुलंद करते रहते हैं। भारत के लगभग सभी राज्यों में महान विभूतियां विचारों की स्वच्छता से समाज की सफाई में लगी हुई हैं। आज समय की मांग है कि केवल शब्द नहीं चाहिए, शब्दों से उच्च स्तर के वाक्य बने, वैसे शब्द और वाक्य की जरूरत है। वाक्य ऐसे हों, जो पढ़ने वाले के जेहन को झकझोर दे। सोती हुई सतह को ऐसी नींद से जगी हुई भोर चाहिए।

ईरान-इजरायल टकराव का अमेरिका पर असर

पेंटागन का रोजाना युद्ध खर्च दो अरब डॉलर पार

अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच युद्ध और होर्मुज जलमार्ग बंद होने का असर वैश्विक अर्थव्यवस्था पर दिखाई देने लगा है। जहां दुनिया के कई देशों की अर्थव्यवस्थाओं की विकास दर घटने के संकेत मिल रहे हैं, वहीं विभिन्न देशों में शेयर बाजार गिरते हुए दिखाई दे रहे हैं। ईरान के साथ युद्ध शुरू करने के बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इसे आक्रामक कदम के रूप में पेश किया था। अब इस युद्ध ने कुछ और ही रूप ले लिया है। यह सोचा नहीं गया था कि इससे वैश्विक सुरक्षा और अर्थव्यवस्था को ऐसा झटका लगेगा, जो पश्चिम एशिया में अन्य संघर्षों से कहीं अधिक गंभीर होगा। इस युद्ध ने यात्रा के तौर-तरीकों, ऊर्जा पर निर्भरता, जीवनयापन की लागत, व्यापार मार्गों और रणनीतिक साझेदारियों को बदल दिया है।

गौरतलब है कि अन्य कई क्षेत्रीय संघर्षों से आमतौर पर अछूते रहने वाले देशों को अमेरिकी सैन्य अड्डों के कारण भी ईरान की जवाबी कार्रवाई का सामना करना पड़ा है। ईरान और अमेरिका-इजरायल के बीच चल रहे सैन्य टकराव ने बेहद कम समय में ही अमेरिकी खजाने पर बोझ डालना शुरू कर दिया है। अब पेंटागन का रोजाना युद्ध खर्च औसतन दो अरब डालर तक पहुंच चुका है। हर दिन अमेरिकी सैन्य अभियान पर अरबों डालर खर्च हो रहे हैं। इस संघर्ष ने केवल अमेरिकी बजट पर ही प्रभाव नहीं डाला, बल्कि कई महंगे सैन्य उपकरणों का नुकसान भी हुआ है। अगर यह युद्ध लंबा चला, तो इसके प्रभाव और भी गंभीर हो सकते हैं। कच्चे तेल संकट के कारण मुद्रास्फीति और आर्थिक मंदी के जोखिम की आशंका है। इससे विकास रुक सकता है।

गौरतलब है कि ईरान और इजरायल-अमेरिका के युद्ध के बीच ईरान ने जहाजों की आवाजाही का सबसे अहम होर्मुज जलमार्ग को बंद कर दिया है। इस मार्ग से बीस फीसद से अधिक वैश्विक कच्चे तेल और तरल प्राकृतिक गैस (एलएनजी) की आपूर्ति होती है। ऐसे में इस जलमार्ग के बंद हो जाने से कच्चे तेल और गैस की वैश्विक आपूर्ति प्रभावित होने लगी है। चूंकि कच्चे तेल के लिहाज से भारत का करीब चालीस फीसद कच्चा तेल इसी रास्ते से होकर आता है। ऐसे में यह युद्ध भारत के लिए चिंता का कारण बन गया है। भारत कच्चे तेल की अपनी जरूरतों के लिए 85 फीसद से अधिक आयात पर निर्भर है। ऐसे में कच्चे तेल के दाम में बढ़ोतरी चिंता बढ़ा रही है। युद्ध लंबा चलने पर इसकी कीमत बेतहाशा बढ़ सकती है। इससे पेट्रोल, डीजल और अन्य पेट्रोलियम उत्पाद महंगे होने लगेंगे और वहीं भारत से निर्यात घटने और व्यापार घाटा बढ़ने की चुनौती बढ़ती दिखाई देगी। हालांकि विदेश मंत्री एस जयशंकर और ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची के बीच हुई उच्च-स्तरीय वार्ता के बाद ईरान ने भारतीय झंडे वाले तेल टैंकरों को होर्मुज जलमार्ग से सुरक्षित गुजरने की अनुमति दे दी है।

इस युद्ध से सीधे तौर पर जुड़े अमेरिका, इजरायल और ईरान सहित युद्ध से प्रभावित पश्चिम एशियाई और यूरोपीय देश भी भारत के लिए निर्यात के प्रमुख बाजार हैं। ऐसे में निर्यातकों की चिंताएं बढ़ गई हैं। पश्चिम एशिया जाने वाला माल भारत के घरेलू बंदरगाहों पर जमा होने लगा है। जहाजों की सुरक्षा को देखते नए निर्यात आदेश नहीं लिए जा हैं। ऐसी स्थिति में खासतौर से पश्चिम एशिया के देशों में निर्यात घटने की आशंका है। भारत ने इस वित्तीय वर्ष 2025- 26 में अप्रैल से दिसंबर की अवधि में पश्चिम एशिया के 13 देशों को करीब 50 अरब डालर मूल्य की वस्तुओं का निर्यात किया, जो भारत के कुल निर्यात का करीब 15 फीसद है। विभिन्न देशों में भारत से खाद्य उत्पाद, इंजीनियरिंग सामान, बासमती चावल, चाय, मशीनरी, दवाएं, रत्न-आभूषण, प्लास्टिक और रबड़ जैसे क्षेत्रों में निर्यात प्रभावित होते हुए दिखाई दे रहे हैं। इस परिप्रेक्ष्य में हाल ही में वैश्विक रेटिंग एजंसी फिच की इकाई बीएमआइ ने एक रपट में कहा कि पश्चिम एशिया में जारी युद्ध से कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि, माल ढुलाई महंगी होने और आपूर्ति शृंखला टूटने जैसे चिंताजनक हालात से भारत के निर्यात और निवेश पर असर पड़ेगा।

रपट में यह भी कहा गया है कि यदि कच्चे तेल की कीमतों में दस फीसद की वृद्धि होती है, तो भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में लगभग 0.3 से 0.6 फीसद की कमी आ सकती है और इससे निर्यात मोर्चे पर भारत की चुनौतियां बढ़ जाएंगी।

सरकार और निर्यातकों की चिंताएं लगातार बढ़ रही हैं। इस बीच सरकार नागरिकों, निर्यातकों और अन्य प्रभावित वर्गों की मुश्किलों को कम करने के मद्देनजर रणनीतिक रूप से कदम उठा रही है। आवश्यक वस्तु अधिनियम लागू करने का भी फैसला किया गया है। इस अधिनियम के लागू होने के बाद देश की सभी रिफाइनरियों और पेट्रो केमिकल इकाइयों को अपने अन्य उत्पादों की तुलना में एलपीजी आपूर्ति को प्राथमिकता देनी होगी। मगर सरकारी तंत्र को सतर्क रहना होगा, ताकि गैस की जमाखोरी और कालाबाजारी न होने पाए। सरकार ने युद्ध से निर्मित हालात से भारतीय निर्यात पर पड़ने वाले प्रभाव पर सरकारी मंत्रालयों, निर्यातकों और जहाज कंपनियों के प्रतिनिधियों की विशेष बैठक में विचार मंथन के बाद बहुमंत्रालयी सहायता डेस्क सहित निर्यातकों को हरसंभव सहयोग दिया जाना सुनिश्चित किया है।

इसमें दो मत नहीं कि भारत को द्विपक्षीय और मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) का पूरा लाभ लेते हुए निर्यात को हरसंभव तरीके से बढ़ाने की रणनीति के साथ आगे बढ़ना होगा। निर्यात बढ़ाने के लिए भारत के व्यापार समझौते अहम भूमिका निभा सकते हैं। हाल के महीनों में जिन देशों के साथ समझौते किए गए हैं, उन्हें क्रियान्वयन की डगर पर तेजी से आगे बढ़ाना होगा। मगर ईरान और इजरायल-अमेरिका युद्ध के बीच भारत से निर्यात बढ़ाना कोई सरल काम नहीं है।

ऐसे में निर्यात बढ़ाने के लिए चिह्नित किए गए करीब दो सौ देशों में निर्यात की नई रणनीति के साथ आगे बढ़ना होगा। वहीं निर्यातकों की दिक्कतों को कम करना होगा। ये दिक्कतें केवल शुल्क वृद्धि तक सीमित नहीं हैं, वरन निर्यात पर लगाए गए डंपिंग-रोधी शुल्क भी अड़चन हैं। अब घरेलू ढांचागत सुधारों के प्रति नए सिरे से प्रतिबद्धता आवश्यक होगी। इसके लिए देश में नियमों और नियामक संस्थाओं के कामकाज में मूलभूत बदलाव की जरूरत है। कर सुधारों को और गहराई देने के साथ जीएसटी प्रणाली को प्रभावी बनाना जरूरी है।

उम्मीद करें कि सरकार ईरान और इजरायल-अमेरिका के युद्ध की वजह से निर्यात चुनौतियों से निपटने और निर्यात बढ़ाने के मद्देनजर विभिन्न देशों के साथ भारत के व्यापार समझौतों के अधिकतम लाभ के लिए गुणवत्तापूर्ण उत्पादन और नए सुधारों की राह पर आगे बढ़ेगी। दूसरी ओर संकट के इस दौर में आवश्यक वस्तु अधिनियम को कारगर तरीके से लागू करना होगा, तभी देश में जमाखोरी और कालाबाजारी रोकी जा सकेगी जिससे आम लोगों को राहत मिले। नागरिकों को आश्वस्त करना होगा फिलहाल गैस और अन्य जरूरी वस्तुओं की कोई कमी नहीं है और कच्चे तेल और गैस की नई आपूर्ति प्राप्त करने के लिए भी अधिकतम प्रयास किए जा रहे हैं।

आयुष यादव ने राष्ट्रीय प्रतियोगिता में जीता रजत पदक, जिले का बढ़ाया मान

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। कोइरौना क्षेत्र के केवटाही गांव निवासी युवा एथलीट आयुष यादव ने राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक हासिल कर जिले का नाम रोशन किया है।

बेंगलुरु में आयोजित चौथी इंडियन ओपन जंप प्रतियोगिता 2026 में आयुष यादव ने लंबी कूद स्पर्धा में 7.26 मीटर की छलांग लगाकर दूसरा स्थान प्राप्त किया। यह प्रतियोगिता 14 और 15 मार्च को अंजू बॉबी उच्च प्रदर्शन केंद्र में आयोजित हुई, जिसमें देशभर के विभिन्न राज्यों से आए प्रतिभाशाली खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया।

कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच आयुष यादव ने अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए रजत पदक अपने नाम किया। आयुष यादव केवटाही गांव निवासी रामशिरोमणि यादव के पुत्र हैं। ग्रामीण परिवेश से निकलकर राष्ट्रीय स्तर पर उनकी यह उपलब्धि भदोही जिले के लिए गर्व की बात मानी जा रही है।

आयुष की इस सफलता पर क्षेत्र के लोगों और खेल प्रेमियों ने उन्हें बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

जिलाधिकारी के निर्देशन में जनगणना संबंधी बैठक एवं प्रशिक्षण आयोजित

जनगणना-2027 की तैयारियों को लेकर बैठक, अधिकारियों को दिए गए दिशा-निर्देश

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। जिलाधिकारी शैलेष कुमार के निर्देशन में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) कुमार वीरेंद्र मौर्य की अध्यक्षता में जिला एवं चार्ज स्तर के जनगणना अधिकारियों के प्रशिक्षण तथा जनगणना कार्य के संबंध में एक महत्वपूर्ण बैठक विकास भवन सभागार में आयोजित की गई। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने प्रतिभाग किया।

इस अवसर पर जनगणना कार्य से संबंधित प्रशिक्षण प्रबंधन, फील्ड ट्रेनर के प्रशिक्षण, नामांकन प्रक्रिया तथा उपस्थिति के सत्यापन सहित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तृत जानकारी दी गई। बैठक में अधिकारियों को अवगत कराया गया कि भारत की आगामी जनगणना वर्ष 2027 में दो चरणों में आयोजित की जाएगी। प्रथम चरण में वर्ष 2026 में मकान सूचीकरण एवं आवास गणना तथा द्वितीय चरण में वर्ष 2027 में जनसंख्या गणना का कार्य संपादित किया जाएगा। जनगणना के माध्यम से प्रत्येक व्यक्ति की जनसांख्यिकीय, सामाजिक एवं आर्थिक जानकारी एकत्र की जाएगी, जिसका उपयोग योजनाओं के निर्माण, संसाधनों के उचित वितरण तथा विकास कार्यों के लिए किया जाता है। जनगणना की समस्त जानकारी गोपनीय रखी जाती है तथा इसका उपयोग केवल सांख्यिकीय उद्देश्यों के लिए किया जाता है।

अपर जिलाधिकारी ने कहा कि जनगणना का कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील है, इसलिए सभी अधिकारी एवं कर्मचारी अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन पूर्ण गंभीरता एवं पारदर्शिता के साथ करें। उन्होंने निर्देशित किया कि जनगणना से संबंधित सभी कार्यों की नियमित रूप से निगरानी करते हुए समयबद्ध ढंग से संपादन सुनिश्चित किया जाए।

उन्होंने कहा कि जनगणना कार्य के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा सभी अधिकारी आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए शासन के निर्देशों का पालन करें।

बैठक में जनगणना कार्य की तैयारियों, प्रशिक्षण एवं अन्य व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

इस अवसर पर समस्त उप जिलाधिकारी, तहसीलदार, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी शिवम पांडेय, अधिशासी अधिकारी डॉ. अनुपम सिंह, जनगणना कर्मी निदेशालय लखनऊ हेमंत कुमार वर्मा एवं पंकज कुमार वीडियो सांख्यिकी अशोक पांडे सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

बस्ती के बीच शराब की दुकान खोलने का महिलाओं ने किया विरोध, जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। भदोही तहसील के ग्राम सभा दानपुर पश्चिम पट्टी की महिलाओं ने बस्ती के बीच प्रस्तावित शराब की दुकान खोलने का विरोध किया। सोमवार को बड़ी संख्या में महिलाएं कलेक्ट्रेट पहुंचीं और प्रदर्शन करते हुए जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर दुकान को बस्ती से दूर स्थापित करने की मांग की।

महिलाओं ने जिलाधिकारी को दिए गए ज्ञापन में बताया कि गांव में बड़ी संख्या में परिवार रहते हैं और आसपास महिलाएं व बच्चे भी रहते हैं। ऐसे में यदि बस्ती के बीच शराब की दुकान खोली जाती है तो महिलाओं और बच्चों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ेगा।

महिलाओं का कहना था कि शराब की दुकान खुलने के बाद नशे में धुत लोग अक्सर अभद्र व्यवहार करते हैं, जिससे क्षेत्र में विवाद और अप्रिय घटनाओं की आशंका बढ़ जाती है।

महिलाओं ने प्रशासन से मांग की कि शराब की दुकान को बस्ती से दूर किसी अन्य स्थान पर स्थापित कराया जाए। इस दौरान रेखा देवी, सुनीता, उर्मिला, शिवरानी, संजू, आशा और नगीना देवी सहित अन्य महिलाएं मौजूद रहीं।

गैंगस्टर की करीब दो करोड़ की संपत्ति कुर्क डुगडुगी बजाकर चस्पा किया गया नोटिस बोर्ड

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। संगठित अपराध के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत भदोही पुलिस और प्रशासन ने गैंगस्टर अभियुक्त की करीब दो करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की। कार्रवाई के दौरान ईंट भट्ठे पर डुगडुगी बजाकर कुर्की का नोटिस बोर्ड भी चस्पा किया गया।

पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक शुभम अग्रवाल के नेतृत्व में यह कार्रवाई थाना कोईरौना क्षेत्र में की गई। पुलिस के अनुसार थाना कोईरौना में दर्ज गिरोहबंद एवं समाज विरोधी क्रियाकलाप निवारण अधिनियम के तहत गैंग लीडर मायापति दुबे पुत्र काशी प्रसाद दुबे तथा उसके सहयोगियों के विरुद्ध कार्रवाई की जा रही है।

जांच में सामने आया कि अपराध से अर्जित धन से गैंग के सदस्य करुणापति दुबे की पत्नी कविता दुबे के नाम पर ग्राम फुलवरिया में गाटा संख्या 50 व 39 पर त्रिपति ईंट उद्योग के नाम से ईंट भट्ठा बनाया गया था, जिसकी कीमत लगभग एक करोड़ साठ लाख रुपये आंकी गई है।

जिला मजिस्ट्रेट शैलेष कुमार के आदेश पर गैंगस्टर अधिनियम की धारा 14(1) के तहत उक्त ईंट भट्ठा सहित तीन ट्रैक्टर व एक जेसीबी को कुर्क किया गया। पुलिस के अनुसार कुर्क की गई चल-अचल संपत्ति की कुल अनुमानित कीमत करीब एक करोड़ अट्ठानवे लाख सोलह हजार रुपये है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि संगठित अपराध से अर्जित अवैध संपत्तियों के विरुद्ध आगे भी इसी तरह सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

अवैध असलहा मामले में न्यायालय द्वारा कारावास की सजा

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। थाना दुर्गागंज क्षेत्र अंतर्गत चेकिंग के दौरान अभियुक्त संजय कुमार सरोज पुत्र दुखी सरोज ग्राम प्रतापपुर थाना फूलपुर जनपद प्रयागराज को अवैध असलहा के साथ गिरफ्तार कर मु0अ0सं0-14/2014 धारा-4/25 आयुध अधिनियम का अभियोग पंजीकृत कर स्थानीय पुलिस द्वारा त्वरित विवेचना व प्रभावी साक्ष्य संकलन करते हुए आरोपी के विरुद्ध आरोप पत्र न्यायालय प्रेषित किया गया।

पुलिस महानिदेशक, उ0प्र0 लखनऊ के आदेश के क्रम में एवं अभिनव त्यागी, पुलिस अधीक्षक भदोही के निर्देशन म दोषी अभियुक्तों के विरुद्ध अधिकतम व त्वरित दंडात्मक कार्यवाही हेतु जनपदीय पुलिस द्वारा विशेष अभियान चलाया जा रहा है। पंजीकृत उपरोक्त अभियोग में स्थानीय पुलिस, मॉनिटरिंग सेल व एपीओ की प्रभावी पैरवी के फलस्वरुप मो. शाहनवाज शाहनवाज अहमद सिद्दीकी सिविल जज (सी0डि0)/अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट त्वरित न्यायालय, भदोही-ज्ञानपुर द्वारा दोषी अभियुक्त- संजय कुमार को अन्तर्गत धारा 4/25 आयुध अधिनियम में जेल में बितायी गई अवधि व 500/-अर्थदंड से दंडित किया गया। अर्थदंड अदा न कर पाने की स्थिति में 05 दिवस का अतिरिक्त कारावास भुगतना पड़ेगा।

टीईटी अनिवार्यता के विरोध में शिक्षक संघ की बैठक राष्ट्रपति सहित अन्य को पत्र भेजने का आह्वान

मंत्र भारत संवाददाता

गोपीगंज। टीईटी अनिवार्यता के विरोध में अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ की बैठक रविवार को प्राथमिक विद्यालय पड़ाव गोपीगंज में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष सुधीर कुमार सिंह ने की।

बैठक में अखिल भारतीय संयुक्त शिक्षक महासंघ के पदाधिकारी भी उपस्थित रहे। इस दौरान सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि टीईटी अनिवार्यता समाप्त करने की मांग को लेकर राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी तथा मुख्य न्यायाधीश को पोस्टकार्ड और ईमेल भेजे जाएंगे।

बैठक में वक्ताओं ने कहा कि टीईटी अनिवार्यता का कानून शिक्षकों की सेवा समाप्ति के साथ-साथ स्कूलों को बंद करने की साजिश है। प्रांतीय अध्यक्ष सुशील पांडेय के नेतृत्व में देशभर के शिक्षक आंदोलनरत हैं। उन्होंने शिक्षकों से अधिक से अधिक संख्या में पत्र और ईमेल भेजकर सरकार व जिम्मेदार पदों पर बैठे लोगों तक अपनी बात पहुंचाने का आह्वान किया।

बैठक में विनोद दुबे, राजबली उपाध्याय, मनोज उपाध्याय, के के मौर्य, मनोज शुक्ला, अनिल सिंह, कन्हैया यादव, प्रदीप सिंह, अजय तिवारी, मुकेश पांडेय, रजनीश सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

सरायकंसराय डाकघर में बड़ा खुलासा हजारों पत्र और सैकड़ों स्पीड पोस्ट दबाकर रखे गए

भदोही ।जनपद के सरायकंसराय स्थित डाकघर में शिकायत के बाद सोमवार को डाक विभाग की टीम ने छापेमारी की तो चौंकाने वाला मामला सामने आया। कार्रवाई के दौरान वर्ष 2024, 2025 और 2026 के हजारों पत्र और करीब चार से पांच सौ स्पीड पोस्ट व रजिस्ट्री दबाकर रखे हुए बरामद किए गए। बताया जा रहा है कि मामले की शिकायत परमेंद्र कनौजिया ने डाक निरीक्षक को दी थी, जिसके बाद टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की। अब सवाल उठ रहा है कि आखिर इतने वर्षों से लोगों के जरूरी पत्र और दस्तावेज किस लापरवाही के चलते दबे रहे? फिलहाल डाक विभाग पूरे मामले की जांच में जुटा है और जांच रिपोर्ट के बाद कार्रवाई की बात कही जा रही है।

पुलिस क्षेत्राधिकारी ने थाने का किया अर्द्धवार्षिक निरीक्षण, दिए दिशा निर्देश

सिद्धार्थनगर। जिले के शोहरतगढ पुलिस क्षेत्राधिकारी मयंक द्विवेदी द्वारा चिल्हिया थाने का अर्द्धवार्षिक निरीक्षण किया गया तथा प्रभारी निरीक्षक चिल्हिया को थाने की साफ सफाई, अभिलेखों को अद्यतन रखने हेतु निर्देशित किया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ अभिषेक महाजन द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओ की सुरक्षा में चलाए जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद के पर्यवेक्षण में क्षेत्राधिकारी शोहरतगढ़ मयंक द्विवेदी द्वारा थाना चिल्हिया का अर्द्धवार्षिक निरीक्षण किया गया तथा राजेश कुमार गुप्ता प्रभारी निरीक्षक चिल्हिया को थाने की साफ सफाई, अभिलेखों को अद्यतन रखने हेतु निर्देशित किया गया । निरीक्षण के दौरान थाना कार्यालय के अभिलेखों, विभिन्न रजिस्टरों एवं महिला हेल्प डेस्क रजिस्टर, काउंसलिंग रजिस्टर, एंटी रोमियो रजिस्टर, अपराध रजिस्टर, महिला बीट रजिस्टर, महिला बीट मासिक रजिस्टर, प्रथम सूचना रिपोर्ट (ईंधं) रजिस्टर, निरोधात्मक रजिस्टर एवं फीडबैक रजिस्टर आदि का निरीक्षण कर अभिलेखों को अद्यतन रखने के निर्देश दिए गए इस दौरान प्रभारी निरीक्षक चिल्हिया एवं अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण मौजूद रहें।

शान्ति-व्यवस्था बनाये रखने हेतु पुलिस लाइन में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक की अध्यक्षता में अपराध गोष्ठी का आयोजन

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ अभिषेक महाजन व द्वारा पुलिस लाइन स्थित सभागार कक्ष में अपराध गोष्ठी किया गया । अपराध गोष्ठी की शुरुआत सैनिक सम्मलेन से हुआ । तत्पश्चात एसएसपी द्वारा त्यौहार रमजान ईद-उल-फितर के दृष्टिगत कृत कार्यवाही की समीक्षा तथा शहर व ग्रामीण इलाकों में पैदल गश्त, आपरेशन त्रिनेत्र के तहत स्थापित सीसीटीवी कैमरो की क्रिया शीलता, साइबर अपराध के रोकथाम सम्बन्धी प्रचार-प्रसार, आपरेशन कन्विक्शन के तहत चिह्नित अभियोगों की समीक्षा, सम्पत्ति व महिला उत्पीड़न सम्बन्धित पंजीकृत अभियोगों में कृत कार्यवाही, गुमशुदा/लापता व बरामदगी हेतु शेष बच्चो की बरामदगी के सम्बन्ध में की गयी कार्यवाही तथा लम्बित मुकदमों में एकत्रित साक्ष्य एवं गुण-दोष के आधार पर विवेचनाओं का निस्तारण एवं अभियुक्तों के प्रति वैधानिक कार्यवाही गुण्डा अधिनियम, गैंगेस्टर अधिनियम के अन्तर्गत अभियान चलाकर निरोधात्मक कार्यवाही किये जाने व गैगेस्टर अधिनियम के अन्तर्गत की गयी कार्यवाही तथा बीपीओ द्वारा अंकित कराये गये बीट सूचना की समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया । इसके अतिरिक्त महोदय द्वारा घ्मुख्यालय द्वारा जारी रैकिंग की समीक्षा कर सम्बन्धित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये तथा आईजीआरएस प्रकरणों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण आदि बिन्दुओ की समीक्षा कर सम्बन्धित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया। उक्त गोष्ठी में अपर पुलिस अधीक्षक, क्षेत्राधिकारीगण, प्रभारी अग्नि शमन, अभियोजन अधिकारी, प्रभारी प्रतिसार निरीक्षक, निरीक्षक प्रज्ञान शाखा, निरीक्षक रेडियो शाखा, समस्त प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्ष, आशुलिपिक पुलिस अधीक्षक, वाचक पुलिस अधीक्षक, प्रभारी यू0पी0-112, समस्त शाखा प्रभारी व अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण मौजूद रहे।

पुलिस ने महिला सशक्तिकरण के तहत महिला सुरक्षा को लेकर महिलाओं और बालिकाओं को किया जागरूक

सिद्धार्थनगर। जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ अभिषेक महाजन द्वारा महिलाओं के सुरक्षा एवं जागरूकता अभियान के संबंध में दिए गए निर्देश के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद के पर्यवेक्षण में क्षेत्राधिकारी बांसी शुबेंदु सिंह तथा थानाध्यक्ष अनूप कुमार मिश्र थाना खेसरहा के कुशल नेतृत्व में थाना क्षेत्र के ग्राम सुपौली बाजार में मिशन शक्ति टीम उप निरीक्षक जियाउल्लाह, हेड कांस्टेबल जालंधर, महिला पीआरडी पुष्पा द्वारा साइबर जागरूक किया गया तथा खुद के साथ होने वाले अपराध से बचने के बारे में जानकारी दी गयी। मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा उत्तर प्रदेश के सभी थानों पर स्थापित मिशन शक्ति केंद्र जहां पर अपनी समस्या को दर्ज करा सकती हैं के बारे में जानकारी दी गई तथा मिशन शक्ति फेज-5.0 के विषय में महिलाओं को महिला सम्बन्धी अपराध पर अंकुश लगाने हेतु जारी हेल्प लाइन 1090 वुमेन पावर लाइन, 181 महिला हेल्प लाइन, 1076 मुख्यमंत्री हेल्प लाइन, 112 पुलिस हेल्प लाइन, 1098 चाईल्ड केयर लाइन, 108 एम्बुलेंस हेल्प लाइन, 101 अग्निशमन हेल्प लाइन, 14567 एल्डर हेल्पलाइन, 1930 साइबर हेल्पलाइन नंबर, नए कानून के बारे में जानकारी दी गई व नई धाराओं को भी बताया गया।

मिशन शक्ति टीम द्वारा महिलाओं और बालिकाओं को महिला सुरक्षा के प्रति किया गया जागरूक

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ अभिषेक महाजन द्वारा महिलाओं के सुरक्षा एवं साइबर जागरूकता अभियान' के संबंध में दिए गए निर्देश के क्रम में प्रशांत कुमार प्रसाद अपर पुलिस अधीक्षक व विश्वजीत सौरयान क्षेत्राधिकारी सदर के कुशल पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक संतोष कुमार तिवारी थाना कपिलवस्तु के निर्देशन में थाना क्षेत्र की महिलाओं व बालिकाओं को जो थाने तक नहीं आ सकती हैं उन्हें ग्राम पंडितपुर में बहू बेटी सम्मेलन व साइबर जागरूकता अभियान के तहत महिला कांस्टेबल सुषमा वर्मा, महिला कांस्टेबल नंदिनी राना ने चौपाल में महिलाओं व बालिकाओं को जागरूक किया गया तथा खुद के साथ होने वाले अपराध से बचने के बारे मे जानकारी दी गयी तथा मिशन शक्ति 5.0 स्टीकर भी चस्पा किया गया। मा0 मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा उत्तर प्रदेश के सभी थानों पर स्थापित मिशन शक्ति केंद्र व साइबर सेल जहां पर अपनी समस्या को दर्ज करा सकती हैं । सम्मेलन में उपस्थित सभी बहू-बेटियों से खुद की समस्या कें बारे मे पूछा गया तो किसी भी बहू-बेटियों द्वारा कोई समस्या नही बतायी गयी । तथा मिशन शक्ति फेज 5.0 के विषय मे महिलाओं को महिला सम्वन्धी अपराध पर अंकुश लगाने हेतु जारी हेल्प लाइन 1090 वुमेन पावर लाइन, 181 महिला हेल्प लाइन, 1076 मुख्यमंत्री हेल्प लाइन, 112 पुलिस हेल्प लाइन, 1098 चाईल्ड केयर लाइन, 108 एम्बुलेंस हेल्प लाइन, 101 अग्निशमन हेल्प लाइन, 14567 एल्डर हेल्पलाइन, 1930 साइबर हेल्पलाइन नंबर नए कानून के बारे में जानकारी दी गई।

ककरही गांव में चकबंदी विभाग द्वारा ग्राम चौपाल का आयोजन

सिद्धार्थनगर। जनपद के नौगढ़ तहसील के ग्राम ककरही स्थित प्राथमिक पाठशाला में सोमवार को चकबंदी विभाग द्वारा ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम माननीय चकबंदी आयुक्त उत्तर प्रदेश लखनऊ डॉ. हृषिकेश भास्कर यशोद के कुशल नेतृत्व एवं जिलाधिकारी, जिला उप संचालक चकबंदी सिद्धार्थनगर के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ। बैठक की अध्यक्षता बन्दोबस्त अधिकारी चकबंदी एवं उप जिलाधिकारी सिद्धार्थनगर श्री शशांक शेखर राय ने की। ग्राम चौपाल में चकबंदी प्रक्रिया से जुड़ी समस्याओं को ग्रामीणों से सुनकर मौके पर ही उनके समाधान का आश्वासन दिया गया। इस दौरान ग्राम ककरही तप्पा हाटा में चल रही चकबंदी प्रक्रिया के संबंध में उत्पन्न समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई। ग्रामीणों ने चकबंदी से जुड़े वरासत एवं बैनामे की कार्यवाही को शीघ्र पूर्ण कराने की मांग रखी, जिस पर बन्दोबस्त अधिकारी चकबंदी ने सहायक चकबंदी अधिकारी नौगढ़ राजेश मिश्रा को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। बैठक में पेशी कानूनगो प्रदीप कुमार, चकबंदी कर्ता रणजीत प्रसाद व चन्द्र गोपाल, चकबंदी लेखपाल विवेक कुमार एवं अत्रिमणी त्रिपाठी सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे। साथ ही ग्राम प्रधान कल्लू, चकबंदी समिति के सदस्य विकास कुमार, कांति देवी, सुखराम सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण भी उपस्थित रहे। ग्रामवासियों ने गांव में चल रही चकबंदी प्रक्रिया पर संतोष व्यक्त करते हुए विभाग द्वारा समय-समय पर चलाए जा रहे अभियानों के लिए आभार प्रकट किया।

नमाज का वक्त मुकर्रर गिराई मे 8.30 व फूलबाग मे सुबह 8.00 बजे होगी ईद की नमाज

मंत्र भारत संवाददाता

गोपीगंज। ईद का पर्व मनाने की तैयारी पूरी कर ली गई है, नगर के गिराई व फूलबाग स्थित ईदगाह के साथ ग्रामीण क्षेत्र मे स्थित ईदगाह व मस्जिदो मे नमाज अदा की जाएगी। गिराई स्थित ईदगाह मे सुबह 8.30 तथा फूलबाग मे 8.00 बजे होगीत जामा मस्जिद गोपीगंज के पेश इमाम मौलाना अनिशुल कादरी ने यह जानकारी दी।

बताया कि जामा मस्जिद गोपीगंज मे चुड़िहारी मोहाल और जामा मस्जिद के मानिंद लोगो की बैठक हुई, जिसमे यह तय किया गया, की गिराई जीटी रोड वाले ईदगाह में ईदुल फित्र की नमाज़ 8:30 बजे सुबह होगी, और पूरे गुलाब वाले ईदगाह में ईद की नमाज़ 8.00 बजे सुबह होगी। बैठक मे हाफिज अनीसुल क़ादरी, पेश इमाम जामा मस्ज़िद, हाफिज गुलाम मुर्तुजा इमाम मदीना मस्जिद, नई बस्ती, मौलाना मोहम्मद अवैस इमाम शाही मस्जिद मौलाना शुजाअत अली भगवतपुर, हाफिज मोहम्मद इरफ़ान आदि रहे। ग्रामीण क्षेत्र लालानगर, चकसहाब, गांधी स्थित ईदगाह के साथ बरजी, अमवा, गहरपुर, खानापुर मे अलग अलग समय पर नमाज पढ़ी जाएगी।

मनबढ़ पड़ोसियो ने घर मे किया तोड़ फोड़, पीड़ित ने दी तहरीर

मंत्र भारत संवाददाता

गोपीगंज। कोतवाली के गांधी गांव में मनबढ़ पड़ोसियो द्वारा घर मे लगे लूम उखाड़ कर फेकने तोड़ फोड़ व घर गिराने का मामला सामने आया है, पीड़ित महिला ने कोतवाली में प्रार्थना पत्र देकर एक लाख रुपए का नुकसान करने का आरोप लगाते हुए सुरक्षा की गुहार लगाई है,

गांव निवासी अतहर की पत्नी रुबीना ने प्रार्थना पत्र देकर पड़ोसी कल्लू, राजू, सानियाल व तालिम पर घर तोड़ने का आरोप लगाया, बताया कि लगभग चालीस वर्ष से आबादी की जमीन मे घर बनाकर परिवार के साथ रहती है, सोमवार को सुबह लगभग आठ बजे चारों व्यक्ति हाथ मे लाठी डंडा लेकर गाली देते हुए घर मे तोड़ फोड़ करने लगे, घर मे लगे लूम के साथ आलमारी , बक्सा व अन्य घरेलू सामान निकाल कर फेंक दिया और घर गिरा दिया, रोकने पर मारपीट करने लगे जिसमें उनका पुत्र आतीश घायल हो गया, कहा कि घर गिराने से ईद के लिए रखे गए सामान के साथ लूम आदि नष्ट हो जाने से लगभग एक लाख का नुकसान हो गया, जाते समय पड़ोसियो ने जान से मारने की धमकी दी है।

भिवंडी मनपा में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस कार्यक्रम, महिलाओं के सशक्तिकरण पर जोर

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी-निजामपुर शहर महानगरपालिका की ओर से अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर कामतघर स्थित वरालदेवी माता मंगल भवन में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महानगरपालिका आयुक्त अनमोल सागर ने कहा कि समाज और देश को मजबूत बनाना है तो हर क्षेत्र में महिलाओं का सशक्तिकरण आवश्यक है। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि बोलते हुए आयुक्त अनमोल सागर ने कहा कि महिलाओं को विभिन्न क्षेत्रों में समान अवसर मिलना जरूरी है। उन्होंने कहा कि महिलाएं घर और पेशेवर जीवन की जिम्मेदारियां एक साथ निभाते हुए समाज के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं।कार्यक्रम की अध्यक्षता उपमहापौर तारिक अब्दुल बारी मोमिन ने की। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि जो समाज महिलाओं का सम्मान करता है वही समाज आगे बढ़ता है। महिलाओं के सशक्तिकरण और जागरूकता की शुरुआत घर से ही होनी चाहिए। इस अवसर पर अतिरिक्त आयुक्त विट्ठल डाके, अतिरिक्त आयुक्त नयना ससाणे, उपायुक्त सपना वसावा, उपायुक्त मुख्यालय विक्रम दराडे, शिक्षा विभाग के उपायुक्त बालकृष्ण क्षिरसागर, शहर अभियंता जमील पटेल, सहायक संचालक नगररचना अजय साबले, मुख्य लेखा व वित्त अधिकारी रामप्रसाद सोलुंके, समाज कल्याण विभाग के सहायक आयुक्त शैलेश दोंदे, सहायक आयुक्त नितीन पाटील, समाज कल्याण विभाग प्रमुख मिलिंद पलसुले तथा विभिन्न प्रभाग समितियों के अधिकारी उपस्थित थे। कार्यक्रम में अतिरिक्त आयुक्त नयना ससाणे ने प्रस्तावना रखते हुए महिलाओं के विभिन्न क्षेत्रों में बढ़ते योगदान पर प्रकाश डाला और कहा कि महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होना चाहिए तथा किसी भी प्रकार के अन्याय के खिलाफ आवाज उठानी चाहिए। इस दौरान प्रसिद्ध स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. उज्वला बर्दापुरकर ने महिलाओं के स्वास्थ्य और उससे जुड़ी समस्याओं पर मार्गदर्शन दिया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की ओर से कैंसर की रोकथाम के लिए टीका उपलब्ध कराया गया है और 14 वर्ष से अधिक आयु की महिलाओं को इसका लाभ लेना चाहिए।कार्यक्रम के दौरान बचत समूह की महिलाओं द्वारा तैयार उत्पादों की प्रदर्शनी और बिक्री के लिए स्टॉल लगाए गए। साथ ही महानगरपालिका के स्वास्थ्य विभाग की ओर से महिलाओं की स्वास्थ्य जांच भी की गई। पालिका कर्मचारियों, आशा सेविकाओं और छात्राओं ने सामाजिक और स्वास्थ्य जागरूकता से जुड़े सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिला कर्मचारी, आशा सेविकाएं और बचत समूह की महिलाएं उपस्थित रहीं।

आशीर्वाद हिंदी हाईस्कूल और डॉ. डी.एस. पालीवाल इंग्लिश हाई स्कूल में क्विज प्रतियोगिता के विजेताओं को किया सम्मानित

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

शहर के नागांव (चाविंद्रा) स्थित आशीर्वाद हिंदी हाईस्कूल एवं डॉ. डी.एस. पालीवाल इंग्लिश हाई स्कूल में क्विज प्रतियोगिता के पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को उनकी प्रतिभा के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मनपा के नवनिर्वाचित उपमहापौर तारिक अब्दुल बारी मोमिन ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में नगरसेवक प्रतिनिधि साजू सिद्दीकी, सतीश पाटील, नगरसेवक सैफुल्लाह अंसारी, डॉ. डी.एस. पालीवाल इंग्लिश स्कूल के संचालक विवेक सिंह और आर.एम. श्रीवास उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। विद्यालय के मुख्याध्यापक दीपक सिंह ने अतिथियों का शॉल, सम्मान चिन्ह और पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया।

क्विज प्रतियोगिता में ग्रुप ए, ग्रुप बी, ग्रुप सी और ग्रुप डी इस प्रकार चार समूह बनाए गए थे। दोनों विद्यालयों के लगभग 200 से अधिक विद्यार्थियों ने प्रतियोगिता में भाग लिया। प्रत्येक समूह से प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को अतिथियों के हाथों सम्मान चिन्ह देकर पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर उपमहापौर तारीक मोमिन ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि छात्रों को विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताओं में भाग लेना चाहिए। इससे उनके ज्ञान में वृद्धि होती है और आत्मविश्वास भी बढ़ता है। इस प्रतियोगिता का संपूर्ण नियोजन विद्यालय की शिक्षिका नमिता सिंह ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के मुख्याध्यापक सहित सभी शिक्षक, शिक्षिकाओं और शिक्षकेतर कर्मचारियों का विशेष योगदान रहा।

भिवंडी में फिर अपहरण की दो घटनाओं से सनसनी, तीन नाबालिग युवक लापता

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। शहर में अपहरण की दो अलग-अलग घटनाओं से सनसनी फैल गई है। भिवंडी शहर और शांतिनगर पुलिस थानों में दर्ज मामलों के अनुसार तीन युवकों के लापता होने की शिकायत दर्ज कराई गई है। पुलिस ने अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ अपहरण का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पहली घटना भिवंडी शहर पुलिस थाना क्षेत्र की है। नवी बस्ती इलाके में रहने वाले एक वेल्डर ने शिकायत दर्ज कराई है कि उनकी पत्नी की बहन का करीब 17 वर्ष का बेटा घर के बाहर खेलते समय अचानक लापता हो गया। घटना 13 मार्च की शाम करीब 7:30 बजे की बताई जा रही है। परिवार के लोगों ने आसपास और रिश्तेदारों के यहां काफी तलाश की, लेकिन बच्चे का कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई। पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 137(2) के तहत मामला दर्ज किया है।

दूसरी घटना शांतिनगर पुलिस थाना क्षेत्र के शिवालिक पार्क, भादवड परिसर की है। यहां रहने वाले एक रिक्शा चालक ने शिकायत दर्ज कराई है कि उनका 15 वर्षीय बेटा कुमार प्रेम प्रदीप पाटिल और उसके साथ रहने वाला 14 वर्षीय हिमांशु वरुण सिंग 13 मार्च की शाम करीब 8 बजे घर के नीचे गए थे, जिसके बाद दोनों वापस नहीं लौटे। परिजनों ने काफी खोजबीन की, लेकिन उनका पता नहीं चल सका। इसके बाद अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ अपहरण का मामला दर्ज कराया गया। पुलिस के अनुसार दोनों मामलों में अपहरण की धाराओं के तहत केस दर्ज कर लिया गया है और लापता लोगों की तलाश के लिए जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस आसपास के क्षेत्रों के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और संभावित ठिकानों पर भी छानबीन की जा रही है।

दो मालवाहक ट्रकों की आमने-सामने टक्कर, चालक घायल

भिवंडी।भिवंडी के कांबे गांव तलवली नाका क्षेत्र में तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाने के कारण दो मालवाहक ट्रकों की आमने-सामने टक्कर हो गई। इस हादसे में एक ट्रक चालक घायल हो गया, जबकि दोनों वाहनों को भी काफी नुकसान पहुंचा है। घटना के बाद पुलिस ने दोनों चालकों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। निजामपुर पुलिस स्टेशन में दर्ज शिकायत के अनुसार यह दुर्घटना 15 मार्च 2026 की रात करीब 4:20 बजे तलवली नाका, नवनाथ महाराज समाधि के पास स्थित सड़क पर हुई। पुलिस शिपाई प्रविण तुकाराम राऊत ने इस संबंध में शिकायत दर्ज कराई है।

पुलिस के मुताबिक ट्रक चालक अंबेश कुमार रामगुलाल गौतम (38) अपने वाहन भारतबेंज कंपनी के ट्रक एमएच-04 जेके 2208 को तलवली नाका से कांबेगांव की दिशा में ले जा रहा था। इसी दौरान सामने से आ रहे अशोक लेलैंड कंपनी के ट्रक डीडी-01 एफ 9625 के चालक तालीब इजहार खान (32) से उसकी जोरदार टक्कर हो गई। बताया जा रहा है कि दोनों चालक तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चला रहे थे, जिसके कारण यह दुर्घटना हुई।टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों ट्रकों के आगे के हिस्से, बंपर, दरवाजे और शीशे क्षतिग्रस्त हो गए। हादसे में एक चालक तालिब इजहार खान घायल हो गया। पुलिस ने दोनों चालकों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं और मोटर वाहन अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया है। मामले की आगे की जांच पुलिस कर रही है।

ऑन लाइन भुगतान के बहाने मंगलसूत्र हड़पा, केस दर्ज

भिवंडी। ऑनलाइन भुगतान का झांसा देकर मंगलसूत्र हड़पने का मामला सामने आया है। इस मामले में नारपोली पुलिस स्टेशन में एक युवक के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार महिला शिकायतकर्ता, जो पूर्णा गांव में रहती है, ने आरोप लगाया है कि आरोपी आकाश रंगनाथ सोनवणे ने विश्वास जीतकर उनसे पहले ऑनलाइन माध्यम से 5 हजार रुपये लिए और बाद में चार तोले का मंगलसूत्र लेकर उसे वापस करने का वादा किया। आरोप है कि आरोपी ने मंगलसूत्र लौटाने का आश्वासन दिया था, लेकिन काफी समय बीत जाने के बाद भी न तो मंगलसूत्र लौटाया और न ही पैसे वापस किए। बताया जा रहा है कि हड़पे गए मंगलसूत्र की कीमत करीब 4 लाख 59 हजार रुपये बताई गई है। घटना 3 मार्च से 10 मार्च के बीच भिवंडी के कल्हेर क्षेत्र और ठाणे रेलवे स्टेशन परिसर में हुई बताई गई है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। फिलहाल आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हुई है और मामले की जांच सहायक पुलिस निरीक्षक माणिक होलकर कर रहे हैं।

भिवंडी मनपा की मंगलवार को पहली विशेष सभा,आर्थिक विषयों पर होगी चर्चा

स्थायी समिति सदस्यों की नियुक्ति एक माह बाद भी अटकी,अटकलों का बाजार गर्म

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी मनपा के महापौर पद पर नारायण चौधरी के विराजमान होने के ठीक एक महीने बाद, मंगलवार को दोपहर दो बजे मनपा के नवनियुक्त सदस्यों की पहली व विशेष सभा आयोजित की गई है।आमतौर पर महापौर के चुनाव के बाद होने वाली पहली सभा में स्थायी समिति के सदस्यों और स्वीकृत सदस्यों का चयन किया जाता है। लेकिन इस समय चल रही भारी राजनीतिक खींचतान के कारण इन विषयों को फिलहाल टाल दिया गया है। इस विशेष महासभा में मुख्य रूप से शहर के आर्थिक और विकास कार्यों से जुड़े प्रस्तावों पर मंजूरी ली जाएगी,

जिनमें मानसून से पहले मनपा क्षेत्र के छोटे-बड़े नालों और मुख्य सड़कों के किनारे की गटर सफाई के खर्च को मंजूरी देना। साथ ही 480 मीट्रिक टन प्रतिदिन कचरा संग्रहण क्षमता वाले 'ट्रांसफर स्टेशन प्रोजेक्ट' के निर्माण के खर्च को स्वीकृति देना। मनपा प्रशासन द्वारा हर साल करोड़ों रुपये खर्च कर मानसून से ठीक पहले नाला सफाई की जाती है, जो अक्सर विवादों के घेरे में रहती है। ऐसी स्थिति में महापौर नारायण चौधरी ने शहर की स्वच्छता और नागरिकों के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए इन विषयों को महासभा के सामने रखा है। प्रभाग समिति क्रमांक 1 से 5 और मुख्य सड़कों के किनारे स्थित बड़े गटर और नालों की कुल संख्या 130 है, जिनकी लंबाई 50,269 मीटर है। इस सफाई कार्य के लिए 2 करोड़ 92 लाख 99 हजार 574 रुपये के खर्च की मान्यता ली जाएगी। डंपिंग ग्राउंड पर जमा होने वाले कचरे के प्रसंस्करण के लिए प्रोजेक्ट स्थापित करने पर 19 करोड़ 52 लाख 34 हजार 572 रुपये की लागत आएगी। इस प्रोजेक्ट में केंद्र सरकार की 33इ और राज्य सरकार की 37इ हिस्सेदारी होगी। मनपा को अपनी ओर से 30इ राशि खर्च करनी होगी, जिसके लिए 5 करोड़ 85 लाख 70 हजार 372 रुपये के प्रस्ताव को महासभा में मंजूरी दी जाएगी।उक्त जानकारी मनपा जनसंपर्क विभाग द्वारा मिली है।

नाबालिग बच्ची से छेड़छाड़, विरोध करने पर परिवार को पीटा

भिवंडी।शहर के भोईवाड़ा क्षेत्र में एक बच्ची से कथित छेड़छाड़ के मामले को लेकर विवाद बढ़ गया। बच्ची के परिजनों ने आरोपी के खिलाफ शिकायत करने पहुंचने पर उन पर हमला किए जाने का आरोप लगाया है। पुलिस ने इस मामले में कई लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। भोईवाड़ा पुलिस स्टेशन में दर्ज शिकायत के अनुसार घटना 13 मार्च की रात करीब 10:30 बजे इस पुलिस स्टेशन क्षेत्र के एक रहिवासी बिल्डिंग परिसर में हुई।शिकायतकर्ता ने बताया कि उनकी नाबालिग बेटी अपनी छोटी बहन के साथ क्लास से घर लौट रही थी। उसी दौरान रास्ते में एक युवक ने कथित रूप से उसका पीछा किया और उसके साथ अनुचित व्यवहार करने का प्रयास किया। बच्ची के विरोध करने पर उसने धमकी भी दी कि 'मेरी साथ चलेगी की नही,नही चलोगी तो मैं तेरे मुंह पर एसिड डाल दूंगा'

घटना के बाद परिवार के लोग आरोपी के घर शिकायत करने पहुंचे। आरोप है कि वहां मौजूद कुछ लोगों ने आरोपी का पक्ष लेते हुए शिकायतकर्ता और उनके साथ आए लोगों के साथ मारपीट की। इस दौरान लाठी-डंडों से हमला करने का भी आरोप लगाया गया है, जिसमें कुछ लोगों को चोटें आई हैं। पुलिस ने शिकायत के आधार पर अमीर, सलीम, सुल्तान, मोहम्मद उमेर, साकिब मुस्तफा अंसारी और एक अन्य व्यक्ति के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं तथा पॉक्सो अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है और आरोपियों की तलाश की जा रही है।

बार में अश्लील डांस पर पुलिस का छापा, 14 लोगों पर केस

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। शहर के रांजनोली इलाके में स्थित पारो रेस्टोरेंट एंड बार में अश्लील डांस और ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए आपत्तिजनक गतिविधियां चलाने के आरोप में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 14 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। इस कार्रवाई में बार में काम करने वाली तीन महिलाओं, बार प्रबंधन से जुड़े कर्मचारियों और कुछ ग्राहकों को आरोपी बनाया गया है। पुलिस के अनुसार यह कार्रवाई कोनगांव पुलिस स्टेशन क्षेत्र में की गई। मामले में पुलिस शिपाई विकास श्रीनिवास माने ने शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत के मुताबिक 13 मार्च की रात करीब 11:35 बजे रांजनोली स्थित पारो बार एंड रेस्टोरेंट में छापा मारा गया। जांच के दौरान पुलिस को जानकारी मिली कि बार में तेज संगीत पर अश्लील गानों के साथ महिलाओं से आपत्तिजनक ढंग से नृत्य कराया जा रहा था और ग्राहकों को इस तरह के डांस के लिए उकसाया जा रहा था। पुलिस के अनुसार बार प्रबंधन द्वारा इसके लिए कोई वैध अनुमति भी नहीं ली गई थी। छापेमारी के दौरान बार में मौजूद तीन महिला डांसरों, बार के मैनेजर, कैशियर, दो वेटरों, दो म्यूजिक ऑपरेटरों और कुछ ग्राहकों सहित कुल 14 लोगों को आरोपी बनाया गया है। पुलिस ने सभी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 296,54,3(5) के साथ-साथ होटल, उपाहारगृह और मद्यपान कक्षों में अश्लील नृत्य पर प्रतिबंध से जुड़े प्रावधानों तथा महिलाओं की गरिमा संरक्षण से संबंधित कानून के तहत मामला दर्ज किया है। सहायक पुलिस निरीक्षक वैभव चुबले आगे जांच कर रहे है और बार के संचालन से जुड़े अन्य पहलुओं की भी पड़ताल की जा रही है।

अतिरिक्त 120 विशेष रेलगाड़ियाँ मांग के अनुसार चलाने की योजना

केंद्रीय रेलवे चलाएगा 2012 ग्रीष्मकालीन विशेष रेलगाड़ियाँ

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए केंद्रीय रेलवे द्वारा मुंबई, पुणे, सोलापुर, नाशिक रोड और नागपुर से विभिन्न स्थानों के लिए कुल 2012 ग्रीष्मकालीन विशेष रेलगाड़ियाँ चलाई जाएँगी। इसके अलावा मांग के अनुसार 120 अतिरिक्त विशेष रेलगाड़ियों को भी चलाने की योजना बनाई गई है। नीचे मुंबई से चलने वाली विशेष रेलगाड़ियों का विवरण दिया गया है।

1. छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस - गोरखपुर - छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस दैनिक विशेष
कुल सेवाएँ : मांग पर विशेष रेलगाड़ियाँ - 28 सेवाएँ
ग्रीष्मकालीन विशेष - 32 सेवाएँ
रेल संख्या 01079
छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस से प्रतिदिन रात 22:30 बजे प्रस्थान कर तीसरे दिन 10:00 बजे गोरखपुर पहुँचेगी।
01 अप्रैल 2026 से 14 अप्रैल 2026 तक - मांग पर विशेष (14 सेवाएँ)
15 अप्रैल 2026 से 30 अप्रैल 2026 तक - ग्रीष्मकालीन विशेष (16 सेवाएँ)
रेल संख्या 01080
गोरखपुर से प्रतिदिन 14:30 बजे प्रस्थान कर तीसरे दिन 00:40 बजे मुंबई पहुँचेगी।
03 अप्रैल 2026 से 16 अप्रैल 2026 तक - मांग पर विशेष (14 सेवाएँ)
17 अप्रैल 2026 से 02 मई 2026 तक - ग्रीष्मकालीन विशेष (16 सेवाएँ)
मुख्य ठहराव :
दादर, ठाणे, कल्याण, नाशिक रोड, मनमाड, जलगांव, भुसावल, खंडवा, इटारसी, भोपाल, बीना, झांसी, उरई, कानपुर सेंट्रल, लखनऊ, गोंडा, बस्ती, खलीलाबाद।

2. छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस - मडगांव साप्ताहिक विशेष
कुल सेवाएँ : 18
रेल संख्या 01171
16 अप्रैल 2026 से 11 जून 2026 तक हर गुरुवार 00:20 बजे मुंबई से प्रस्थान, उसी दिन 15:15 बजे मडगांव पहुँचेगी। (9 सेवाएँ)
रेल संख्या 01172
हर गुरुवार 16:00 बजे मडगांव से प्रस्थान कर अगले दिन 03:45 बजे मुंबई पहुँचेगी। (9 सेवाएँ)
मुख्य ठहराव :
दादर, ठाणे, पनवेल, पेन, रोहा, मंगांव, वीर, खेड़, चिपलून, संगमेश्वर रोड, रत्नागिरी, राजापुर रोड, कणकवली, सिंधुदुर्ग, कुडल, सावंतवाड़ी, थिविम, करमाली।

3. छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस - नागपुर द्वि-साप्ताहिक विशेष
कुल सेवाएँ : 52
रेल संख्या 02141
19 अप्रैल 2026 से 14 जुलाई 2026 तक हर रविवार और मंगलवार 00:20 बजे मुंबई से प्रस्थान, उसी दिन 15:10 बजे नागपुर पहुँचेगी। (26 सेवाएँ)
रेल संख्या 02142
नागपुर से रविवार और मंगलवार 20:00 बजे प्रस्थान, अगले दिन 13:30 बजे मुंबई पहुँचेगी। (26 सेवाएँ)
मुख्य ठहराव :
दादर, ठाणे, कल्याण, नाशिक रोड, मनमाड, जलगांव, भुसावल, मलकापुर, शेगांव, अकोला, मुरतीजापुर, बडनेरा, धामनगांव, वर्धा।

4. दादर - बलिया त्रि-साप्ताहिक विशेष
कुल सेवाएँ : 80
रेल संख्या 01025
हर सोमवार, बुधवार और शुक्रवार 14:05 बजे दादर से प्रस्थान, तीसरे दिन 01:45 बजे बलिया पहुँचेगी।
रेल संख्या 01026
बलिया से बुधवार, शुक्रवार और रविवार 15:15 बजे प्रस्थान, तीसरे दिन 03:35 बजे दादर पहुँचेगी।
मुख्य ठहराव :
कल्याण, नाशिक रोड, भुसावल, हरदा, इटारसी, रानी कमलापति, बीना, ललितपुर, टिकमगढ़, छतरपुर, खजुराहो, महोबा, बांदा, चित्रकूटधाम करवी, मानिकपुर, प्रयागराज, बनारस, वाराणसी, मऊ।

5. दादर - गोरखपुर सप्ताह में चार दिन विशेष
कुल सेवाएँ : 104
रेल संख्या 01027
मंगलवार, गुरुवार, शनिवार और रविवार 14:05 बजे दादर से प्रस्थान, तीसरे दिन 02:45 बजे गोरखपुर पहुँचेगी।
रेल संख्या 01028
सोमवार, मंगलवार, गुरुवार और शनिवार 14:25 बजे गोरखपुर से प्रस्थान, तीसरे दिन 03:35 बजे दादर पहुँचेगी।

6. लोकमान्य तिलक टर्मिनस - समस्तीपुर साप्ताहिक वातानुकूलित विशेष
कुल सेवाएँ : 26
रेल संख्या 01043
21 अप्रैल 2026 से 14 जुलाई 2026 तक हर मंगलवार 12:15 बजे प्रस्थान, अगले दिन 23:45 बजे समस्तीपुर पहुँचेगी।
रेल संख्या 01044
समस्तीपुर से हर गुरुवार 03:00 बजे प्रस्थान, अगले दिन 16:25 बजे मुंबई पहुँचेगी।

7. लोकमान्य तिलक टर्मिनस - बनारस द्वि-साप्ताहिक विशेष
कुल सेवाएँ : 20
मांग पर विशेष - 8 सेवाएँ
ग्रीष्मकालीन विशेष - 12 सेवाएँ

8. लोकमान्य तिलक टर्मिनस - मडगांव साप्ताहिक विशेष
कुल सेवाएँ : 18

9. लोकमान्य तिलक टर्मिनस - दानापुर दैनिक विशेष
कुल सेवाएँ : 212
मांग पर विशेष - 28 सेवाएँ
ग्रीष्मकालीन विशेष - 184 सेवाएँ

10. लोकमान्य तिलक टर्मिनस - सोलापुर साप्ताहिक विशेष
कुल सेवाएँ : 26
रेल संख्या 01436 हर बुधवार मुंबई से और रेल संख्या 01435 हर मंगलवार सोलापुर से चलेगी।

नाबालिग के सामने अश्लील हरकत

युवक पर पॉक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी।भिवंडी के शांतिनगर पुलिस थाना क्षेत्र में 13 वर्षीय नाबालिग बच्ची के सामने अश्लील हरकत करने का मामला सामने आया है। इस मामले में शांतिनगर पुलिस ने एक युवक के खिलाफ बीएनएस और पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार, शिकायतकर्ता महिला इसी इलाके कड एक चाल में रहती हैं। उनकी 13 वर्ष 7 महीने की बेटी 14 मार्च को दोपहर करीब 2 बजे घर के बाहर खड़ी थी। इसी दौरान आरोपी मोहम्मद मोबिन मोहम्मद मुस्ताक अहमद अंसारी (28), निवासी शांतिनगर ने कथित रूप से अपनी पैंट खोलकर नाबालिग के सामने अश्लील हरकत की। पीड़िता के परिजनों की शिकायत पर शांतिनगर पुलिस स्टेशन में बीएनएस 2023 की धारा 79 तथा पॉक्सो एक्ट की धारा 8 और 12 के तहत मामला दर्ज किया गया है। फिलहाल आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हुई है और पुलिस मामले की आगे जांच कर रही है।

मीरपुर वनडे में डीआरएस पर मचा बवाल

पाकिस्तान का आरोप- बिग स्क्रीन पर रिप्ले देख बांग्लादेश ने लिया रिव्यू

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। पाकिस्तान ने मीरपुर में खेले गए तीसरे वनडे में रन चेज़ के दौरान ऋषद हुसैन के 50वें ओवर की दूसरी आखिरी गेंद पर बांग्लादेश को एलबीडब्ल्यू रिव्यू लेने की अनुमति देने के मामले में मैच रेफरी नीयामुर राशिद के पास आधिकारिक शिकायत दर्ज कराई है। रिपोर्ट में आगे बताया गया है कि पाकिस्तानी प्रबंधन ने इस आधार पर शिकायत दर्ज कराई है कि उन्हें लगता है कि बांग्लादेश ने गेंद का रिप्ले बड़ी स्क्रीन पर दिखाए जाने के बाद रिव्यू लिया।

यह घटना 50वें ओवर की आखिरी गेंद से ठीक पहले हुई, जिसने मेजबान टीम को मैच में अजेय स्थिति में पहुंचा दिया। ऋषद हुसैन के उस ओवर से पहले, पाकिस्तान को दो गेंदों में जीत के लिए 12 रन चाहिए थे। बांग्लादेश के कप्तान ने लेग स्टंप पर एक हवा में उछाली गई गेंद फेंकी जो शाहीन अफरीदी से दूर लेग साइड की ओर घूम गई। मैदान पर मौजूद अंपायर ने इसे वाइड करार दिया, लेकिन असली ड्रामा तब शुरू हुआ जब मेजबान टीम ने एलबीडब्ल्यू के लिए रिव्यू लेने का फैसला किया, जबकि गेंद शाहीन अफरीदी के स्टंप्स के पास भी नहीं थी।

जब बड़े पर्दे पर रिप्ले दिखाए गए, तो पता चला कि गेंद शाहीन के बल्ले के किसी हिस्से को छू गई थी, और अंततः अंपायर को अपना फैसला बदलना पड़ा। रिप्ले देखने के बाद शाहीन निराश होकर मैदान से बाहर चले गए क्योंकि समीकरण एक गेंद पर 12 रन का हो गया था। पाकिस्तानी बल्लेबाज आखिरी गेंद पर स्टंप आउट हो गए। बांग्लादेश ने निर्णायक मैच 11 रनों से जीतकर वनडे सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली।

ईएसपीएनक्रिकइन्फो के अनुसार, सामान्य नियमों के तहत खिलाड़ियों को रिप्ले दिखाने से पहले ही रिव्यू लेने का फैसला किया जाना चाहिए ताकि वे फुटेज का इस्तेमाल अपने फैसले को प्रभावित करने के लिए न कर सकें। हालांकि, पाकिस्तान का मानना था कि शुरू में रिव्यू की कोई जरूरत नहीं थी क्योंकि गेंद पर इशारा किया गया था, इसलिए उन्होंने तर्क दिया कि इन प्रक्रियाओं का पालन नहीं किया गया। उनके तर्क के अनुसार, स्टेडियम के बड़े पर्दे पर रिप्ले दिखाया गया जिसमें गेंद बल्ले के पास से गुजरी थी, जिससे बांग्लादेश को संभावित एज का संदेह करने के लिए पर्याप्त जानकारी मिल गई होगी।

पाकिस्तान ने यह चिंता भी जताई है कि बांग्लादेश ने समीक्षा के लिए निर्धारित 15 सेकंड की समय सीमा से अधिक समय लिया होगा।

पश्चिम एशिया संकट के बीच एसईसीएल का बड़ा बयान, पावर सेक्टर की हर जरूरत पूरी करेंगे

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। कोल इंडिया लिमिटेड की दूसरी सबसे बड़ी कोयला उत्पादक इकाई साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक हरीश दुहान ने सोमवार को कहा कि कंपनी बदलती वैश्विक ऊर्जा परिस्थितियों के बीच देश की कोयला मांग, विशेषकर बिजली क्षेत्र की जरूरतों को पूरा करने के लिए तैयार है। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य जैसे वैश्विक ऊर्जा मार्ग प्रभावित हुए हैं जिससे आयातित कोयला एवं द्रवीकृत प्राकृतिक गैस की लागत बढ़ गई है।

इसका अप्रत्यक्ष दबाव भारत के कोयला और बिजली क्षेत्रों पर पड़ रहा है। साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक दुहान ने 'पीटीआई-भाषा' के साथ बातचीत में कहा कि कंपनी मजबूत परिचालन गति बनाए हुए है। चालू वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी ने मार्च के मध्य तक करीब 16.5 करोड़ टन कोयले का उत्पादन और 16.9 करोड़ टन से अधिक कोयले का प्रेषण किया है जिससे बिजलीघरों तथा अन्य उपभोक्ताओं को स्थिर आपूर्ति सुनिश्चित हुई है।

कंपनी एनटीपीसी, राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड (आरवीयूएनएल) और मध्य प्रदेश पावर जेनरेटिंग कंपनी लिमिटेड (एमपीपीजीसीएल) जैसे प्रमुख बिजली उत्पादकों को कोयला आपूर्ति करती है। दुहान ने बताया कि कंपनी के पास फिलहाल करीब 2.3 करोड़ टन कोयले का भंडार है जो बिजली क्षेत्र से मांग बढ़ने की स्थिति में पर्याप्त सहारा प्रदान करेगा। इसके अतिरिक्त कंपनी के पास लगभग 1.2 करोड़ टन कोयला भंडार ऐसा है जिसे तुरंत उत्पादन में बदला जा सकता है जिससे परिचालन में मजबूती बनी रहती है। उन्होंने बताया कि चालू वित्त वर्ष में खनन कार्यों के लिए कंपनी के पास पर्याप्त भूमि उपलब्ध है और उत्पादन एवं आपूर्ति बनाए रखने के लिए सभी आवश्यक खनन तथा परिवहन अनुबंध पहले से लागू हैं। इसके साथ ही एसईसीएल से जुड़े बिजली संयंत्रों के पास भी पर्याप्त कोयला भंडार है जिससे बिजली उत्पादन आपूर्ति श्रृंखला में स्थिरता बनी हुई है। कंपनी की बड़ी खनन परियोजनाएं इस आपूर्ति को बनाए रखने में अहम भूमिका निभा रही हैं। कंपनी की 'दीपका मेगा' खान इस वर्ष 3.5 करोड़ टन उत्पादन का आंकड़ा पार कर चुकी है और अब तक के सबसे अधिक वार्षिक उत्पादन की ओर बढ़ रही है। इसी तरह एशिया की सबसे बड़ी कोयला खान गेवरा कोयला खान ने पांच करोड़ टन से अधिक उत्पादन का स्तर पार कर लिया है जबकि कुसमुंडा कोयला खान के भी चालू वर्ष में तीन करोड़ टन से अधिक उत्पादन हासिल करने की उम्मीद है।

रुपए की गिरावट ने बढ़ाई टेंशन, नया रिकॉर्ड लो दर्ज

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया सोमवार को 10 पैसे टूटकर 92.40 (अस्थायी) प्रति डॉलर के नए रिकॉर्ड निचले स्तर पर रहा। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के कारण विदेशी निवेशकों द्वारा लगातार धन निकासी से घरेलू मुद्रा में यह गिरावट आई। हालांकि, विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार होर्मुज जलडमरूमध्य के फिर से खुलने की उम्मीद और घरेलू शेयर बाजारों में तेजी ने रुपए में बड़ी गिरावट को रोक लिया।

अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 92.44 पर खुला और कारोबार के दौरान डॉलर के मुकाबले 92.47 के अपने अब तक के दिन के कारोबार के सबसे निचले स्तर तक गिर गया। सत्र के अंत में यह 92.40 (अस्थायी) पर बंद हुआ, जो पिछले बंद स्तर से 10 पैसे की गिरावट है। इससे पिछले सत्र में भी रुपया 92.47 के निचले स्तर पर पहुंचा था और शुक्रवार को 92.30 पर बंद हुआ था, जो उस समय का रिकॉर्ड निचला स्तर था। मिराए एसेट शेयरखान के शोध विश्लेषक अनुज चौधरी ने कहा कि अमेरिकी डॉलर सूचकांक में हल्की कमजोरी और होर्मुज जलडमरूमध्य के दोबारा खुलने की उम्मीद से रुपये की गिरावट कुछ हद तक थमी। वहीं इंडसइंड सिक्योरिटीज के वरिष्ठ शोध विश्लेषक जिगर त्रिवेदी ने कहा कि कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और विदेशी निवेशकों की लगातार निकासी के कारण रुपया रिकॉर्ड निचले स्तर के करीब बना रहा। उन्होंने कहा, "कच्चे तेल के ऊंचे दामों के कारण आयातकों को ज्यादा डॉलर खरीदने पड़ रहे हैं, जिससे भारत का व्यापार घाटा बढ़ रहा है और व्यापार की शर्तों पर दबाव पड़ रहा है।" उन्होंने यह भी बताया कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने मुद्रा को स्थिर रखने और अत्यधिक उतार-चढ़ाव रोकने के लिए विदेशी मुद्रा बाजार में हस्तक्षेप किया है। इस बीच, दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.13 प्रतिशत घटकर 99.97 पर कारोबार कर रहा था।

वैभव सूर्यवंशी ने बताई अपनी सबसे खास इनिंग, आईपीएल में सबसे तेज शतकीय पारी को किया नजरअंदाज

जयपुर **(एजेंसी)**। भारत के युवा क्रिकेट सेंसेशन वैभव सूर्यवंशी ने अंडर-19 वर्ल्ड कप फाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ अपनी मैच जिताऊ शतकीय पारी को अपने उभरते करियर की सबसे 'खास' इनिंग्स में से एक बताया। यह एक यादगार पारी थी जिसने भारत को खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई। सूर्यवंशी ने सिर्फ 80 गेंदों में शानदार 175 रन बनाकर भारत को रिकॉर्ड-विस्तारित छठा अंडर -19 वर्ल्ड कप खिताब दिलाया। उन्होंने कहा, 'मेरी निजी पसंदीदा पारी अंडर-19 वर्ल्ड कप (हरारे में) के फाइनल की पारी है। मैं सिर्फ एक ही अंडर-19 वर्ल्ड कप खेल पाया। फाइनल में सेंचुरी बनाना मेरे लिए गर्व का पल था।' राजस्थान रॉयल्स की नई जर्सी लॉन्च करने और आईपीएल के आने वाले सीजन के लिए जेके लक्ष्मी सीमेंट के साथ फ्रेंचाइजी की मुख्य प्रायोजक के तौर पर साझेदारी की घोषणा करने वाले एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा, 'फाइनल में मैंने टीम के लिए जो योगदान दिया, वह खास था।'

इस साल के आईपीएल में अपने लक्ष्य के बारे में पूछे जाने पर सूर्यवंशी ने कहा कि वह सिर्फ अपनी प्रक्रिया पर ध्यान दे रहे हैं और दूसरी बातों के बारे में नहीं सोच रहे हैं। उन्होंने कहा, 'मैं जीतने पर ध्यान देने की कोशिश करता हूं। मैं सिर्फ अपने काम पर ध्यान देता हूं।' 14 साल के इस खिलाड़ी ने अपनी जोरदार पावर-हिटिंग से मीडिया का काफी ध्यान खींचा है, लेकिन खुद सूर्यवंशी के मुताबिक वह चीजों को सादा रखना पसंद करते हैं। सूर्यवंशी ने कहा, 'मैं सिर्फ अपने काम पर ध्यान देने की कोशिश करता हूं।

जसप्रीत बुमराह का 2 शब्दों का एनिवर्सरी विश वायरल, पत्नी संजना ने ऐसे किया ट्रोल

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय टीम के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने रविवार को अपनी शादी की पांचवीं सालगिरह मनाई। इस खास मौके पर उन्होंने अपनी पत्नी और स्पोर्ट्स प्रेजेंटर संजना गणेशन के साथ कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा कीं। बुमराह ने इंस्टाग्राम पर इन तस्वीरों के साथ सिर्फ दो शब्दों का कैप्शन लिखा - 'सालगिरह मुबारक', जो देखते ही देखते वायरल हो गया।

बुमराह के इस छोटे से कैप्शन पर संजना गणेशन ने मजेदार अंदाज में उन्हें ट्रोल कर दिया। उन्होंने कमेंट करते हुए लिखा, 'किडनी टचिंग कैप्शन यार।' इसके बाद संजना ने भी बुमराह के साथ कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं और एक भावुक संदेश लिखा। उन्होंने कहा कि चाहे जिंदगी उन्हें कहीं भी ले जाए और दुनिया कितनी भी शोरगुल भरी क्यों न हो, उनके लिए सबसे खास पल वही हैं जब वे दोनों साथ होते हैं। संजना ने अपने पोस्ट में लिखा कि पांच साल अपने सबसे अच्छे दोस्त के साथ बिताना उनकी जिंदगी की सबसे खूबसूरत कहानी है। हाल ही में खेले गए आईसीसी पुरुषों का टी -20 विश्व कप के फाइनल में बुमराह भारत के लिए सबसे बड़े मैच विनर साबित हुए।उन्होंने फाइनल मुकाबले में न्यूज़ीलैंड राष्ट्रीय क्रिकेट टीम के खिलाफ चार ओवर में चार विकेट लेकर टीम को खिताब बचाने में अहम भूमिका निभाई। उनके शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच भी चुना गया। बुमराह पूरे टूर्नामेंट में शानदार फॉर्म में रहे। उन्होंने अपने साथी गेंदबाज वरुण चक्रवर्ती के साथ संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड बनाया। बुमराह ने कहा कि उन्हें हमेशा कठिन जिम्मेदारी निभाना पसंद है और जब वे टीम के लिए फर्क पैदा करते हैं, तो उससे ज्यादा खुशी की बात उनके लिए कुछ नहीं होती।

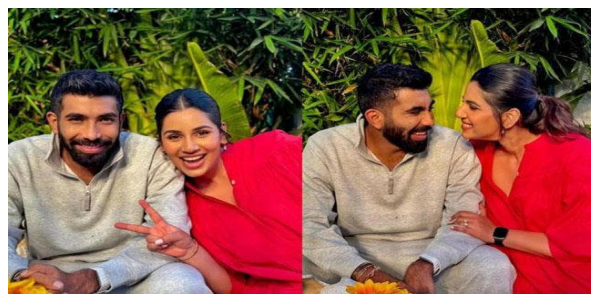

वैश्विक तनाव और एफआईआई बिकवाली का डबल अटैक

शेयर बाजार की कमजोर शुरुआत, सेंसेक्स गिरा

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय शेयर बाजार सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी ने विदेशी निवेशकों (एफआईआई) की लगातार भारी बिकवाली और अमेरिका-इजराइल-ईरान युद्ध के कारण रुपये में आई कमजोरी के चलते कारोबार की शुरुआत नकारात्मक रुख के साथ की। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 138.13 अंक या 0.19 प्रतिशत गिरकर 74, 415.79 पर खुला, जबकि निफ्टी 35 अंक गिरकर 23, 116.10 पर खुला। पिछले कारोबार में सेंसेक्स 74, 563.92 पर और निफ्टी 50 23, 151.10 पर बंद हुआ था। इसी तरह, व्यापक सूचकांकों ने भी शुरुआती सत्र में गिरावट दर्ज की।

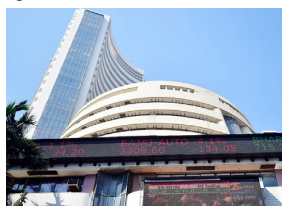

शुरुआती कारोबार सत्र में बीएसई मिडकैप सेलेक्ट इंडेक्स 94.14 अंक या 0.62 प्रतिशत गिर गया, जबकि बीएसई स्मॉलकैप सेलेक्ट इंडेक्स 43.59 अंक या 0.61 प्रतिशत गिरकर 7, 158.84 पर कारोबार कर रहा था।

सेंसेक्स बाजार में अल्ट्राटेक सीमेंट, हिंदुस्तान यूनिलीवर, आईटीसी, कोटक बैंक और बजाज फिनसर्व के शेयरों में तेजी देखी गई। शुरुआती कारोबार में अल्ट्राटेक सीमेंट 2.09 प्रतिशत की बढ़त के साथ सबसे आगे रहा। वहीं, महिंद्रा एंड महिंद्रा, बीईएल, इंडिगो, आईसीआईसीआई बैंक और भारती एयरटेल के शेयरों में गिरावट दर्ज की गई। महिंद्रा एंड महिंद्रा को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ, इसके शेयर 1.06 प्रतिशत गिरे। शुरुआती कारोबार में बाजार का रुख नकारात्मक रहा। एनएसई पर 1, 873 शेयरों में गिरावट दर्ज की गई, जबकि 696 शेयरों में बढ़त हुई। 80 शेयर अपरिवर्तित रहे।

भारतीय खेलों का भविष्य कैसे सुधरेगा? पीटी उषा ने दिया 'प्लेयर फर्स्ट' का नया मंत्र

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष पी टी उषा ने कहा है कि भारत में खेल प्रशासन के लिये नीतियां ऐसी होनी चाहिये कि निर्णय लेने में खिलाड़ियों को केंद्र में रखा जाये। भारतीय खेल पत्रकार महासंघ (एसजेएफआई) के स्वर्ण जयंती समारोह के तीसरे दिन उषा ने कहा कि यह सुनिश्चित करना होगा कि प्रशासकों और खेल ईकाइयों की सर्वोपरि प्राथमिकता खिलाड़ियों की तैयारी, कल्याण और विकास रहे।

उन्होंने रविवार को खेल पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा , " भारतीय खेलों के भविष्य की दिशा खिलाड़ियों को केंद्र में रखने वाले खेल प्रशासन से तय होनी चाहिये। उनकी तैयारी, कल्याण और विकास हमारी सर्वोपरि प्राथमिकता होनी चाहिये।" उन्होंने आगे कहा कि भारत इस समय खेलों के अपने सफर के अहम पड़ाव पर है और बेहतर बुनियादी ढांचे, वैज्ञानिक प्रशिक्षण , मजबूत संस्थागत सहयोग के साथ खिलाड़ी विश्व स्तर पर आत्मविश्वास के साथ प्रतिस्पर्धाओं में भाग ले रहे हैं।

उषा ने कहा , " पिछले एक दशक में हमने बदलाव देखा है जिस तरह से खेल को सहयोग और उत्साहवर्धन मिल रहा है। खिलाड़ियों के पास आज बेहतर बुनियादी ढांचा, वैज्ञानिक प्रशिक्षण और मजबूत संस्थागत सहयोग है।" उन्होंने कहा , " भारतीय खेलों की असल शक्ति जमीनी स्तर पर है। गांवों में, कस्बों में और स्कूलों में जहां युवा प्रतिभायें तलाशे जाने का इंतजार कर रही है। हम अगर कोचिंग, ढांचे और प्रतिभा तलाशने में यूं ही निवेश करते रहेंगे तो भारत से विश्व स्तरीय खिलाड़ी लगातार निकलते रहेंगे।"

वहीं सम्मेलन में परिचर्चा के दौरान आईओए सीईओ रघुराम अय्यर ने कहा कि भारत खेलों के सफर के अहम पड़ाव पर है और बढ़ती आकांक्षाओं, निवेश और भागीदारी से एक मजबूत खेल राष्ट्र के रूप में उसका भविष्य गढ़ा जा रहा है। उन्होंने कहा , " हमें खेलों का ऐसा इकोसिस्टम तैयार करना है जहां सामुदायिक स्तर पर अधिक से अधिक लोग खेलों में भाग लें।

बेस तैयार होने पर सबसे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को संसाधन और सहयोग दिया जाये ताकि वे शीर्ष स्तर तक पहुंच सके।" दिल्ली खेल पत्रकार संघ (डीएसजेए) द्वारा आयोजित एसजेएफआई स्वर्ण जयंती राष्ट्रीय सम्मेलन के तीसरे दिन खेल कांक्लेव में खेल प्रशासक, कारपोरेट जगत, प्रसारक और खेल मीडिया के सदस्यों ने भारतीय खेलों की भावी दिशा पर चर्चा की।

गैस संकट का असर डेयरी उद्योग पर, दूध की सप्लाई पर मंडराया खतरा, 10 दिन का बचा पैकिंग स्टॉक

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। ईरान-अमेरिका युद्ध के चलते बढ़ते ऊर्जा संकट का असर अब डेयरी उद्योग पर भी दिखाई देने लगा है। महाराष्ट्र के कई डेयरी संचालकों ने चेतावनी दी है कि एलपीजी की कमी के कारण दूध की प्रोसेसिंग, पाश्चुरीकरण और पैकेजिंग का काम प्रभावित हो रहा है। यदि स्थिति जल्द नहीं सुधरी तो आने वाले दिनों में दूध की सप्लाई पर असर पड़ सकता है।

दूध को सुरक्षित रखने के लिए उसे एक निश्चित तापमान पर गर्म यानी पाश्चुरीकरण करना जरूरी होता है, जिसके लिए बड़ी मात्रा में ऊर्जा की जरूरत पड़ती है। गैस की अनियमित सप्लाई के कारण खासतौर पर छोटी और मध्यम स्तर की डेयरियों के लिए दूध को खराब होने से बचाना मुश्किल होता जा रहा है।

डेयरी उद्योग के सामने एक और बड़ी समस्या दूध के पैकेट और कार्टन की कमी बनकर सामने आई है। दूध के पैकेट बनाने वाली फैक्ट्रियों को पर्याप्त गैस नहीं मिल पा रही है, जिससे उत्पादन धीमा हो गया है।

गोवर्धन डेयरी के संस्थापक देवेंद्र शाह के अनुसार फिलहाल उनके पास पैकेजिंग सामग्री का स्टॉक सिर्फ करीब 10 दिनों के लिए बचा है। अगर जल्द सप्लाई सामान्य नहीं हुई तो दूध की डिलीवरी प्रभावित हो सकती है।

गैस की कमी का असर दूध की मांग पर भी पड़ रहा है। होटल और रेस्टोरेंट खुद एलपीजी संकट से जूझ रहे हैं, इसलिए उन्होंने दूध के ऑर्डर कम कर दिए हैं।

आकांक्षा पुरी ने रोमांटिक अंदाज में खेसारी को किया विश, वायरल तस्वीरों ने इंटरनेट पर छेड़ी नई बहस

भोजपुरी सिनेमा के दिग्गज कलाकार और गायक खेसारी लाल यादव आज अपना जन्मदिन मना रहे हैं। अपनी कड़ी मेहनत और अनोखी गायकी के दम पर उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री में एक बड़ा मुकाम हासिल किया है। आज उन्हें देश-दुनिया से बधाई संदेश मिल रहे हैं, लेकिन इसी बीच एक्ट्रेस आकांक्षा पुरी के एक सोशल मीडिया पोस्ट ने इंटरनेट पर तहलका मचा दिया है।

आकांक्षा पुरी ने खेसारी लाल यादव को जन्मदिन की बधाई देने के लिए इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में दोनों का अंदाज काफी रोमांटिक और एक-दूसरे के बेहद करीब नजर आ रहा है। आकांक्षा ने कैप्शन में लिखा, 'खेसारी जी, आपको जन्मदिन की ढेर सारी शुभकामनाएं। भगवान आपको हमेशा खुश रखे और आपकी हर 'आकांक्षा' पूरी हो।' एक्ट्रेस के इस खास अंदाज में विश करने के बाद सोशल मीडिया पर दोनों के रिश्तों को लेकर कयासबाजी शुरू हो गई है।

खेसारी और आकांक्षा की इन तस्वीरों को देखकर फैंस हैरान हैं और तरह-तरह के कमेंट्स कर रहे हैं। जहां कुछ लोग इसे सिर्फ दोस्ती और काम से जुड़ा बता रहे हैं, वहीं कुछ यूजर्स का कहना है कि पक्का कुछ तो चल रहा है। बता दें कि इन दोनों कलाकारों ने कई प्रोजेक्ट्स में साथ काम किया है, जिसकी वजह से इनके बीच अच्छी बॉन्डिंग है।

खेसारी लाल यादव भोजपुरी इंडस्ट्री के उन सितारों में से हैं जिनकी लोकप्रियता 'पावर स्टार' पवन सिंह के बराबर मानी जाती है।

प्रियंका चोपड़ा जोनस की ऑस्कर मंच पर वापसी, जेवियर बार्डेम ने दिया 'युद्ध नहीं' और 'फ्री फिलिस्तीन' का संदेश

हॉलीवुड के सबसे प्रतिष्ठित मंच '98वें एकेडमी अवॉर्ड्स' में भारतीय अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा जोनस ने पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा। प्रियंका ने दिग्गज अभिनेता जेवियर बार्डेम के साथ मिलकर 'बेस्ट इंटरनेशनल फीचर फिल्म' की श्रेणी में विजेता की घोषणा की। इस दौरान बार्डेम द्वारा मंच से दिए गए शांति संदेश और प्रियंका के शानदार लुक ने सोशल मीडिया पर चर्चा छेड़ दी है। इस कैटेगरी में नॉर्वेजियन फिल्म 'भावुक मूल्य' ने जीत हासिल की। इस ग्लोबल फिल्म अवॉर्ड सेरेमनी में एक्ट्रेस के साथ उनके पति निक जोनस भी मौजूद थे।अवॉर्ड देते हुए जेवियर बार्डेम ने कहा, 'सिनेमा के प्रति मेरा प्यार इसकी उस अनोखी काबिलियत से आता है जो अलग-अलग संस्कृतियों के इंसानी अनुभवों को आपस में जोड़ती है। बेस्ट इंटरनेशनल फीचर फिल्म के लिए नॉमिनेट हुई फिल्में दुनिया भर से कहानियां लाती हैं, जिनमें से हर कहानी उन ताकतों से जुड़ी है जिनसे हम सभी गहरे तौर पर परिचित हैं।' प्रियंका ने आगे कहा, 'ये फिल्में दिल को छू लेने वाली और बेहद दिलचस्प होती हैं; ये हमें याद दिलाती हैं कि 'इंटरनेशनल' कभी भी हमसे सचमुच दूर नहीं होता, क्योंकि हर कहानी जहाँ से शुरू होती है, उससे कहीं आगे तक अपना असर छोड़ जाती है, ' और फिर उन्होंने अवॉर्ड की घोषणा की।

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

विभाग : मुख्य अभियंता (यांत्रिक एवं विद्युत)
क्रमांक : ई.ई.मैके./ई.1./8531/मेंटे.दिनांक : 16.03.2026

ई-निविदा सूचना

बृहन्मुंबई महानगरपालिका के आयुक्त द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए पात्र बोलीदाताओं से ऑनलाइन निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं।
बोली प्रारंभ होने की तिथि एवं समय तथा बोली समाप्त होने की तिथि एवं समय का विवरण विस्तृत निविदा सूचना में दिया गया है, जो बृहन्मुंबई महानगरपालिका की वेबसाइट के निविदा अनुभाग तथा महा-निविदा पोर्टल पर उपलब्ध है।

अ.क्र.	बिड संख्या	कार्य का नाम
1.	2026_MCGM_1286691_1	कस्तूरबा अस्पताल परिसर के भीतर बाहरी प्रकाश व्यवस्था के नवीनीकरण का कार्य।

इच्छुक निविदादाता निविदा से संबंधित अधिक जानकारी के लिए बृहन्मुंबई महानगरपालिका की वेबसाइट http://portal.mcgm.gov.in तथा महा निविदा पोर्टल http://mahatenders.gov.in पर जाकर विवरण देख सकते हैं।

पीआरओ/3297/विज्ञा./2025-26 — ई.ई. मैके. (ई.आई.) मेंटेनेंस

भोजन से पूर्व एवं शौच के बाद साबुन से हाथ स्वच्छ धोएं।

टीएमसी ने प्रशासनिक फेरबदल को लेकर चुनाव आयोग पर साधा निशाना, कहा- यह घबराहट की राजनीति

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने सोमवार को एक बार फिर चुनाव आयोग (ईसीआई) पर निशाना साधा। उन्होंने आयोग की ओर से पश्चिम बंगाल में वरिष्ठ प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों के तबादले को 'घबराहट में उठाया गया कदम' बताया। वहीं, विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) ने इस फेरबदल को स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव की दिशा में उठाया गया कदम बताया।

चुनाव आयोग ने क्या कहा?

पश्चिम बंगाल के लिए चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के बाद चुनाव आयोग ने राज्य की मुख्य सचिव नंदिनी चक्रवर्ती, गृह सचिव जगदीश प्रसाद मीणा, पुलिस महानिदेशक पीयूष पांडे और कोलकाता पुलिस आयुक्त सुप्रतिम सरकार को हटा दिया। आयोग ने कहा कि हटाए गए अधिकारियों को चुनाव से जुड़ी कोई जिम्मेदारी नहीं दी जाएगी। चुनाव आयोग के अनुसार, यह फैसला राज्य में चुनाव की तैयारियों की समीक्षा के बाद लिया गया है।

टीएमसी ने क्या आरोप लगाया?

टीएमसी के प्रवक्ता कुणाल घोष ने प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया और इसे पिछले दरवाजे की राजनीति बताया। उन्होंने कहा कि इसके बावजूद भाजपा

पश्चिम बंगाल की जनता और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के बीच रिश्ते को कमजोर करने में असफल होगी। उन्होंने कहा, भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार राज्यपाल या वरिष्ठ अधिकारियों को बदल सकती है। लेकिन उसके पास पश्चिम बंगाल के मतदाताओं की सोच बदलने की ताकत नहीं है। घोष ने यह भी आरोप लगाया कि भाजपा चुनाव आयोग को अपने अंग की तरह इस्तेमाल कर रही है और जल्दबाजी में शीर्ष अधिकारियों का तबादला किया गया है, जिनमें राज्य के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक भी शामिल हैं।

उन्होंने कहा, आप जिसे चाहें बदल दीजिए, लेकिन मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को नहीं बदल पाएंगे। वह भारत की शेरनी हैं और जितना विपक्ष उन्हें निशाना बनाएगा, पार्टी उतनी ही मजबूत होकर उभरेगी। घोष ने कहा कि चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल की पहली महिला मुख्य सचिव को मनमाने और अलोकतांत्रिक तरीके से हटाया। टीएमसी प्रवक्ता ने केंद्र पर यह भी आरोप लगाया कि उसने राज्य के 1.96 लाख करोड़ रुपये से अधिक का बकाया रोक रखा है। इसमें मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास योजना और जल जीवन मिशन जैसी योजनाओं के फंड शामिल हैं। उन्होंने कहा कि फंड रोके जाने के बावजूद राज्य सरकार अपने संसाधनों से लोगों को सामाजिक सुरक्षा के लाभ देना जारी रखे हुए है।

भाजपा ने क्या प्रतिक्रिया दी?

विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने पत्रकारों से कहा, मुझे खुशी है कि चुनाव आयोग ने उन अधिकारियों को वापस जिम्मेदारी दी है, जिन्हें ममता बनर्जी सरकार ने इसलिए किनारे कर दिया था, क्योंकि उन्होंने उनकी पार्टी का रुख नहीं माना और टीएमसी की हिंसक कार्रवाइयों के खिलाफ थे। उन्होंने कहा कि भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) और भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के ईमानदार और निष्पक्ष अधिकारियों को टीएमसी शासन में महत्वहीन पदों पर रखा गया था। अब उन्हें अहम जिम्मेदारियां दी गई हैं और वे कानून-व्यवस्था संभालकर शांतिपूर्ण, निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करेंगे।

निष्पक्ष चुनाव की तैयारी! असम में 5 नए एसएसपी तैनात, रिटायर्ड आईएएस को मिली विशेष पर्यवेक्षक की कमान

नई दिल्ली। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने सोमवार को असम में 9 अप्रैल को एक ही चरण में होने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारियों के मद्देनजर पांच वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों (एसएसपी) की विभिन्न राज्यों में तैनाती की घोषणा की। आयोग ने निर्देश दिया कि ये नियुक्तियां तत्काल लागू की जाएं और अधिकारियों के कार्यभार ग्रहण करने संबंधी अनुपालन रिपोर्ट 17 मार्च को प्रस्तुत की जाए। चुनाव आयोग ने असम के मुख्य सचिव को पत्र लिखकर निर्देश दिया कि सोमलिन शुभदर्शनी (आईपीएस) को माजुली में एसएसपी, आर शीतल कुमार (आईपीएस) को दक्षिण सालमारा में एसएसपी, आंचाल चौहान (आईपीएस) को सादिया में एसएसपी, सुधाकर सिंह (आईपीएस) को चिरांग में एसएसपी और मोहन लाल मीना (आईपीएस-2016) को धेमाजी में एसएसपी के पद पर तैनात किया जाए। पत्र में आगे कहा गया है कि स्थानांतरित किए गए अधिकारियों को चुनाव संपन्न होने तक किसी भी चुनाव संबंधी पद पर तैनात नहीं किया जाएगा। इसके अलावा, एक अलग अधिसूचना में, चुनाव आयोग ने (सेवानिवृत्त) आईएएस अधिकारी मनजीत सिंह को असम चुनावों के लिए अपना विशेष पर्यवेक्षक नियुक्त किया। पत्र में लिखा था कि आपको असम विधानसभा चुनावों, 2026 की तैयारियों और संचालन का निरीक्षण करने के लिए समय-समय पर असम का दौरा करना होगा और आयोग को आवश्यक कार्रवाई के लिए अपने सुझाव देने होंगे।

मनजीत सिंह के कर्तव्यों का निर्वहन असम के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के समन्वय से किया जाएगा, जो सभी आवश्यक सामग्री, सुविधाएँ और प्रोटोकॉल सहायता प्रदान करेंगे। पत्र के अनुसार, चुनाव कार्यक्रम और विधानसभा क्षेत्रों की सूची संदर्भ के लिए संलग्न की गई थी। इस बीच, सर्वोच्च चुनाव आयोग ने छह राज्यों में आम चुनावों और उपचुनावों के लिए आदर्श आचार संहिता के कड़ाई से पालन के निर्देश जारी किए।

एक प्रेस विज्ञप्ति में, चुनाव आयोग ने लिखा कि इस घोषणा के साथ, चुनाव आयोग ने संबंधित राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिव और मुख्य निर्वाचन अधिकारी को राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में आचार संहिता (एमसीसी) को तत्काल प्रभाव से लागू करने के निर्देश जारी किए हैं। एमसीसी संबंधित राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के लिए केंद्र सरकार द्वारा की जाने वाली घोषणाओं/नीतिगत निर्णयों पर भी लागू होगी।

असम में भाजपा के खिलाफ बनेगा 'महागठबंधन'? बदरुद्दीन अजमल ने विपक्षी एकता का किया आह्वान

गुवाहाटी **(एजेंसी)**। अखिल भारतीय संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (एआईयूडीएफ) के अध्यक्ष मौलाना बदरुद्दीन अजमल ने असम विधानसभा चुनावों के कार्यक्रम की घोषणा के बाद विपक्षी दलों से एकजुट होने का आह्वान किया। उन्होंने आयोग से यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि चुनावी प्रक्रिया स्वतंत्र, निष्पक्ष और तटस्थ बनी रहे, विशेष रूप से उन क्षेत्रों में जहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार नहीं है। एएनआई से बात करते हुए, चुनाव आयोग द्वारा घोषित कार्यक्रम के संबंध में एआईयूडीएफ प्रमुख ने कहा कि उनकी पार्टी इस निर्णय का समर्थन करती है, लेकिन उन्होंने चुनावों के संचालन में निष्पक्षता की आवश्यकता पर जोर दिया।

अजमल ने कहा कि हमारी पार्टी इस घोषणा का स्वागत करती है... चुनाव आयोग को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि जहां भी भाजपा की सरकार नहीं है, वहां चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष तरीके से हों। शासन को मजबूत किया जाना चाहिए, किसी के प्रति पक्षपात नहीं होना चाहिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया में चुनाव अवधि के दौरान सभी राजनीतिक दलों के साथ समान व्यवहार होना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारा मुद्दा यह है कि किसी भी पार्टी के साथ कोई भेदभाव नहीं होना चाहिए।

अजमल ने विपक्षी दलों से सत्ताधारी दल को चुनौती देने के लिए एकजुट होने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि हम भाजपा को सत्ता से हटाना चाहते हैं। मैं सभी गैर-भाजपा दलों से एकजुट होकर भाजपा को सत्ता से हटाने का प्रयास करने का आग्रह करता हूं। चुनाव आयोग ने रविवार को पश्चिम बंगाल, केरल, तमिलनाडु और असम के साथ-साथ केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में विधानसभा चुनावों का कार्यक्रम घोषित किया। पश्चिम बंगाल में मतदान दो चरणों में 23 अप्रैल और 29 अप्रैल को होगा, जबकि केरल, असम और पुडुचेरी में 9 अप्रैल को एक ही चरण में मतदान होगा। तमिलनाडु में 23 अप्रैल को मतदान होगा। सभी पांच क्षेत्रों के मतों की गिनती 4 मई को होगी। चुनाव आयोग द्वारा घोषित चुनाव कार्यक्रम में पांचों क्षेत्रों की कुल 824 विधानसभा सीटों को शामिल किया गया है, जिनमें लगभग 17.4 करोड़ मतदाताओं के मतदान का अनुमान है।

दिल्ली में युवा कांग्रेस का बड़ा प्रदर्शन, भारत-अमेरिका ट्रेड डील को बताया किसानों के लिए 'धोखा'

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय युवा कांग्रेस ने भारत-अमेरिका व्यापार समझौते और एलपीजी की कमी की खबरों के खिलाफ 'संसद घेराव' का प्रदर्शन किया। भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब ने कहा कि यह व्यापार समझौता देश के किसानों को नुकसान पहुंचाएगा, और अगर हम किसानों को बचाना चाहते हैं, तो हमें इस व्यापार समझौते के खिलाफ लड़ना होगा। राहुल गांधी के नेतृत्व में युवा कांग्रेस इसके खिलाफ लड़ रही है।

युवा कांग्रेस के अध्यक्ष उदय भानु चिब के नेतृत्व में संगठन के कार्यकर्ता जंतर-मंतर से 'संसद घेराव' करने के लिए आगे बढ़े, हालांकि पुलिस ने उन्हें रोक दिया। इस विरोध प्रदर्शन से पहले कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं- रणदीप सिंह सुरजेवाला, सचिन पायलट और अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग- ने युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। चिब ने कहा कि अमेरिका के साथ व्यवार समझौता दबाव का परिणाम है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री समझौता कर चुके हैं और एप्सटीन फाइल के चलते भी सरकार दबाव में है। चिब ने कहा कि सरकार को इस व्यापार समझौते को रद्द करना चाहिए।

इससे पहले युवा कांग्रेस की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष अक्षय लाकड़ा ने संवाददाताओं से कहा था कि देश भर से पार्टी की युवा शाखा के कार्यकर्ता केंद्र की नीतियों और भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के खिलाफ प्रदर्शन करने के लिए जंतर-मंतर पर एकत्र होंगे। इस विरोध प्रदर्शन की अगुवाई युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब करेंगे। लाकड़ा ने कहा कि युवा कांग्रेस यह इस बात की ओर लोगों का ध्यान आकर्षित करेगी कि कैसे व्यापार समझौते से किसानों और कपड़ा क्षेत्र को नुकसान होगा तथा देश की डेटा सुरक्षा से भी समझौता होगा।

उन्होंने कहा कि युवा कांग्रेस के सदस्यों ने पहले एआई शिखर सम्मेलन के दौरान भी विरोध प्रदर्शन किया था। चिब और युवा कांग्रेस के कई अन्य पदाधिकारियों को पिछले महीने 'एआई इम्पैक्ट' शिखर सम्मेलन में विरोध प्रदर्शन के मामले में गिरफ्तार किया गया था। चिब और कई पदाधिकारियों को जमानत मिल चुकी है। लाकड़ा ने कहा, "सत्र न्यायालय और दिल्ली उच्च न्यायालय दोनों ने स्वीकार किया है कि विरोध प्रदर्शन लोकतंत्र का अभिन्न अंग है।" उन्होंने आरोप लगाया कि हाल ही में घोषित भारत-अमेरिका व्यापार समझौते से भारतीय डेटा अमेरिका तक पहुंच जाएगा और घरेलू क्षेत्रों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।

नेतन्याहू का कॉफी शॉप वाला वीडियो है डीपफेक का कमाल? ग्रोक के दावे से हड़कंप

तेल अवीव **(एजेंसी)**। इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू द्वारा अपनी मृत्यु की अफवाहों को खारिज करने के लिए एक कॉफी शॉप से साझा किया गया एक नया वीडियो सोशल मीडिया पर काफी चर्चा में है। अब ग्रोक के दावे ने नया विवाद खड़ा कर दिया है। ग्रोक की तरफ से वीडियो को लेकर दावा किया गया है कि ये आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) जेनरेटेड है। यह वीडियो ईरान में हुए हमले में उनकी मृत्यु की खबरों के इंटरनेट पर फैलने के बाद शेयर किया गया था। वीडियो में नेतन्याहू ने अपनी मौत की खबरों का मजाक उड़ाते हुए कहते नजर आ रहे हैं कि मैं कॉफी के लिए मर रहा हूं। हालांकि, ग्रोक ने दावा किया कि वीडियो असली नहीं है और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से जेनरेटेड डीपफेक क्लिप है। इस दावे ने उनके ठिकाने और कुशलक्षेम को लेकर अटकलों को और हवा दी है।

बहस तब और तेज हो गई जब सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर मौजूद एआई चैटबॉट ग्रोक से एक यूजर ने इस वीडियो की प्रमाणिकता के बारे में पूछा। दरअसल, ग्रोक ने इसे सटायर वीडियो करार दिया है। एआई अस्सिटेंट ने वीडियो में कई ऐसे उदाहरण भी बताए जिनसे इसके नकली होने का संकेत मिलता है। चैटबॉट के मुताबिक वीडियो में वह एक कॉफी शॉप में बैठे हुए ईरान और लेबनान से जुड़े सैन्य ऑपरेशन की बात करते हुए दिखाई देते हैं, जबकि ऐसा कोई सार्वजनिक कार्यक्रम या घटना कहीं दर्ज नहीं है। ग्रोक के इस जवाब का स्क्रीनशॉट सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया, जिससे वीडियो की असलियत को लेकर और भ्रम पैदा हो गया। इजरायल विरोधी षड्यंत्र सिद्धांतों के लिए जाने जाने वाले जैक्सन हिंकल ने वीडियो में नेतन्याहू की जेब की असामान्य हरकतों की ओर भी इशारा किया। उनके पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए, एक अन्य यूजर ने एक वीडियो पोस्ट किया जिसमें वह क्षण दिखाया गया है जब नेतन्याहू अपना बायां हाथ जेब में डालते हैं। कुछ उपयोगकर्ताओं ने उनके कॉफी कप के स्क्रीनशॉट और वीडियो क्लिप भी संलग्न किए, जिनमें कथित तौर पर दिखाया गया है कि कॉफी 'गुरुत्वाकर्षण को चुनौती देते हुए' गिर नहीं रही है। कुछ लोगों ने यह भी बताया कि नेतन्याहू का बायां हाथ अधिक प्रभावी है, जबकि वीडियो में उन्हें दाएं हाथ से कॉफी पीते हुए दिखाया गया है।

मध्य पूर्व में बढ़ा तनाव! यूएई के फुजैराह पोर्ट पर ड्रोन हमला, दुनिया की तेल सप्लाई खतरे में

यरुशलम। संयुक्त अरब अमीरात के प्रमुख बंदरगाह फुजैराह पर ड्रोन से हमला हुआ है। यह होर्मुज जलडमरूमध्य के बाहर देश के एकमात्र निर्यात मार्ग को खतरे में डालने वाले हमलों की श्रृंखला में नवीनतम घटना है। फुजैराह मीडिया कार्यालय ने सोमवार को बताया कि ड्रोन हमले के कारण इलाके में स्थित पेट्रोकेमिकल्स कॉम्प्लेक्स में आग लग गई। मामले से परिचित सूत्रों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि क्षति का आकलन किए जाने तक एहतियात के तौर पर तेल लोडिंग रोक दी गई है। उन्होंने कहा कि उन्हें मीडिया से बात करने का अधिकार नहीं है। शनिवार को हुए पिछले ड्रोन हमले में आग लगने के बाद सप्ताहांत में बंदरगाह पर लोडिंग फिर से शुरू हो गई थी। सैन्य कार्रवाई तेज होने के मद्देनजर मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान और मोहम्मद बिन सलमान ने फोन पर बातचीत कर क्षेत्रीय घटनाक्रमों की समीक्षा की। गल्फ न्यूज के अनुसार, दोनों नेताओं ने क्षेत्रीय और वैश्विक सुरक्षा और स्थिरता के लिए इस तरह के तनाव से उत्पन्न गंभीर खतरों पर चर्चा की। इजरायली सेना ने सोमवार को कहा कि उसने ईरान के शहरों तेहरान, शिराज और तब्रीज़ पर व्यापक हमले शुरू कर दिए हैं। ये हमले इस्लामी गणराज्य के खिलाफ अमेरिका-इजरायल युद्ध के दो सप्ताह से अधिक समय बाद किए गए हैं। सेना ने एक बयान में कहा कि आईडीएफ ने तेहरान, शिराज और तब्रीज़ में ईरानी आतंकी शासन के बुनियादी ढांचे को निशाना बनाते हुए बड़े पैमाने पर हमले शुरू कर दिए हैं।

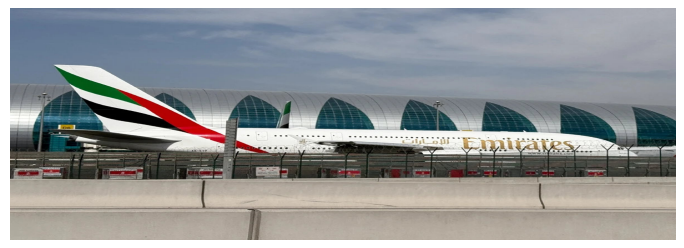

ईरान में तनाव पर एमईए का बड़ा खुलासा, 550 भारतीय आर्मेनिया तो 90 अज़रबैजान में दाखिल हुए

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय सरकार ने सोमवार को कहा कि उसके सैकड़ों नागरिक पड़ोसी देशों के रास्ते ईरान से बाहर निकल चुके हैं, क्योंकि पश्चिमी एशिया में जारी तनाव के बीच अधिकारी क्षेत्र में नागरिकों की सहायता करना जारी रखे हुए हैं। अंतर-मंत्रालयी ब्रीफिंग के दौरान एक अपडेट साझा करते हुए, विदेश मंत्रालय (एमईए) के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि कई भारतीय नागरिक पड़ोसी देशों के रास्ते ईरान से बाहर निकल चुके हैं, जबकि अन्य को सुरक्षा के लिए देश के भीतर ही स्थानांतरित कर दिया गया है।

सरकार के अनुसार, 550 भारतीय नागरिक ज़मीनी सीमा से आर्मेनिया में दाखिल हुए हैं, जबकि 90 भारतीय अज़रबैजान में चले गए हैं।

अधिकारियों ने बताया कि 284 भारतीय तीर्थयात्रा के लिए ईरान गए थे। इनमें से कुछ भारत लौट चुके हैं, जबकि अन्य के अगले कुछ दिनों में लौटने की उम्मीद है। विदेश मंत्रालय के खाड़ी क्षेत्र के संयुक्त सचिव असीम महाजन ने कहा कि अधिकारी इस क्षेत्र में भारतीयों के लिए चौबीसों घंटे सहायता प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'हम पश्चिम एशिया की स्थिति पर लगातार नजर रख रहे हैं। प्रवासी भारतीयों को सहायता प्रदान करने के लिए नियंत्रण कक्ष लगातार कार्यरत है।' सरकार ने यह भी कहा कि इस वर्ष की शुरुआत में तनाव बढ़ने के बाद से बड़ी संख्या में भारतीय नागरिक इस क्षेत्र से लौट चुके हैं। विदेश मंत्रालय के अनुसार, चल रही सहायता और निकासी प्रयासों के तहत 28 फरवरी से पश्चिम एशियाई क्षेत्र से 228, 000 भारतीय लौट चुके हैं।

अमेरिकी हवाई हमलों से दहला ईरान, चाबहार पोर्ट के पास सैन्य ठिकानों पर किया बड़ा हमला

वाशिंगटन **(एजेंसी)**। वॉयस ऑफ अमेरिका के हवाले से बताया गया है कि सोमवार को अमेरिका द्वारा किए गए नए हवाई हमलों के दौरान ईरान के चाबहार मुक्त व्यापार क्षेत्र के पास भीषण विस्फोटों की आवाजें सुनाई दीं। खबरों के मुताबिक, हवाई हमलों में ईरान के सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया। यह पता नहीं चल पाया है कि इन हवाई हमलों में कोई हताहत हुआ है या नहीं। यह मुक्त व्यापार क्षेत्र ईरान के दक्षिण-पूर्वी सिस्तान और बलूचिस्तान प्रांत में पाकिस्तान की सीमा के पास स्थित है। विदेशी निवेश को आकर्षित करने और पारंपरिक तथा भीड़भाड़ वाले व्यापार क्षेत्रों से बचने के उद्देश्य से 1992 में स्थापित चाबहार मुक्त व्यापार क्षेत्र ईरान में एक प्रमुख औद्योगिक और पारगमन केंद्र के रूप में कार्य करता है। यह ईरान का एकमात्र समुद्री बंदरगाह भी है जिसकी हिंद महासागर तक सीधी पहुंच है। यह व्यापार क्षेत्र उज्बेकिस्तान और तुर्कमेनिस्तान जैसे कई मध्य एशियाई देशों के लिए पारगमन गलियारा प्रदान करता है और अफगानिस्तान तक भी पहुंच प्रदान करता है।

चाबहार के पास अमेरिका द्वारा हमला किए जाने का यह पहला मौका नहीं है। 28 फरवरी को, अमेरिका और इजरायल के संयुक्त हवाई हमले के पहले ही दिन, प्रांत में स्थित सैन्य ठिकानों पर हमला हुआ था। इस हमले में ईरान भर में सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया गया था और तत्कालीन सर्वोच्च नेता, अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या कर दी गई थी। ये हमले मध्य पूर्व में बढ़ते संघर्ष के बीच हुए। सोमवार को दुबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास एक ड्रोन हमले में ईंधन टैंक क्षतिग्रस्त हो गया, जिसके बाद भीषण आग लग गई। मध्य पूर्व में चल रहे अमेरिका-इजराइल-ईरान युद्ध के मद्देनजर एहतियात के तौर पर हवाई संचालन रोक दिया गया।

दुबई अधिकारियों ने बताया कि आग पर काबू पाने के लिए तुरंत नागरिक सुरक्षा दल तैनात किए गए थे।

वाणिज्य सचिव का बड़ा बयान

नए टैरिफ स्ट्रक्चर के बाद ही भारत-अमेरिका व्यापार सौदा पर लगेगी मुहर

वाशिंगटन। भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित व्यापार समझौते पर औपचारिक हस्ताक्षर तभी किए जाएंगे जब दोनों देशों के बीच नई टैरिफ व्यवस्था को अंतिम रूप दे दिया जाएगा। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने कहा कि भारत और अमेरिका वर्तमान में समझौते के बारीक विवरणों पर चर्चा कर रहे हैं, जिससे संकेत मिलता है कि बातचीत अभी जारी है। अग्रवाल ने कहा कि हम इस समय अमेरिका के साथ विवरणों पर बातचीत कर रहे हैं और आगे कहा कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर वास्तविक हस्ताक्षर तभी किए जाएंगे जब नई टैरिफ व्यवस्था लागू हो जाएगी। ये टिप्पणियां तब आईं जब सरकार ने देश के नवीनतम व्यापार आंकड़े जारी किए, जिनसे पता चला कि फरवरी में भारत का माल निर्यात मामूली रूप से 0.81 प्रतिशत गिरकर 36.61 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया।

हालांकि, आयात में इस माह 24.11 प्रतिशत की तीव्र वृद्धि दर्ज की गई और यह 63.71 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया, जो एक वर्ष पहले के 51.33 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक है। इसके परिणामस्वरूप, फरवरी में व्यापार घाटा बढ़कर 27.1 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया। मासिक गिरावट के बावजूद, अग्रवाल ने कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारत का निर्यात प्रदर्शन मजबूत बना हुआ है। वित्त वर्ष 2026 के अप्रैल-फरवरी अवधि के दौरान, देश का निर्यात 1.84 प्रतिशत बढ़कर 402.93 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया। इसी अवधि में आयात 8.53 प्रतिशत बढ़कर 713.53 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया, जो मजबूत घरेलू मांग और आयात में वृद्धि को दर्शाता है।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.phpid=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharatt=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. MAHHIN/ 2016/65841 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा AIS Printing solution प्लॉट नं0-A- 544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एमआईडीसी माहपे-नवी मुंबई, थाने 400709 से मुद्रित एवं शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012प्रकाशित एवं सम्पादित । कार्यालय : शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012 । फोन : 022-24706563 । कार्यकारी सम्पादक- योगेन्द्र चौधरी
E-Mail : editormantrabharat@gmail.com mantrabharatmumbai@gmail.com । सम्पादक : विनोद आर शर्मा, मोबाइल : 7007837917 । समूह सम्पादक : डॉ दयानन्द तिवारी। वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे के लिए मंत्र प्रधान कार्यालय क्षेत्र प्रयागराज/ इलाहाबाद न्यायालय ही होगा। प्रधान कार्यालयः 80ए मेंहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 (नोटः कानूनी पत्र व्यवहार का पता प्रधान कार्यालय ही होगा।)